IN ANY EMERGENCY
DIAL
100
TELANGANA POLICE
www.tspolice.gov.in
@ Telangana State Police

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

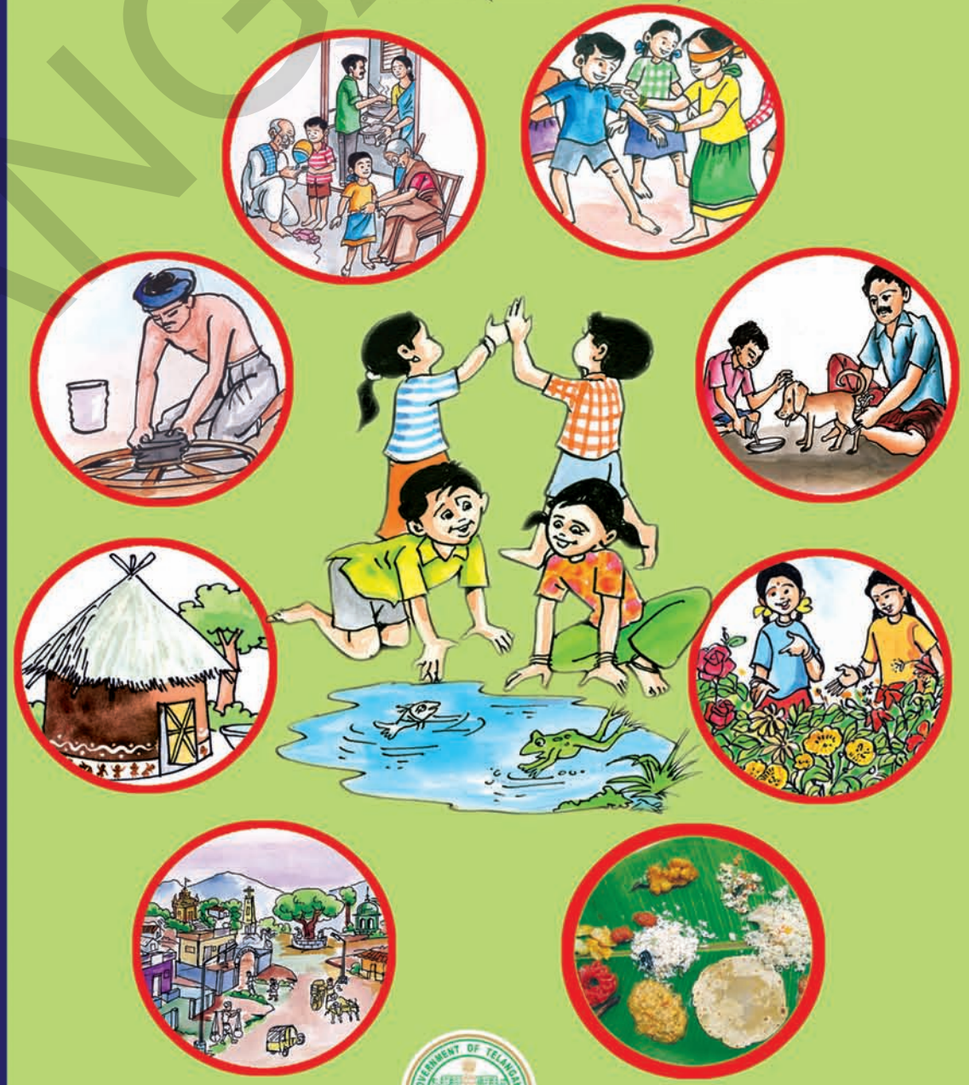

परिसर विज्ञान

FREE

हम - हमारे परिसर

तीसरी कक्षा

Environmental Studies (Hindi Medium) Class-III

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

पर्यावरण विज्ञान (EVS)

कक्षा - तीन (Class-III)

बच्चे-

- आसपास के पौधों के पत्तों, तने ओर छालों की सामान्य विशेषताएँ (आकार, रंग, बनावट, गंध आदि) तथा जंतुओं (गति, पाये जानेवाले स्थान, खोने की आदतें, ध्वनियों आदि) को पहचानते है। घर में परिवार के सदस्यों के साथ इसके संबंधों को पहचानते हैं।
- घर/पाठशाला/पड़ोस में मौजूद परिवहन, संचार के माध्यमों, साइन बोर्डों आदि) वस्तुओं चिह्नों, (घरों/आवासों के प्रकार, बस स्टैण्ड, पेट्रोल पंप आदि) स्थनों, (लोगों द्वारा किये जाने वाले कार्य, पकाने की प्रक्रियाओं आदि) क्रियाकलापों को पहचानते हैं।
- विभिन्न आयु वर्ग के लोगों, पशुओं और पक्षियों के लिए भोजन की आवश्यकता, भोजन और जल की उपलब्धता और घर और उसमें आसपास जल के उपयोग की व्याख्या करते हैं।
- विभिन्न तरीकों से पारिवारिक सदस्यों की भूमिकाओं,पारिवारिक प्रभावों (लक्षणों, विशेषताओं, आदतों, प्रथाओं) मिलजुल कर रहने की आवश्यकता की व्याख्या करते हैं।
- विभिन्न अभिप्रायों के द्वारा विभिन्नताओं व समालताओं के अनुसार क्रियाकलापों वस्तुओं, पक्षियों, पशुओं, विशेषताओं आदि को वर्गीकृत करते हैं।
- वर्तमान और प्राचीन (बड़ों के समय में) वस्तुओं और क्रियाकलापों (उदाः- कपड़ों/बर्तनों/खेले गये खेलों/लोगों द्वारा किये गये कार्यों) में अंतर करते हैं।
- चिह्नों/गैर-मानक इकाईयों (बालिश/चम्मच/मग आदि) का उपयोग करते हुए सामाग्रियों/दैनिक जीवन की गतिविधियों के परिमाणों और गुणों का अनुमान लगाते हैं जाँच करते हैं।
- चिह्नों/प्रतीकों/शब्दों का उपयोग करते हुए सामान्य मानचित्रों (घर/कक्षाकक्ष/पाठशाला के) में दिशाओं, वस्तुओं की स्थिति/स्थानों को पहमानते हैं।
- सामान्य मानचित्रों (कक्षाकक्ष, घर/पाठशाला आदि के विभागों) नारे, कविताओं, वस्तुओं के ऊपरी, समकक्ष, बाबीं, दायीं ओर के दृश्यों, मॉडलों, बनावटों, रेखाचित्रों, रूपांकनों का सृजन करते हैं।
- पास पड़ोस की विभिन्न पारिवारिक संरचनाओं और पौधों, पशुओं, वरिष्ठों, दिव्यांगों के प्रति संवेदना दर्शाते हैं।

मेरा मन चाहा बदलाव मुझसे ही होगा

1. *हमेशा अपने साथ एक थैली रखूँगा। बाज़ार में दिये जाने वाले पॉलिथिन थैली मना करूँगा।*
2. *पंप (नलकूप/अन्य स्रोत) से सीधे पानी का इस्तेमाल न करते हुए, आवश्यकतानुसार बर्तनों में पानी पकड़कर, पानी की बर्बादी को रोकूँगा।*
3. *बिजली की बचत कर, प्रतिमाह बिजली के बिलों में कटौती लाऊँगा, प्रदूषण नियंत्रित करूँगा।*
4. *लकड़ी की सामग्री का उपयोग करने के साथ-साथ पेड़-पौधे लगाऊँगा।*
   घर के अंदर, चारों ओर पौधे मैं ही लगाऊँगा, लगवाऊँगा, उनकी रक्षा करूँगा।
5. *सूखे, गीले व्यर्थ पदार्थों (कचरा) दोनों को अलग करूँगा-कचरा लेने जाने वाले सफाई कर्मचारी को मैं ही दे आऊँगा।*
6. *पुरानी वस्तुएँ इकट्ठा कर या घर की पुरानी वस्तुएँ ज़रूरतमंदों को दूँगा।*
7. *अनावश्यक यात्राएँ कम करूँगा। जहाँ तक हो सके चार लोगों के साथ मिलकर यात्रा करूँगा। सामाजिक परिवहन सुविधा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करूँगा।*
8. *सौरऊर्जा, सूर्यकिरणों का दिन भर उपयोग कर जहाँ तक हो सके रात में बिजली के उपयोग को कम करूँगा।*
9. *कंप्यूटर में टिकट आरक्षण, ई-सेवाओं के माध्यम से बिलों का भुगतान कर जहाँ तक हो सके सड़क की भीड़-भाड़ कम करूँगा। वायु प्रदूषण नियंत्रित करूँगा।*
10. *हरे-भरे जीवन के लिए इन दस सूत्रों... को दस लोगों में बाँटकर, कम से कम तीन लोगों द्वारा मेरी तरह पालन करने के लिए प्रयास करूँगा।*

पेड़-पौधे लगाओ - देश को हरा-भरा बनाओ।
पेड़ लगाओ - पेड़ बचाओ।
पेड़ की रक्षा करो - वे तुम्हारी रक्षा करेंगे।
पानी की बर्बादी रोको - पानी की बचत करो।
खाने से पहले, खाने के बाद, हाथ-पैर धोओ।
वातावरण को स्वच्छ बनाओ - स्वास्थ्य की रक्षा करो।

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

SCERT TELANGANA

हम – हमारे परिसर

तीसरी कक्षा

परिसर विज्ञान

संपादक

प्रोफेसर वी. सुधाकर

अंग्रेज़ी, विदेशी भाषाओं का विश्वविद्यालय (EFLU), हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी

प्रोफेसर. पाठ्यपुस्तक व पाठ्यक्रम विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. आर. जगदीश्वर गौड

प्राचार्य, जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्था, आदिलाबाद

विषय विशेषज्ञ

श्री सुवर्ण विनायक

समन्वयक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री अलेक्स एम. जॉर्ज

एकलव्य, मध्य प्रदेश

श्री कमल महेंद्रु

विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर

सलाहकार – लिंग संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S., निदेशक, ACB, तेलंगाणा, हैदराबाद

पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं प्रकाशन समिति

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
प्रोफेसर. पाठ्यपुस्तक व पाठ्यक्रम विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. सुधाकर
निदेशक,
पाठ्यपुस्तक प्रकाशन विभाग,
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार का प्रकाशन, तेलंगाणा, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana, Hyderabad

First Published 2012
New Impressions 2013, 2014, 2015, 2017,2018, 2019,2020

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

Printed in India
at the Telangana Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

हम सभी सामाजिक प्राणी हैं। समाज के रीति–रिवाजों, परंपराओं, जीवन शैली का पालन करने और उसके अनुरूप बनने के कारण जीवन व्यापन कर पा रहे हैं। इसके लिए बालकों में उनके चारों ओर के परिसर का ज्ञान होना आवश्यक है। प्राथमिक स्तर पर परिसर विज्ञान शीर्षक से सीखा गया ज्ञान उच्च प्राथमिक, उच्च स्तर पर सामाजिक अध्ययन व विज्ञान के शीर्षक से और अधिक विस्तार से सीखने में सहायक होगा। प्राथमिक स्तर पर बालकों को अपने चारों ओर के परिसर के बारे में, परिसर के द्वारा परिसर ज्ञान के लिए अभ्यास करना पड़ता है। इस बीच नवीन पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया, किंतु शिक्षा का अधिकार कानून–2009 के कारण पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता पड़ आसन्न हुई है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा–2005 (NCF), शिक्षा का अधिकार कानून–2009 के मार्गदर्शक सूत्रों के अनुसार हमारे राज्य की पाठ्यक्रम रूपरेखा 2011 (APSCF) का निर्माण किया गया। इसके अनुसार प्रत्येक कक्षा के लिए शैक्षिक मापदंडों निर्धारित हुए हैं। इसकी उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की विषयवस्तु, पाठ्क्रम को ध्यान में रखकर तीसरी कक्षा के लिए ''हम – हमारे परिसर'' शीर्षक से परिसर विज्ञान की पाठ्यपुस्तक तैयार की गयी है।

इस पाठ्यपुस्तक में परिवार, मित्र जैसे लोगों के बीच संबंध, कार्य, खेल, जीव–जंतु, पौधे, आहार, पानी, आवास, यात्रा, हमारा गाँव, तैयार की जानी वाली वस्तुएँ जैसी विषयवस्तु से 16 पाठों का निर्माण किया गया है। सभी प्रांतों के बालकों को समझ में आने योग्य आसान भाषा, चित्रों, वास्तविक चित्रों को पाठ्यपुस्तक में स्थान दिया गया है। बालकों में होने वाली स्वाभाविक कौतूहलता, जिज्ञासा, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिए अभ्यास, क्रियाकलाप दिये गये हैं। हर पाठ में बालकों को स्वयं समाचार इकट्ठा करके ज्ञान निर्माण करने के उपयुक्त निरीक्षण, अन्वेषण, समाचार कौशल से संबंधित क्रियाकलाप, परियोजना कार्य जैसे अभ्यास दिये गये हैं। सतत समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए, क्रियाकलापों, अभ्यासों, प्रश्नों को हर पाठ अंतर्निहित किया गया है। पाठ की समाप्ति के बाद ''इन्हें करो'' शीर्षक से अभ्यास दिये गये हैं। इनमें विषय की समझ, चित्र उतारना, रंग भरना, समाचार कौशल – परियोजना कार्य, प्रशंसा, प्रश्न करना जैसी दक्षताओं की प्राप्ति के अनुरूप चित्र संकेत भी हैं। उसी तरह पाठ से संबंधित मुख्य भावनाओं को ''मुख्य शब्द'' के रूप में दर्शाया गया है। पाठ के मुख्य बातों की पुनरावृत्ति के लिए ''हमने सीखा'' शीर्षक दिया गया है। बालक स्वयं अपना आकलन करने के अनुरूप ''क्या मैं ये कर सकता हूँ'' शीर्षक के माध्यम से स्वमूल्यांकन के अभ्यास भी दिये गये हैं।

इस पाठ्यपुस्तक में बालकों को सीधे–सीधे जानकारी दिये बिना, अपने आप सीखने के प्रति बल दिया गया है। इसके लिए अपने साथियों, अध्यापकों, माता–पिता, समाज के सदस्यों से चर्चा कर, क्रियाकलापों, सामूहिक क्रियाकलापों, व्यक्तिगत क्रियाकलापों में भाग लेने योग्य अभ्यास दिये गये हैं। परिसर के बारे में जानने के लिए बालक जब परिसर में जाते हैं तो उन्हें विभिन्नताओं की वैविध्यता समझने में सहायता मिलती है। समाज, परिसर में विभिन्नता एक स्वाभाविक अंश होने के कारण वे उनकी प्रशंसा कर सकते हैं। अपने आप को परिसर के अनुकूल बदलकर सामंजस्य की भावना का विकास कर पाते हैं।

इसके लिए अध्यापकों को चाहिए कि वे उपयुक्त सामग्री, योजनाओं का निर्माण करें। इस दृष्टिकोण पाठ्यपुस्तक मात्र साधन भर है। बालकों के अनुभवों, स्थानीय परिसर को एक मज़बूत संसाधन के रूप में लेकर पाठ्यपुस्तक और मज़बूत बनायेंगे, ऐसी आशा की जाती है। हमें विश्वास है कि इसके द्वारा बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास होकर उच्च अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में भाग लेने वाले अध्यापकों, प्राध्यापकों, चित्रकारों, डीटीपी, ले–आउट निर्माता, पाठ्यक्रम सदस्य सभी को अभिवादन देती हूँ। पाठ्यपुस्तक को सुंदर, आकर्षणीय, बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास करने योग्य पुस्तक का निर्माण करने में दिशा–निर्देश देने वाले विषय विशेषज्ञों को विशेष अभिवादन प्रकट करती हूँ। संपादक वर्ग को भी धन्यवाद देती हूँ। भाषा की दृष्टि से संशोधन करने वाले श्री पोरंकी दक्षिणामूर्ति, अवकाशप्राप्त उपनिदेशक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना हैदराबाद को विशेष धन्यवाद देती हूँ। यह पाठ्यपुस्तक भविष्य के शिक्षण योजनाओं, दक्षताओं की वृद्धि करने में सहायक होगी, ऐसी आशा करती हूँ।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

दिनांक : 27-03-2012
स्थान : हैदराबाद

SCERT TELANGANA

राष्ट्रगान

- रवींद्रनाथ टैगोर

जन–गण–मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता!
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग!
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा!
उच्छल जलधि–तरंग!
तव शुभ नामे जागे!
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन–गण–मंगलदायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता!
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!!

प्रतिज्ञा

- प्रैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई–बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान–भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान–भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता–पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव–जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सुवर्ण विनायक, समन्वयक, एस.सी.ई.आर.टी., हैदराबाद
श्री मेड़ा हरिप्रसाद, जेड.पी.एच.एस. आकुलमल्ला, संजामला मंडल, कर्नूल
श्री के. लक्ष्मीनारायण, प्राध्यापक, जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्था, अंगलूरु, कृष्णा
श्री पी. रतंगपाणी रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोल्कमपल्ली, अड्डाकल, महबूबनगर
श्री श्री बी. रामकृष्णा, एस.ए., जी.जी.एच.एस. नल्लागुट्टा (न्यू), सिकंद्राबाद, हैदराबाद
श्रीमती वंगीपुरम स्वर्णलता, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पाता पट्टीसम, पश्चिमी गोदावरी
श्री एन. सी. जगन्नाथ, एस.जी.टी., जी.एच.एस. कुलुसुम पुरा, हैदराबाद
श्री के. उपेंदर राव, एस.जी.टी., पी.एस. तुर्कपल्ली मंडल, नलगोंडा
श्री ई. डी. मधुसुदन रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. (ब्वायज़) कोस्गी, महबूबनगर
कुमारी शालिनी, विद्याभवन सोसायटी, उदयपुर, राजस्थान
श्री के. वी. सत्यनारायण, एम.आर.पी., गरिडेपल्ली मंडल, नलगोंडा
श्री शेख़ ब्रह्माजी शा, एस.जी.टी., पी.एस. चिन्नताल्लपालेम, रामचंद्रापुरम मंडल, पूर्वी गोदावरी
डॉ. आर. सतीश बाबू, पी.एस. बुर्कपिट्टा तांडा, सूर्यापेट मंडल, नलगोंडा

समन्वयन

श्रीमती डी. विजयलक्ष्मी, प्राध्यापक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद
श्री पी. रतंगपाणी रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोल्कमपल्ली, अड्डाकल, महबूबनगर

हिंदी अनुवाद समन्वयन

डॉ. पी. शारदा, समन्वयक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद (समन्वयक)
श्रीमती प्रेमलता नथाने, अवकाशप्राप्त प्राध्यापिका, हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद (संपादक)
श्री सुरेश कुमार मिश्रा "उरतृप्त", जेड. पी. एच. एस. पसुमामुला, रंगारेड्डी (सहायक)

हिंदी अनुवादक

श्रीमती एन. हेमलता, जेड.पी.एच.एस. रागन्नागुड़ा, हयातनगर, रंगारेड्डी
डॉ. सविता, बंसीलाल बालिका विद्यालय, बेगम बाज़ार, हैदराबाद

चित्रकार

श्री. कूरेल्ल श्रीनिवास, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोचमपल्ली, नलगोंडा
श्री बी. किशोर कुमार, एस.जी.टी., यू.पी.एस. अल्वाला, अनुमला मंडल, नलगोंडा
श्री सय्यद अहमदुल्ला, ड्राइंग अध्यापक, जी. एच. एस. काज़ीपेट, वरंगल

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

- बालकों को चाहिए कि वे अपने चारों ओर के बारे में परिसर के बारे में समझें। उस परिसर से सांमजस्य करना चाहिए। अन्वेषण के माध्यम से परिसर के बारे में अपनी अवधारणा बढ़ानी चाहिए। इसीलिए प्राथमिक स्तर पर परिसर विज्ञान की पुस्तक का हमने "हम–हमारे परिसर" शीर्षक रखा है।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु के आधार पर राज्य की परिस्थितियों के अनुरूप पाठ्क्रम, विषयवस्तु तैयार की गयी है।
- हमारे परिवार के बीच संबंधों, कार्यों, खेलों, जीव–जंतुओं, पौधों, आहार, पहनावा, आवास, यात्रा, पानी, तैयार की जाने वाली वस्तुएँ, गाँव नामक विषयवस्तु के आधार पर पाठ्यविषयवस्तु का निर्माण किया गया है।
- इस पाठ्यपुस्तक में 16 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। पहली इकाई में तीन पाठ, दूसरी इकाई में पाँच पाठ, तीसरी इकाई में पाँच पाठ, चौथी इकाई में तीन पाठ हैं।
- हर पाठ में बालकों को आसानी से समझने के लिए अनुकूल चित्र दिये गये हैं। हर पाठ दैनिक जीवन के संदर्भों, घटनाओं अथवा बालक के परिचित अनुभवों से प्रारंभ होता है।
- किसी भी पाठ को पढ़ाते समय बालकों से बातचीत करवानी चाहिए। उनके अनुभवों पर चर्चा करवानी चाहिए। इससे संबंधित मुख्य प्रश्नों से पाठ आरंभ करना चाहिए।
- बालकों के लिए निरीक्षण करने योग्य, साथी बालकों / परिवार के सदस्यों / बड़ों/समाज के सदस्यों से जानकारी इकट्ठा करने, इकट्ठा की गयी सामग्री को तालिका रूप में तैयार करने, साथी बालकों के साथ चर्चा करने, छोटे–छोटे प्रयोग करने, अन्वेषण, परियोजना कार्य से युक्त अभ्यास दिये गये हैं।
- इस पाठ्यपुस्तक का मुख्य उद्देश्य बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास करना है। अतः इस कार्य को पूरी तरह कक्षा कार्य मानकर समूह में, व्यक्तिगत तौर पर करने योग्य क्रियाकलाप दिये जाने चाहिए। इनका आयोजन करने योग्य चित्र संकेत भी दिये गये हैं। इन्हें उपयोगी सामग्री का इस्तेमाल करते हुए आयोजित करना चाहिए।
- अभ्यासों का उद्देश्य न केवल बालक के सीखे गये ज्ञान की जाँच करना है, बल्कि उनके अनुभवों, सृजनात्मक सोच को विकसित करना भी है। अतः सभी बालकों को भाग लेने का अवसर देना चाहिए।
- हर पाठ में *इन्हें करो* शीर्षक से शैक्षिक मापदंडों को ध्यान में रखते हुए अभ्यास दिये गये हैं। इन्हें बालक समूह तथा व्यक्तिगत तौर पर करना चाहिए।
- हर पाठ के अंत में *मुख्य शब्द* दिये गये हैं। ये शब्द संबंधी पाठ के मुख्य शब्द होते हैं। पाठ पूरा होते ही मुख्य शब्द के प्रति बालकों की धारणा बढ़ानी चाहिए। उसी तरह *हमने सीखा* शीर्षक से पाठ की मूल बातें बतायी गयी हैं। इन्हें बालकों द्वारा पढ़ाना चाहिए। इसका उद्देश्य पाठ की पुनरावृत्ति करना है।
- पाठ के अंत में *क्या मैं ये कर सकता हूँ?* शीर्षक से अभ्यास दिये गये हैं। उसके अंशों को बालक स्वयं सीखे, इसके लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। इनमें कक्षा के अस्सी प्रतिशत बालक करने पर ही अगला पाठ प्रारंभ करना चाहिए।
- सतत समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए हर पाठ में प्रश्न / क्रियाकलापों को अंतर्निहित किया गया है। उसी तरह *क्या मैं ये कर सकता हूँ* का उद्देश्य बालकों का स्वमूल्यांकन करना है। हर पाठ समाप्त होते ही अभ्यासों में बताये अनुसार दक्षतावार बालकों की प्रगति का अंकन प्रगति पंजिका में करना चाहिए।
- जुलाई, सितंबर, दिसंबर, फरवरी महीनों में इकाई परीक्षाओं का मूल्यांकन, उसी तरह अक्तूबर, अप्रैल महीनों में सत्रांत परीक्षाओं का मूल्यांकन करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

तीसरी कक्षा परिसर विज्ञान – पाठ्यक्रम अंश

1. परिवार, परिवार के सदस्य, मित्र उनके बीच संबंध	परिवार के सदस्य, गुण, मुख आकार, परिवार के बारे में, तरह–तरह के परिवार
2. कार्य, खेल	परिवार के सदस्यों द्वारा किये जाने वाले काम, एक–दूसरे की सहायता करना, गाँव में काम करने वाले, उनकी आवश्यकताएँ, काम करने वाले बालक
	तरह–तरह के खेल, आवश्यकता, वस्तुओं के साथ खेले जाने वाले खेल, बिना वस्तुओं के खेले जाने वाले खेल, व्यक्तिगत तौर पर खेले जाने वाले खेल, समूह में खेले जाने वाले खेल, खेल के नियम, खेल भावना
3. जीव–जंतु	हमारे चारों के जीव–जंतु, पक्षी, उनके निवास, पालतू जानवर, भ्रमण पक्षी, क्या कैसे जाते हैं? जीवों के प्रति दया, कीट और उनसे होने वाली हानियाँ
4. पौधे	तरह–तरह के पेड़, घर में लगाये जाने वाले पेड़, उनके उपयोग, हमें क्यों पेड़ लगाना चाहिए? हमारे चारों ओर न उगने वाले पेड़, जलीय पौधे, मरुस्थलीय पौधे
	पत्तों के प्रकार (परिमाण, किनारे, सिरे, आकार, रंग), पत्तों का झड़ना, आहार के रूप में पत्ते, पत्तों से सजावट, पत्तों से आकारों की तैयारी, पत्तों से खेल, खाद गड्ढा
5. आहार	हमें आहार क्यों खाना चाहिए, आहार कहाँ से आता है, पकाकर खाये जाने वाले आहार, बिना पकाये खाये जाने वाले आहार, पकाने के ढंग में भिन्नता, तरह–तरह के पकवान बर्तन, उनके उपयोग
	विविध प्रांतों की आहार आदतें, जीव–जंतुओं की आहार आदतें, मिलकर भोजन करने से होने वाले लाभ, आयु के अनुरूप आहार की आदतें
6. हमारा गांव, मानचित्र कौशल	गाँव, गाँवों की संस्थाएँ – उपयोग, गाँवों में यातायात, गाँव में रहने वाले लोगों द्वारा किये जाने वाले काम
	मानचित्रों की समझ, मानचित्रों के चिह्नों की आवश्यकता, मानचित्र उतारने का ढंग, मानचित्र द्वारा जानकारी ग्रहण करना, कक्षाकक्ष, पाठशाला, गली, गाँव का मानचित्र उतारना
7. आवास	घर की आवश्यकता, घर के प्रकार, अस्थायी आवास, भिन्न प्रांतों के घर, अपार्टमेंट, घर की छतें
	घर सजाने के तरीके, साफ–सुथरा घर, घर में फूल के पौधे उगाना, घर की सुंदरता बनाये रखने के लिए सहयोग देना, हमारे काम स्वयं करना, अस्वच्छ घर, व्यर्थ पदार्थ कचरे के डिब्बे में डालना
8. हमारा द्वारा तैयार की जानेवाली वस्तुएँ, कपड़े	तरह–तरह के मिट्टी के खिलौने, मिट्टी के बनाये बर्तन, उनके उपयोग, मिट्टी से बनी मूर्तियाँ, घड़े की तैयारी, मिट्टी के बर्तनों की कमी, मिट्टी से तरह–तरह के खिलौने तैयार करना
	कपड़ों की आवश्यकता, कपड़ों के प्रकार, बच्चों द्वारा पहने जाने वाले, बड़ों द्वारा पहने जाने वाले, महिलाएँ व पुरुष पहनने वाले, मौसम के अनुसार पहने जाने वाले, कपड़े, वेश–भूषा, रीति–रिवाज, सिलाये हुए, रेडिमेड कपड़े, पेशे के हिसाब से कपड़े, धोए हुए कपड़े, कपड़ों पर डिजाइन
9. पानी	पानी की आवश्यकता, पानी के स्रोत, पानी जमा करना, मनुष्य, पशु–पक्षियों को पानी की आवश्यकता, स्वच्छ जल, गंदा जल, अच्छी आदतें, पानी की कमी, पानी की बचत
10. यातायात	यातायात, यातायात के लिए वाहनों की आवश्यकता, दूरी, आवश्यकता के अनुसार यात्रा करने के साधन, यातायात के साधनों का वर्गीकरण, यातायात में खतरे

SCERT TELANGANA

इस पुस्तक द्वारा बच्चे प्राप्त करने वाली अपेक्षित दक्षताएँ

तीसरी कक्षा की *हम – हमारे परिसर* शीर्षकीय पाठ्यपुस्तक द्वारा प्राप्त की जाने वाली अपेक्षित दक्षताएँ नीचे दी गयी हैं। इन्हें वर्ष की समाप्ति तक प्राप्त करना होगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक में पाठों का निम्न बातों से जोड़ते हुए शिक्षण प्रक्रिया आयोजित की जानी चाहिए।

(1) **विषय की समझ :** इस पाठ्यपुस्तक में 16 पाठ से संबंधित विविध विषयों को बच्चे समझना चाहिए। इन्हें दैनिक जीवन से जोड़ना चाहिए। समझना चाहिए। उदाहरण बता सकना, गुणों के अंतर बता सकना, वर्गीकरण कर सकना, समझाना, कारण बता सकना जैसे कार्य कर सकना चाहिए।

(2) **चित्र उतारना, रंग भरना मानचित्र कौशल्य :** बच्चे चित्र उतारने के माध्यम से विषय को समझा सकना चाहिए। इसके लिए पाठ्यविषयवस्तु से संबंधित चित्र उतारना, रंग भरना जैसे कार्य करना आना चाहिए। तीसरी कक्षा के बच्चों को अपने कक्षा कक्ष, पाठशाला, गली, गाँव आदि के मानचित्र उतारना आना चाहिए। मानचित्र के चिह्नों के आधार पर समाचार ग्रहण करना चाहिए।

(3) **प्रयोग कराना, बताना :** बच्चे छोटे–छोटे प्रयोगों द्वारा विषय समझकर समझा सकना चाहिए। उन्होंने प्रयोग कैसे किया, क्या–क्या इस्तेमाल किया, क्रमानुसार बताना चाहिए।

(4) **समाचार कौशल – परियोजना कार्य :** बच्चे दूसरों को पूछने द्वारा, देखने द्वारा, पढ़ने द्वारा समाचार ग्रहण करते हैं। इस तरह ग्रहण किया गया समाचार तालिका में लिखना चाहिए। समाचार तालिका देखकर विश्लेषण कर सकना चाहिए। निर्धारण, साधारणीकरण कर सकना चाहिए। पाठों में दिये गये परियोजना कार्यों में भाग लेना चाहिए। उन्हें कक्षा में प्रदर्शित करना चाहिए।

(5) **प्रश्न करना :** बच्चे को अपने द्वारा देखे गये, सुने गये विषयों, संदर्भों, परिसर के बारे में प्रश्न करना आना चाहिए।

(6) **प्रशंसा :** बच्चों में अच्छी सोच का विकास करना चाहिए। जीव–जंतुओं, पौधों, अपने चारों ओर समाज के व्यक्तियों में होने वाली महत्ता को पहचानना चाहिए। प्रशंसा कर सकना चाहिए। दया, सहयोग की भावना, सहानुभूति, मिलकर काम करना जैसे गुणों का विकास करना चाहिए। साथियों की प्रशंसा करना चाहिए। समाज में, परिसर में होने वाली वैविध्यता को पहचानकर प्रशंसा करनी चाहिए। अलग–अलग तरह के आहार की आदतों, जीवन शैलियों, संस्कृति महत्ता की प्रशंसा करना चाहिए। निजी साफ–सफाई, स्वास्थ्य आदतें अपनानी चाहिए। अपना काम खुद करने, परिवार के वृद्धों, विशेष आवश्यकतावालों की सहायता करने का गुण होना चाहिए।

SCERT TELANGANA

विषयसूची

1.	परिवार	जून	1
2.	कौन क्या काम करता है?	जुलाई	12
3.	आओ खेलें!	जुलाई	20
4.	जीव–उनके निवास	अगस्त	27

5.	हमारे चारों ओर के पौधे	अगस्त	39
6.	पत्तों से लगाव	सितंबर	48
7.	हमारा आहार !	सितंबर	59
8.	आहार की आदतें	सितंबर	70
9.	हमारा गाँव	अक्तूबर	78
10.	तरह–तरह के घर	नवंबर	86
11.	साफ–सुथरा घर ही सुंदर घर	नवंबर	94
12.	चिकनी मिट्टी का कमाल	नवंबर	101
13.	रंग–बिरंगे कपड़े	दिसंबर	108
14.	मैं यहाँ – आप कहाँ?	जनवरी	115

15.	पानी – हमारी आवश्यकताएँ	फरवरी	123
16.	गाँव चलें	फरवरी	134
	पुनरावृत्ती	मार्च	

SCERT TELANGANA

सीखिए

1. परिवार
(The Family)

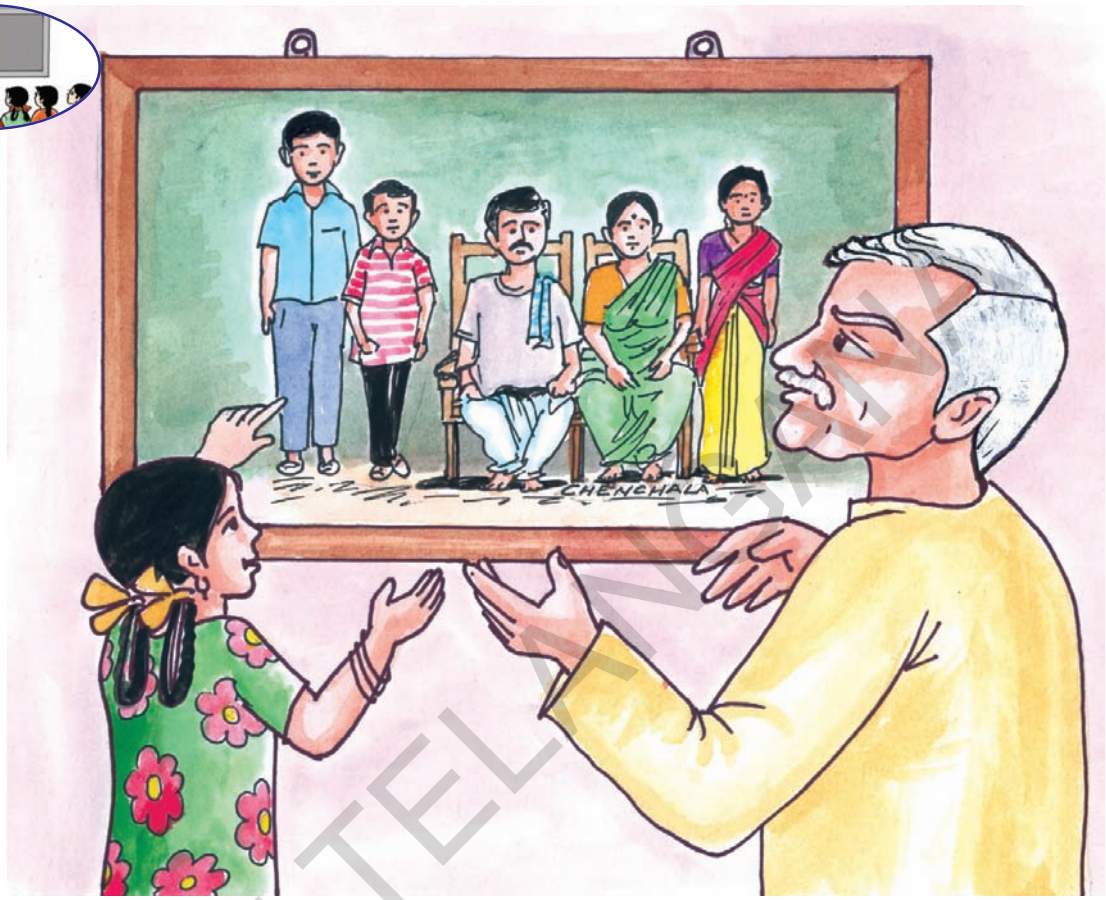

रमा : दादाजी! इस फोटो में लंबे जैसे दिखायी देने वाले कौन हैं?

दादाजी : तुम्हारे पिता श्रीनिवास हैं।

रमा : गुलाबी ओढ़नी पहने हुए कौन हैं?

दादाजी : नहीं पहचाना? वह तुम्हारी बुआ हैं।

रमा : यहाँ पर जो हैं, वे वेंकट चाचा हैं न!

दादाजी : हाँ, तुमने तो सही पहचाना!

रमा : चाचा जी अब कहाँ हैं?

दादाजी : हैदराबाद में हैं।

रमा : हैदराबाद में क्यों रहते हैं दादाजी?

दादाजी : नौकरी करते हैं

तुम्हारे परिवार में कौन-कौन हैं?

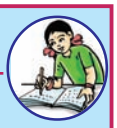

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

सामान्यतः परिवार में माँ, पिता, दादा, दादी, बच्चे होते हैं। नौकरी, शिक्षा या अन्य कारणों से परिवार के सदस्यों के साथ कुछ लोग दूसरे गाँव चले जाते हैं।

सभी परिवार एक जैसे नहीं होते। कुछ परिवारों में माँ, पिता, बच्चे ही होते हैं। कुछ और परिवारों में उनके साथ दादा, दादी जैसे बड़े–बूढ़े भी होते हैं।

अब हम रमा के परिवार में कौन–कौन हैं, उनके बारे में पता लगाते हैं। रमा के दादा का नाम रंगय्या है। दादी का नाम गंगम्मा है। रमा के दादाजी के दो बेटे, एक बेटी हैं।

चित्र देखो।

रंगय्या | गंगम्मा

श्रीनिवास | राधा

वेंकट | अनुराधा

सुजाता | रमणा

रमा | लता

सुनील

प्रसाद | अखिला

कौन किसका क्या लगता है?

1. गंगम्मा श्रीनिवास की .....हैं।
2. अनुराधा, रंगय्या की .....हैं।
3. श्रीनिवास, सुनील का .....है।
4. अखिला, रंगय्या की .....हैं।
5. सुजाता, लता की .....हैं।
6. श्रीनिवास, रमा का .....हैं।
7. रमा, लता की .....हैं।
8. प्रसाद, अखिला का .....हैं।
9. रंगय्या, श्रीनिवास का .....हैं।
10. रमणा, सुजाता का .....हैं।

SCERT TELANGANA

रमा के माँ, पिता, दादा, दादी के नाम अब तो तुम जानते ही हो न! अब तुम भी अपने दादा, दादी, माँ, पिताजी और दूसरों के नाम लिखो।

ऊपर बताये अनुसार परिवार के सदस्यों, पूर्वजों की जानकारी से भरी तालिका को ***वंशवृक्ष*** कहते हैं।

गुण :

रमा की चाची ने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे को देखने बंधुजन आये।

© SCERT TELANGANA

साधारणतया बच्चे अपने माता–पिता, दादा–दादी, नानी, फूफी, बुआ, मामा, ताऊ, चाचा, चाची के हमशक्ल होते हैं। कुछ बच्चों की शक्ल अपने परिववार के किसी भी सदस्य से नहीं मिलती है। हमारा शरीर जैसा है, हमें उसे वैसा ही स्वीकार कर उसकी सुरक्षा करनी चाहिए।

सही उत्तर (✓) से दर्शाएँ।

1. कोई अपरिचित आपको मिठाई देता है तो क्या तुम स्वीकार करेंगे। (हाँ / नहीं)
2. क्या अपरिचित व्यक्ति के साथ तुम जाओगे। (हाँ / नहीं)
3. यदि कोई तुम्हें सताता है तो क्या तुम बड़ों को बताओगे। (हाँ / नहीं)

परिवार के सदस्य विभिन्न गुणों से युक्त रहते हैं। कभी हमें गुस्सा आता है तब दूसरों को तकलीफ़ देने वाले शब्दों का प्रयोग करते हैं। लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। इसके बदले उस व्यक्ति से अपने गुस्से का कारण बताएँगे। हमें जो व्यवहार और संदर्भ अच्छा नहीं लगा उसके बारे में समझाँएगे। हम दोनों को कष्ट न होने वाला समाधान बताएँगे।

आपके परिवार के सदस्यों में जो गुण पसंद आया लिखिए।

बंधुता	गुण
माता	साहस
पिता	संरक्षण

परिवार का इतिहास

पाठशाला में भर्ती करने के लिए रमा के माता–पिता उसे पाठशाला ले आये। रमा के नाम को उसके पिता ने "*चिलुकूरी रमा* "लिखा। प्रधानाध्यापक ने पूछा– "आपका खानदानी नाम चिलुकूरी कैसे पड़ा?" "हमारे पूर्वज चिलुकूरी नामक स्थान से यहाँ आने के कारण यह नाम पड़ा है।"– रमा के पिता जी ने कहा।

SCERT TELANGANA

रमा के दादाजी गाँव के सभी लोगों की संकट में सहायता करते हैं। इसीलिए सभी उनका आदर करते हैं। उनके कारण परिवार के सभी लोगों का अच्छा नाम है। रमा के पिताजी कपड़े का व्यापार करते हैं। अड़ोस-पड़ोस के गाँवों में अच्छे कपड़े बेचने के कारण सभी लोग उनका भी बड़ा आदर करते हैं। रमा के खानदानी नाम, उनके दादा, पिताजी के बारे में अब तो तुम जान ही गये होगे!

अब तुम अपने परिवार के इतिहास के बारे में बड़े-बूढ़ों से पता लगाओ।

तुम्हारी कक्षा में छात्रों के खानदानी नाम कैसे पड़े, पता लगाओ।.

तरह-तरह के परिवार

© TSCERT TELANGANA

मेरा नाम शिवा है। मेरे घर में माँ, पिता, दादा, दादी, ताई, ताऊ, चाची, चाचा, दीदी, भैया रहते हैं।

- किसके घर में अधिक सदस्य हैं? किसके घर में कम सदस्य हैं?
- किन–किनके घर में बूढ़े लोग हैं?
- डेविड, हसीना, शिवा में किसका किस तरह का परिवार है?
- तुम्हारा किस तरह का परिवार है?
- तुम अपने परिवार के सदस्यों को कैसे पुकारते हो, लिखो।

SCERT TELANGANA

आओ खेलें!

- तुम सभी गोलाकार में खड़े रहो।
- किसी एक की आँखों पर रुमाल बाँध दी जाय।
- रुमाल बँधा छात्र शेष छात्रों को पकड़ने और उनकी पहचान बताने का प्रयास करें।
- सही बताने पर आँखों से रुमाल खोल देना चाहिए।
- इस तरह एक के बाद एक आँखों पर रुमाल बाँधकर इस खेल को आगे बढ़ाएँ।
- क्या आँखों पर रुमाल बँधे होने पर सभी को पहचान पाते हो?

क्या तुम्हें पता है?

जिनकी आँखें नहीं होती वे पढ़ने के लिए ब्रेल लिपि का उपयोग करते हैं। इस लिपि का आविष्कार लुईस ब्रेल ने किया था।

वृद्ध और विशेष आवश्यकता वाले बालक

- आँखें होने पर भी आँखों पर रुमाल बाँधकर पहचानने में कठिनाई हुई न! तो सोचो जिनकी आँखें नहीं होती, वे अपना काम करने में कितनी कठिनाइयों का सामना करते हैं। इसी तरह कुछ लोगों को कानों

SCERT TELANGANA

से ठीक से सुनायी नहीं देता। कुछ लोग ठीक से बोल नहीं सकते। और कुछ लोग चल नहीं सकते। ऐसे लोगों को क्या–क्या कठिनाइयाँ आती होंगी, उनको हम किस प्रकार से सहायता कर सकते हैं, सोचकर बोलो।

नीचे दिया चित्र देखो।

- चित्र में कौन–कौन हैं?
- ये किन–किन कामों को करने में कठिनाइयाँ महसूस करते हैं?
- इन्हें किस तरह की सहायता करनी चाहिए।
- क्या तुमने कभी ऐसी लोगों की सहायता की है? कैसी सहायता की?

जिनकी आँखें नहीं होती, शारीरिक विकलांग, मूक, बधिर लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायता देनी चाहिए। बात करने में कठिनाइयों का सामना करने वाले संकेतों के माध्यम से बात करते हैं। सुनने संबंधी समस्या वाले कानों में ध्वनि यंत्र लगाकर, आँखों की रोशनी से वंचित लोग छड़ी अथवा स्पर्श द्वारा विषय समझते हैं। उसी तरह कुछ लोग बीमारी या दुर्घटनाओं के चलते अपना काम स्वयं नहीं कर पाते। ऐसे लोगों के प्रति हमें चाहिए कि आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करें।

उसी तरह वृद्ध भी अपना काम स्वयं नहीं कर पाते। उन्हें भी सहायता की आवश्यकता होती है।

प्रतिवर्ष दिसंबर 3 को विश्वदिव्यांग दिवस मनाते हैं।

क्या तुम्हें पता है?

प्रतिवर्ष एक अक्तूबर को विश्व वृद्ध दिवस मनाते हैं।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द

1.	परिवार	2.	परिवार के सदस्य	3.	गुण
4.	वंशवृक्ष	5.	ब्रेल लिपि	6.	परिवार इतिहास
7.	खानदानी नाम	8.	वृद्ध दिवस	9.	वृद्ध
10.	पूर्वज	11.	बंधुगण	12.	विशेष आवश्यकता वाले बालक

हमने सीखा

- सामान्यतः परिवार में माँ, पिता, दादा, दादी और बच्चे रहते हैं।
- इस तरह एक ही परिवार के रूप में मिलकर रहने वालों को पारिवारिक सदस्य कहलाते हैं।
- माँ, पिता, दादा,दादी, के पूर्वजों का विवरण बतलाने वाला ही वंशवृक्ष कहलाता है।
- परिवार के बच्चों में परिवार के सदस्यों, बंधुजनों के गुण आते हैं।
- सभी के चेहरे एक जैसे नहीं होते।
- हर परिवार का अपना एक इतिहास होता है। उसे ही 'खानदानी इतिहास' कहते हैं।
- परिवार के सदस्यों के आधार पर परिवार के प्रकार होते हैं।
- वृद्धों, विशेष आवश्यकता वाले बालकों को आवश्यकतानुसार सहायता करनी चाहिए।

इन्हें किजिए

विषय की समझ

1. परिवार किसे कहते हैं? तुम्हारे परिवार में कौन–कौन हैं?

2. चंदु अन्नवरम में रहता है। अब तीसरी कक्षा पढ़ रहा है। उसकी माँ कमलम्मा घर पर ही रहकर घर का कामकाज देखती है। चंदु का भाई आदित्य दोनों मिलकर छुट्टियों के दिनों में अपने मामा राघव के पास गये। वहाँ मामी उषा, दादा गोपाल, नानी लक्ष्मी देवी हैं। चंदु उसकी भाभी हेमा के साथ, जीजा रवि के साथ कई खेल खेले।

नाम	चंदु के साथ रिश्तेदारी
आदित्य	भाई
कमला	.....
लक्ष्मीदेवी	.....
राघव	.....
उषा	.....
रवि	.....

SCERT TELANGANA

3. तुम्हारे वंश का नाम क्या है? वह नाम कैसे पड़ा, मालूम करके बताओ।

4. विशेष आवश्यकता वाले बालकों को हमारे द्वारा की जाने वाली सहायता क्या है?

- जिनकी आँखें न हों उनके लिए की जाने वाली सहायता:
- जिन्हें सुनायी नहीं देता उनके लिए की जानेवाली सहायता :
- मूक लोगों के लिए की जानेवाली सहायता :
- चलने में असमर्थ लोगों के लिए की जानेवाली सहायत :

समाचार कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम्हारे मित्रों के घरों में कौन–कौन हैं पूछकर तालिका भरो।

मित्र का नाम	परिवार के सदस्य	परिवार सदस्यों की संख्या
1. उदा : मुरली	माँ, पिता, दादा, बहन, दीदी, मुरली	6
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		
9.		

उक्त तालिका के आधार पर बताओ–

- किनके घर में अधिक सदस्य हैं?
- किनके घर में कम सदस्य हैं?
- किनके घरों में वृद्धजन हैं?

2. तुम्हारे वंशवृक्ष के व्यक्तियों के फोटो जमा कर अलबम बनाओ। तुम्हारी कक्षा में प्रदर्शित कर एक–एक से बोलने के लिए कहो।

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो–रंग भरो।

1. विभिन्न भाव बताने वाले मुख्य चित्र उतारो। नाम लिखो।
2. माता–पिता के चित्र उतारकर नाम लिको।

प्रशंसा

1. एक दिन अपने आंखों पर रुमाल बंदकर कल्पना करो कि, पाठशाला को कैसे जाएँगे। मित्रों से कैसे खेलोंगे, सीखेगे सविस्तार लिखो ?
2. तुम्हारे परिवार का इतिहास, विशेषताएँ क्या हैं? मालूम करो और बताओ।

प्रश्न करना

1. रमा दादाजी के पास गयी। अपने वंशवृक्ष के बारे में जानना चाहा। इसके लिए दादाजी से तरह–तरह के प्रश्न पूछी। रमा ने वंशवृक्ष के बारे में क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे? दादाजी ने क्या उत्तर दिये होंगे? वंश का नाम मालूम करना हो तो तुम क्या–क्या प्रश्न पूछोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ

1.	परिवार का अर्थ बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	परिवार के सदस्यों के बीच संबंध बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	परिवार का वंशवृक्ष उतार सकता हूँ। परिवार का इतिहास बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	परिवार के सदस्यों की जानकारी तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	वृद्ध, विशेष आवश्यकतावाले बालकों की आवश्यकता अनुसार सहायता कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	परिवार के इतिहास, वंशवृक्ष के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 1

2. कौन क्या काम करता है?
(Who does – What Work?)

यह कमला का घर है। कमला के घर में उसके माता–पिता, दादा–दादी तथा भाई रहते हैं। वे क्या कर रहे हैं, ध्यान दो।

कमला के पिताजी घर के कामों में माँ की सहायता करते हैं। अपने पिता के कामों में कमला सहायता करती है। कमला के दादा–दादी भी घर के कामों में एक–दूसरे की सहायता करते हैं। इस तरह घर में सब लोग एक दूसरे की सहायता करते हुए काम करते हैं।

SCERT TELANGANA

परिवार में बड़े लोग घर के कामों के साथ–साथ बाहर के काम भी करते हैं। खेतों, फैकट्रियों, घर बनाने, सड़क बिछाने, कार्यालयों में तरह–तरह काम करते हैं। घर के बड़े लोगों द्वारा किये जाने वाले विविध कार्यों से आमदनी होती है। तुम्हारे घर के लोग क्या–क्या काम करते हैं, बताओ। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

परिवार के सदस्यों के नाम	घर में किये जाने वाले काम	आय के लिए बाहर किये जाने वाले काम

एक–दूसरे की सहायता करना

घर के सदस्य तरह–तरह के कार्य करते हैं। घर के बड़े लोग अलग–अलग कार्य करते हैं। कुछ काम घर के सभी लोग मिलकर करते हैं।

चित्र देखो। कौन क्या कर रहा है। बताओ।

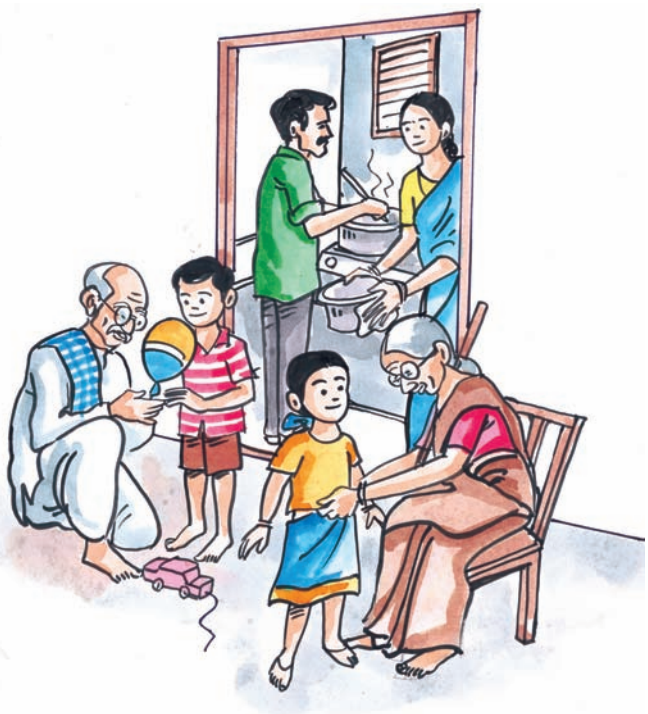

- माता–पिता को विभिन्न काम करते हुए चित्र में देखा है ना! पिताजी का पकवान करना तुम सही मानते हो? कैसे ?
- तुम्हारे परिवार में भी इसी तरह एक–दूसरे की सहायता करते हैं?
- तुम कौन–कौन से काम करते हो? किनकी सहायता करते हो?
- तुम्हारे घर में सब मिलकर करने वाले काम कौन से हैं

SCERT TELANGANA

चर्चा करो। विवरण तालिका में लिखो।

तुम्हारी कक्षा में से किन्हीं छह छात्रों से पूछो। उनके माता–पिता क्या काम करते हैं? घर के सभी लोग मिलकर करने वाले काम कौन से हैं? नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

मित्र का नाम	माँ द्वारा करने वाले काम	पिता द्वारा करने वाले काम	घर के सभी लोग मिलकर करने वाले काम
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

✍ अधिकतर माताएँ क्या काम करती हैं?

.....

.....

✍ अधिकतर पिता क्या काम करते हैं?

.....

.....

✍ परिवार में सभी लोग मिलकर करने वाले काम क्या हैं?

.....

.....

परिवार के सभी सदस्य एक–दूसरे मिलजुलकर काम करना चाहिए। इस तरह एक–दूसरे की सहायता करने से एक–दूसरे के प्रति प्रेम, गौरव बढ़ता है।

व्यवसाय (पेशा)

परिवार में माता–पिता सभी तरह–तरह के काम करने के कारण हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। हमारे परिवार की तरह गाँव में भी तरह–तरह के व्यवसाय करने वाले लोग रहते हैं। उनके बारे में तुम्हें पता है?

SCERT TELANGANA

गाँव में अलग–अलग तरह के काम करने वाले लोगों के चित्र नीचे दिये गये हैं। उनके द्वारा हमें क्या लाभ हैं, बताओ।

इनका नाम सम्मक्का है। टोकरी बनाते हैं।

इनका नाम वेंकन्ना है। चप्पल बनाते हैं।

इनका नाम कोमरय्या है। नाई का काम करते हैं

इनका नाम शंकरय्या है। बढ़ई का काम करते हैं।

– क्या तुम्हारे गाँव में भी ये काम करने वाले लोग है?

– तुम्हारे गाँव में और कौनसे काम करने वाले लोग रहते हैं?

चर्चा करो

तुम्हारे गाँव में तरह–तरह के काम करने वाले लोग होंगे ही! राजय्या सड़क झाड़ने, नाले साफ करने जैसे काम करता है। राजय्या की तरह गाँव में तरह–तरह के काम करने वाले और कौन–कौन रहते हैं? यदि वे काम न करें तो क्या होगा?

SCERT TELANGANA

गाँव में अनेक तरह के काम करने वाले लोग रहते हैं। सभी काम मुख्य होता हैं। आय के लिए कुशलता के साथ किये जाने वाले कामों को 'व्यवसाय' कहते हैं। गाँव के विकास के लिए सभी व्यवसाय करने वालों की आवश्यकता होती है। इसीलिए सभी व्यवसायियों का सम्मान करना चाहिए।

काम करने वाले बच्चे (बाल मजदूरी)

यह कमला है। कमला को पाठशाला जाना बहुत पसंद है। घर के पास बहन को गोद में लेकर खिलाती है। कमला के पिता खेत में और माँ मजदूरी करने जाती हैं। कमला घर का सारा काम करते हुए दिनभर घर पर पड़ी रहती है। थोड़ा भी समय मिलने पर अपनी किताबें निकालकर पढ़ लेती है। पाठशाला जाते बच्चों को देखकर कमला को पाठशाला जाने का मन करता है।

बच्चे पाठशाला न जाकर काम पर जाने से क्या हानि होती है?
पाठशाला न जाने वाले बच्चे दिखायी देने पर हमें क्या करना चाहिए?

माता–पिता बच्चों को पाठशाला में भर्ती करवाएँ। पढ़ना सभी बच्चों का अधिकार है। इसीलिए सभी बच्चों को प्रतिदिन पाठशाला जाना चाहिए।

मुख्य शब्द

1.	घर के काम	2.	बाहर के काम	3.	एक दूसरे की सहायता
4.	एक साथ काम करना	5.	आय	6.	व्यवसाय
7.	आवश्यकता	8.	बच्चे सभी पाठशाला जाएँ	9.	बाल मजदूरी

हमने क्या सीखा?

- घर के सभी लोग घर में और बाहर तरह–तरह के काम करते हैं।
- परिवार के सभी सदस्य मिलजुलकर काम करना चाहिए।
- बड़े लोग तरह–तरह के काम करते हैं। इसीलिए परिवार को आय प्राप्त होती है।
- घर के कामों में छोटों को बड़ों की सहायता करनी चाहिए।
- सभी व्यवसायों का आदर करना चाहिए।
- गाँव में तरह–तरह के व्यवसायी रहते हैं।
- बच्चों की सही जगह पाठशाला है न कि कार्यस्थल सभी बच्चों को पाठशाला जाना चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. घर के बड़े लोग काम क्यों करते हैं?
2. घर के सभी लोग मिलकर करने वाले किन्हीं दो कामों के उदाहरण बताओ।
3. निम्न में आय प्राप्त होने वाले कार्यों पर '◯' लगाओ।

पकाना	टोकरी बनाना	झाड़ू लगाना
मटके बनाना	कपड़े धोना	पढ़ाना
बर्तन माँजना	फल बेचना	खेती करना
खेलना	पढ़ना	कपड़े सीना
नहाना	भोजन करना	दूध बेचना

4. तुम्हारे गाँव में कौन–कौन से काम करने वाले लोग रहते है? किस कारण से वे जाने जाते है?
5. नीचे दिये चित्र देखो? ये कौन–कौन से काम कर रहे हैं? इनके न होने पर क्या होगा?

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो। उनके बारे में लिखो।

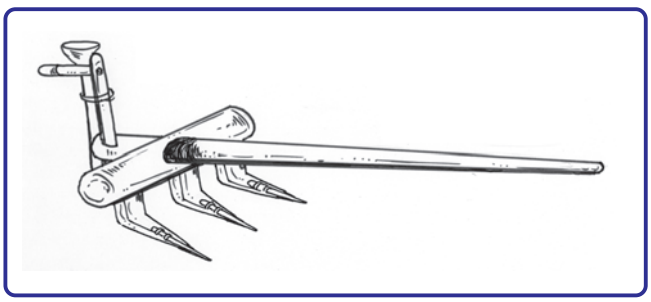

SCERT TELANGANA

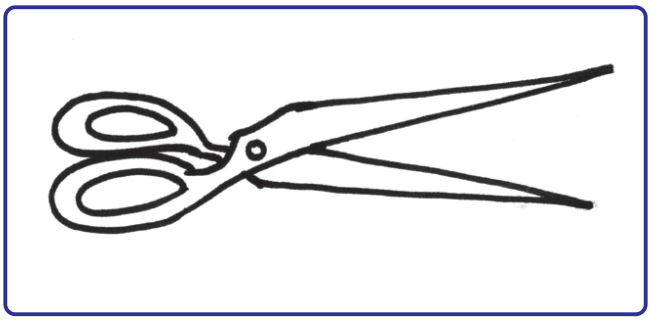

समाचार कौशल–परियोजना कार्य

1. तरह–तरह के काम करने वालों की जानकारी इकट्ठा करो। उनके बारे में बातचीत करो। चित्र इकट्ठा कर अलबम बनाओ। कक्षा कक्ष में प्रदर्शित करो।

2. तुम्हारे अड़ोस में जो बच्चे पाठशाला नहीं जाते हैं, उनके नाम बताओ, वे पाठशाला क्यों नहीं जा रहे हैं बताओ।

3. अपने मित्रों से पूछकर पता लगाओ कि उनके माता–पिता क्या काम कर रहे हैं? तालिका में लिखो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	पिता का व्यवसाय	माता का व्यवसाय
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			

SCERT TELANGANA

3. तुम्हारे घर में निम्न काम कौन–कौन मिलकर करते हैं उन पर '√' लगाओ।

काम	माँ	पिता	मैं	भाई/भय्या	दीदी/बहन	दादा	दादी
घर साफ करना							
खाना पकाना							
पानी लाना							
कपड़े धोना							
खेती के काम							
सब्जी लाना							
दूकान से सामान लाना							

प्रशंसा

1. तुम्हारे गाँव में तरह–तरह के व्यवसाय करने वाले रहते हैं। उनका आदर करना चाहिए। अगर वे व्यवसाय न करें तो क्या होगा, बताओ? लिखो।

प्रश्न करना

1. शिवय्या अपने गाँव के बढ़ई शंकरय्या और कुम्हार लिंगय्या के पास गया। उनके द्वारा किये जाने वाले व्यवसायों के बारे में कई प्रश्न पूछे। शिवय्या ने शंकरय्या और लिंगय्या से क्या–क्या प्रश्न पूछे सोचकर बताओ।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	परिवार के सदस्यों साथ काम करने की आवश्यकता बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	परिवार में मिलकर करने वाले कामों, व्यक्तिगत तौर पर करने वाले कामों की तालिका बनाकर समझा सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	मेरे मित्रों के माता–पिता क्या काम करते हैं, उनकी सूची बना सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	यदि मैं किसि बाल मजदूर से मिलूंगा तो उन्हें पाठशाला जाने के लिए कह सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	कुछ औजार/वस्तुओं के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	तरह–तरह के व्यवसाय करने वालों से मिलकर उनके काम के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 1

3. आओ खेलें!
(Let us Play)

मस्तान, रहीम, लता, कमला, जॉनी, गिरि खेलने के लिए मैदान गये। वहाँ और कई सारे बच्चे हैं। वे तरह- तरह के खेल, खेल रहे हैं। वे कौन-कौन से खेल खेलरहे हैं, चलो देखते हैं!

- उक्त चित्र में बच्चे कौन-कौन से खेल खेल रहे हैं?उनके नाम लिखिए।
- क्या तुम ये खेल खेलते हो?यदि आप कोई और खेल खेलते हो तो उनके नाम बताइए?
- खेलना सभी को पसंद होता हैं तो बताइए खेल क्यों खेलना चाहिए?

खेल-प्रकार

रविवार के दिन गिरि घर में ही अपनी बहनों के साथ तरह-तरह के खेल खेलते हैं। मस्तान अपने दोस्तों के साथ मिलकर मैदान में कई सारे खेल खेलते हैं।

सोचो और बताओ कि गिरि ने घर में कौन से खेल खेले होंगे? मस्तान मैदान में कौन से खेल खेले होंगे? समूह में चर्चा करो और बताओ।

घर में खेलने वाले खेल	मैदान / आंगन में खेलने वाले खेल

घर में खेलने वाले खेल, मैदान और आंगन में खेलने वाले खेलों की तालिका बनाइए तो बताओ तुम्हारे माता-पिता, दादा, दादी आदि क्या ये खेल खेलते थे? वे कौन से खेल खेलते थे? पता करो और लिखो।

तुम्हारे द्वारा वर्तमान में खेले जाने वाले खेल	दादा-दादी द्वारा बचपन में खेले गये खेल

- तुम्हारे दादा द्वारा खेले गये खेलों में तुम्हारे द्वारा खेले जाने वाले खेल कौन से हैं?
- तुम्हारे दादा, माँ, पिता के बचपन में खेले गये खेलों में से तुम कौन से खेल नहीं खेल रहे हो?

SCERT TELANGANA

नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें खेलने के लिए किन-किन खेल सामग्रियों की आवश्यकता पड़ती है? उसी तरह उन्हें कहाँ खेलते हैं? घर में? आंगन में? नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

खेल	खेल सामग्री	कहाँ खेला जाता है?
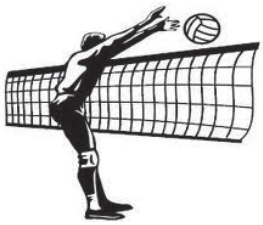		
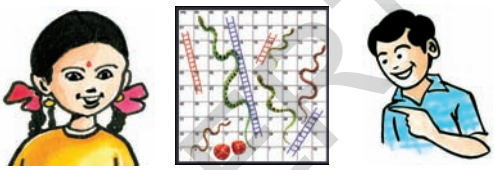		
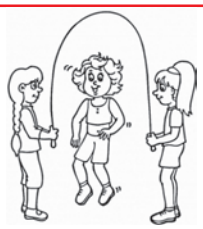		

SCERT TELANGANA

तरह-तरह के खेल

तुम तरह-तरह के खेल खेलते हो न! इनमें से कुछ अकेले ही खेल सकते हैं। कुछ समूह में मिलकर खेलते हैं। और कुछ खेल अधिक लोग मिलकर खेलते हैं। ऐसे खेलों के बारे में समूह में चर्चा करो और तालिका में लिखो।

अकेले खेले जाने वाले खेल	दो लोग मिलकर खेले जाने वाले खेल	कई लोग मिलकर खेले जाने वाले खेल

खेल सामग्री

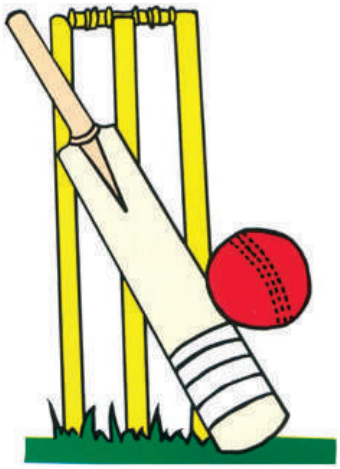

शिवा, निखिल, श्वेता, सलमा, मेरी, संकल्प और अजीत शाम को क्रिक्रेट खेलने गये। इसके लिए बल्ला, गेंद, विकेट अपने साथ ले गये। इसलिए तुम्हें खेलने के लिए भी कुछ खेल सामग्री चाहिए न? उसी तरह कुछ खेल खेलने के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती है। छिपा-छिपी खेलने के लिए किसी भी खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

इस तरह के खेल कौन से हैं जिनमें खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं होती है? खेल सामग्री की आवश्यकता वाले खेल कौन से हैं?

खेल सामग्री की आवश्यकता होती है	खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं होती है

SCERT TELANGANA

ह्खेल-नियम

रामू, जॉनी, गोपी, श्रीनू, मुरली, श्रद्धा, मुमताज़, पीटर, जब्बार और मस्तान कबड्डी खेल रहे हैं। खेल के बीच सभी झगड़ने लगे। खेल में की गलतियों पर बहस हुई। खेल रुक गया। मुरली, जॉनी, मस्तान खेलने से इंकार करते हुए वहाँ से चले गये।

सोचो और बताओ

- बच्चों ने खेल बीच में क्यों रोक दिया?
- खेलों में झगड़े न होने के लिए क्या करना चाहिए?

किसी भी खेल के लिए कुछ नियम होते हैं। नियमों के अनुसार ही खेल खेलना चाहिए। खेलते समय नियम नहीं तोड़ने चाहिए। जीत-हार की परवाह किये बिना खेलना ज़रूरी है। हमें हर दिन खेल खेलना चाहिए। खेल खेलने से स्वास्थ्य बनता है और मित्रता की भावना भी बढ़ती हैं। खेलों के नियमों की तरह व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा के भी कुछ नियम हैं। इन्हें व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियम के नाम से जानते हैं।

क्या तुम्हें पता है?

कुछ खेल जानवरों की सहायता से खेले जाते हैं। पोलो खेल में खिलाड़ी घोड़ों पर बैठकर गेंद को बल्ले से पीटते हैं।

14, नवंबर बालदिवस का दिन था। इस अवसर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। दौड़ प्रतियोगिता में सबसे तेज़ दौड़कर गोपी ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया था। पाठशाला के छात्र और अध्यापकों ने उसकी खूब प्रशंसा की।

- तुम्हारी पाठशाला में अच्छे खेलने वालों की सराहना कब होती है?
- खेल में विजयी दल की सराहना कैसे करते हैं?

मुख्य शब्द

1. तरह-तरह के खेल
2. घर में खेलने वाले खेल
3. बाहर खेलने वाले खेल
4. खेल सामग्री
5. खेल के नियम
6. समूह में खेले जानेवाले खेल
7. उल्लंघन न करें
8. दौड़ प्रतियोगिता
9. हार-जीत
10. खेल प्रतियोगिता
11. खिलाड़ी के गुण
12. प्रशंसा करते हैं

SCERT TELANGANA

अब तक हमने क्या सीखा

- खेल खेलने से स्वास्थ्य बनता है। आनंद की प्राप्ति होती है।
- खेल कई तरह के होते हैं- अकेले खेलने जाने वाले, समूह में खेलने जाने वाले; घर में खेले जाने वाले, बाहर खेले जाने वाले।
- पुराने समय और आज के खेलों में कई सारे बदलाव हुए हैं। आज कई सारे नये खेल खेले जा रहे हैं।
- कुछ खेलों के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता पड़ती है। और कुछ खेलों के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- खेल में हार-जीत को समान रूप में लेना चाहिए।
- खेल नियमों के हिसाब से खेलना चाहिए।
- व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियमों का भी पालन करना चाहिए।

इन्हें किजिए

विषय की समझ

1. खेल क्यों खेलना चाहिए?
2. गेंद की सहायता से खेले जाने वाले कुछ खेलों के नाम लिखो।
3. खो-खो और क्रिकेट के बीच क्या अंतर है? लिखो।
4. घर में खेले जाने वाले खेल कौन से हैं? इन्हें कब-कब खेलते हैं?
5. तुम खेल के मैदान में कौन-कौन से खेल खेलते हो? इन्हें कब खेलते हैं?
6. क्रिकेट और खो-खो जैसे खेल घर के बाहर क्यों खेलते हैं?
7. व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियम किसे कहते हैं?

समाचार कौशल-परियोजना कार्य

1. तुम्हारी कक्षा के मित्र क्या-क्या खेल खेलना पसंद करते हैं, पूछो। उनके विवरण तालिका में लिखो।

	मित्र का नाम	पसंदीदा खेल
1.		
2.		
3.		
4.		

सबसे अधिक लोग किस खेल को पसंद करते हैं?

2. विभिन्न तरह के खेलों के चित्र समाचार पत्र से काटकर स्क्राप बुक में चिपकाओ। उनके नाम लिखो। उन्हें खेलने के लिए किन-किन खेल सामग्री की आवश्यकता पड़ती है, नाम लिखो।

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र अपनी कॉपी में उतारो। रंग भरो।

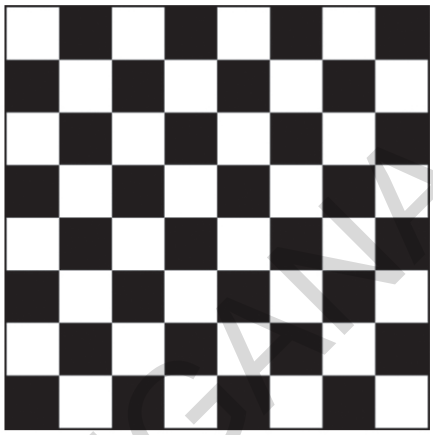

प्रशंसा

1. तुम्हारी पाठशाला में अच्छा खेलने वाले कौन हैं? उनके जीतने पर तुम क्या कहते हो?
2. खेल में जीतने वाले से क्या सीखते हैं? उसी तरह हारने वाले से क्या सीखते हैं?

प्रश्न करना

1. बच्चे खेल के मैदान में कबड्डी खेल रहे हैं। इतने में उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया। तभी वहाँ अध्यापक जी पहुँचे। उन्होंने बच्चों से क्या पूछा होगा? बच्चों ने क्या उत्तर दिया होगा? अगर तुम होते तो क्या प्रश्न पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	विभिन्न तरह के खेलों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	घर में खेले जाने वाले खेल और बाहर खेले जाने वाले खेलों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	किन्हें कौनसा खेल पसंद है, उसके बारे में बता सकता हूँ। तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	खेल सामग्री के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	खेल से संबंधित प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई-2

4. जीव उनके निवास
(Shelter of Animals)

उस दिन रविवार था। महेश, कमला, लता, सलीम, डेविड बगीचे देखने गये। बगीचे के बगल में महेश के खेत हैं। बगीचे और खेत में तरह-तरह के जीव-जंतु दिखायी दिये। नीचे दिया गया चित्र देखो। बताओ उन्होंने क्या-क्या देखा।

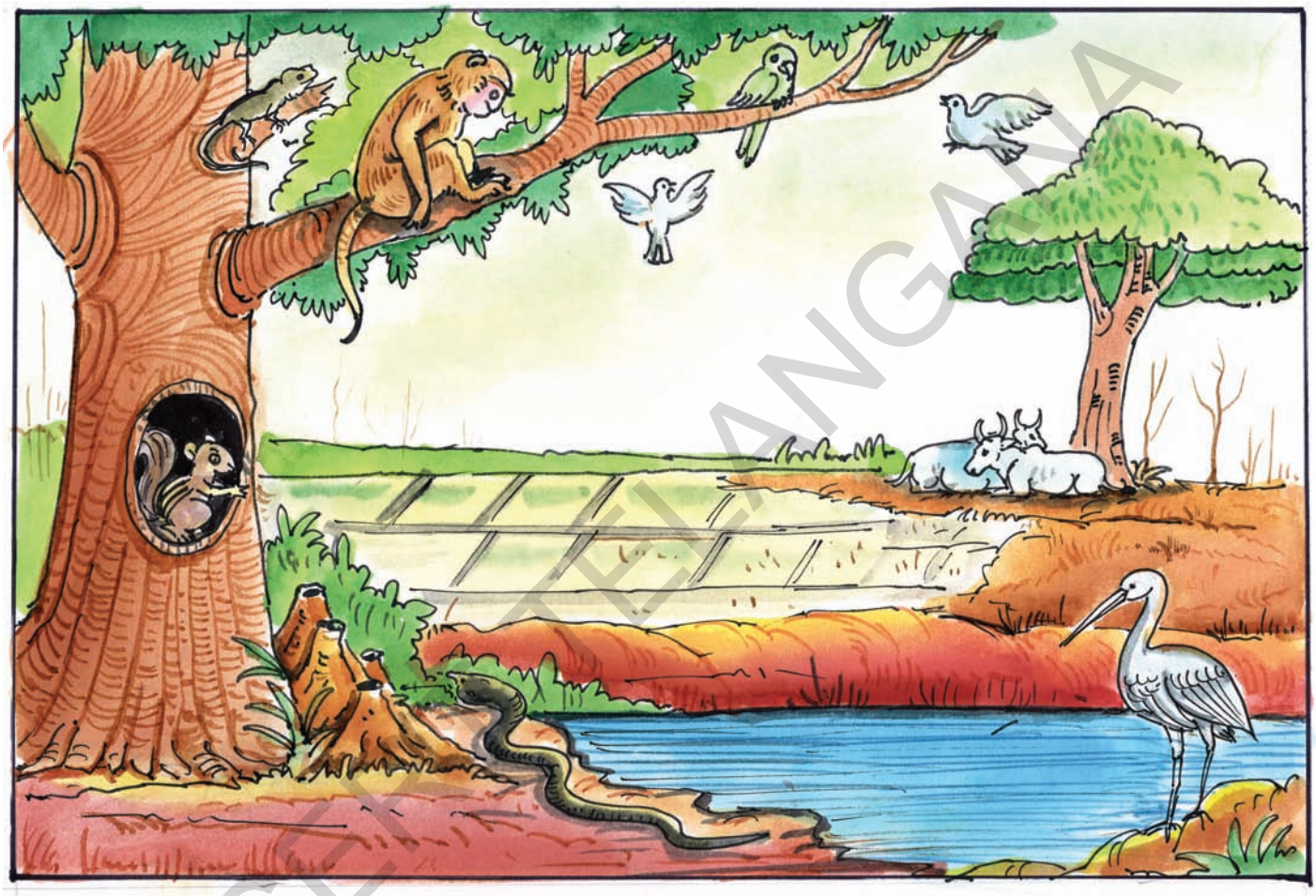

- उक्त चित्र में कौन-कौन से जानवर और पक्षी हैं?

- तुम अपने चारों ओर कौन-कौन से जानवर और पक्षी देखते हो?

बगीचे में सब दोपहर तक खेले। महेश हाथ धोने के लिए तालाब के पास गया। तालाब में और तालाब के किनारे भी कई जीव दिखायी दिये। तुरंत सभी दोस्तों को तालाब के पास आने के लिए कहा। पानी में रहने वाले जीव को देखने के लिए कहा। उन्होंने पानी में किन-किन जीवों को देखा, बताओ।

SCERT TELANGANA

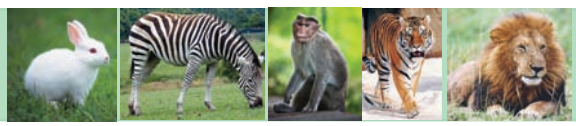

नीचे दिया चित्र देखो। उसमें कौनसे प्राणी दिखायी दे रहे हैं? वे कहाँ रहते हैं, बताओ।

मछली पानी में रहती है। कुछ तरह के साँप पानी में रहते हैं; और कुछ जमीन पर। उसी तरह मेंढ़क, कछुए, मगरमच्छ, केकड़े जैसे जीव पानी में तथा जमीन पर रहते हैं।

जीव अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं। कुछ पेड़ पर, कुछ पानी में, कुछ जमीन पर कुछ जमीन के भीतर बिल बनाकर रहते हैं।

नीचे दिये चित्र देखो।

कौन से जीव कहाँ रहते हैं, बताओ।

जीव के नाम	आवास
.....	.....
.....	.....
.....	.....

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

कुछ जानवर हमारे घर के पास भी दिखायी देते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। घर में रहने वाले जानवरों में रंग भरो। इस तरह घर में पाले जाने वाले जानवरों को ''पालतू जानवर'' कहते हैं।

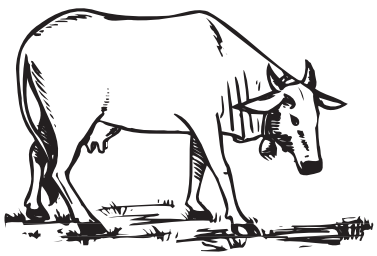
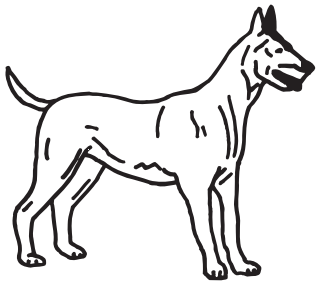
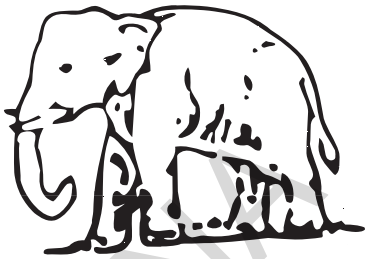
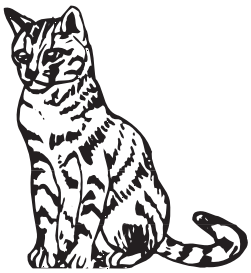

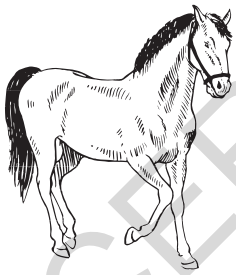
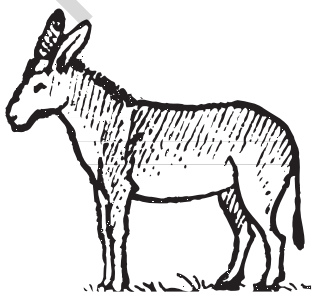
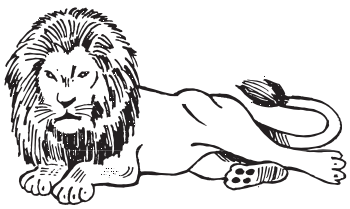
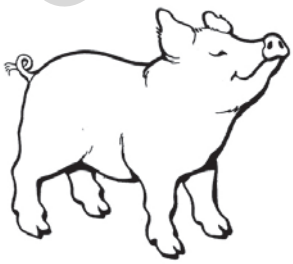
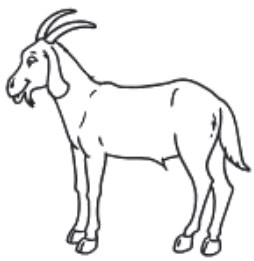

SCERT TELANGANA

पक्षी कहाँ रहते हैं?

रंगा के घर वासु आया। घर की छत से लटकते बर्तन में पानी पीते हुए, नहाते हुए चिड़ियाँ दिखायी दीं। रंगा मुट्ठी भर अनाज लाकर छिड़कने पर सारी चिड़ियाँ आकर जल्दी-जल्दी दाना खाने लगीं। यह देखकर वासु को बड़ी खुशी हुई। "चिड़ियाँ कितनी सुंदर हैं!" वासु ने कहा। रंगा वासु को आंगन में ले गया।

आंगन में पेड़ पर कौए का घोंसला दिखायी दिया। उसमें कौए के बच्चे दिखायी दिये। रंगा को यह देखकर बड़ी खुशी हुई।

- कौए घोंसला क्यों बनाते हैं?
- इस तरह पेड़ पर घोंसला बनाने वाले पक्षियों के नाम लिखो।

आप जानते हो पक्षी पेड़ पर घोंसला बनाते हैं! तो फिर नीचे दिये चित्र देखो। वे कौन से पक्षी हैं, बताओ। उसी तरह वे कहाँ रहते हैं, बताओ।

पक्षी का नाम ..... पक्षी का नाम ..... पक्षी का नाम .....

आवास ..... आवास ..... आवास .....

उक्त पक्षियों को छोड़कर और कुछ पक्षियों के आवास बताओ।

SCERT TELANGANA

भ्रमणकारी पक्षी

रंगा, वासु शाम को खेलते हुए आकाश में उड़ते हुए पक्षियों के झुंड को देखा। वे सभी एक ही पंक्ति में उड़ते हुए सुंदर दिखायी पड़ रहे थे। वासु ने पूछा- "वे तो कभी-कभी दिखायी देते हैं न! वे कहाँ रहते हैं?" "ये हमेशा नहीं दिखायी देते। मार्च महीने में दिखायी देते हैं", रंगा ने कहा।

कुछ पक्षी अंडे देकर बच्चों को सेने के लिए या आहार के लिए एक प्राँत से दूसरे प्राँत जाते रहते हैं। उसी तरह कुछ और पक्षी गर्मी के दिनों में या ठंडी के दिनों में वहाँ के तापमान को सहन न करने के कारण दूसरे प्राँतों में चले जाते हैं। ऐसे पक्षियों को "भ्रमणकारी पक्षी" कहते हैं।

क्या तुमने कभी आकाश में भ्रमणकारी पक्षियों को झुंड में उड़ते हुए देखा है?

जानवर कैसे चलते है? इसकी चर्चा किजिए।

जीव-जंतु एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए कुछ चलते हुए, कुछ रेंगते हुए, कुछ छलांग लगाते हुए, कुछ उड़ते हुए जाते हैं और कुछ तैरते हुए जाते हैं। इसके लिए वे अपने पैरों या अपनी पूँछ का उपयोग करते हैं। नीचे दिये चित्र को देखकर बताइए कौनसे जीव उड़ते है, कौनसे रेंगते है और कौनसे छलांग लगाते है?

SCERT TELANGANA

करो और देखो

- अपने मनपसंद जानवर का चित्र उतारो।

- अब तुम तीन-तीन विद्यार्थी समूह में बैठो। प्रत्येक विद्यार्थी एक-एक कागज लो। उसे तीन भागों में मोड़ो।

1. समूह में एक पहले मोड़ में अपने मनपसंद जानवर का सिर या गला उतारकर, उसे मोड़ो और दूसरे समूह वाले को दें।

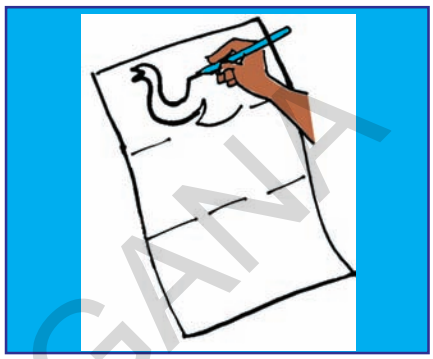

2. अब दूसरे समूह के बच्चे उस मोड़े हुए कागज़ के दूसरे हिस्से में अपने मनपसंद जानवर का धड़ उतारेंगे। फिर उस कागज़ को तीसरे समूह वालों को देंगे।

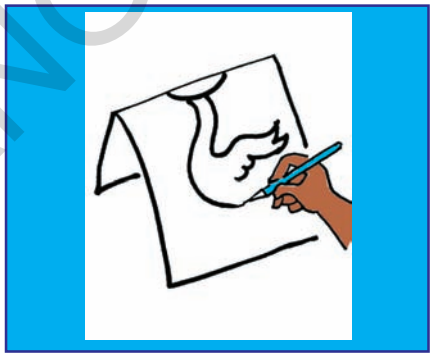

3. तीसरे समूह के बच्चे मनपसंद जानवर के पैर उतारेंगे।

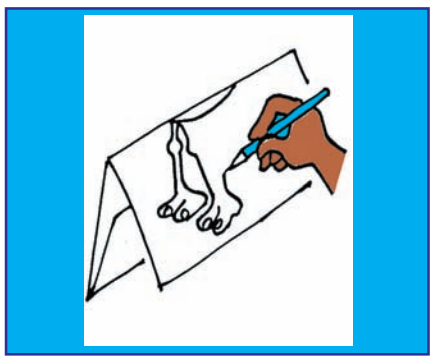

4. कागज़ के मोड़ खोल कर देखिए। है न यह एक अजीब जानवर का चित्र!

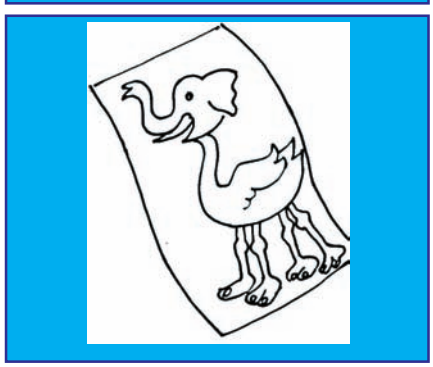

इसी तरह अन्य समूह के बच्चों द्वारा उतारे गये चित्रों को भी देखिए।

SCERT TELANGANA

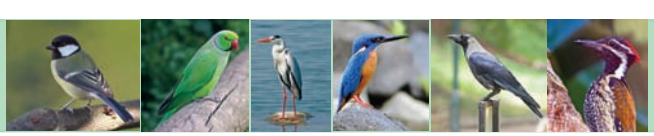

जया, विजया, लता ने भी इसी प्रकार से चित्र उतारा। चित्र देखो। इसमें कौनसा हिस्सा किस जानवर का है, पता लगाओ और बताओ।

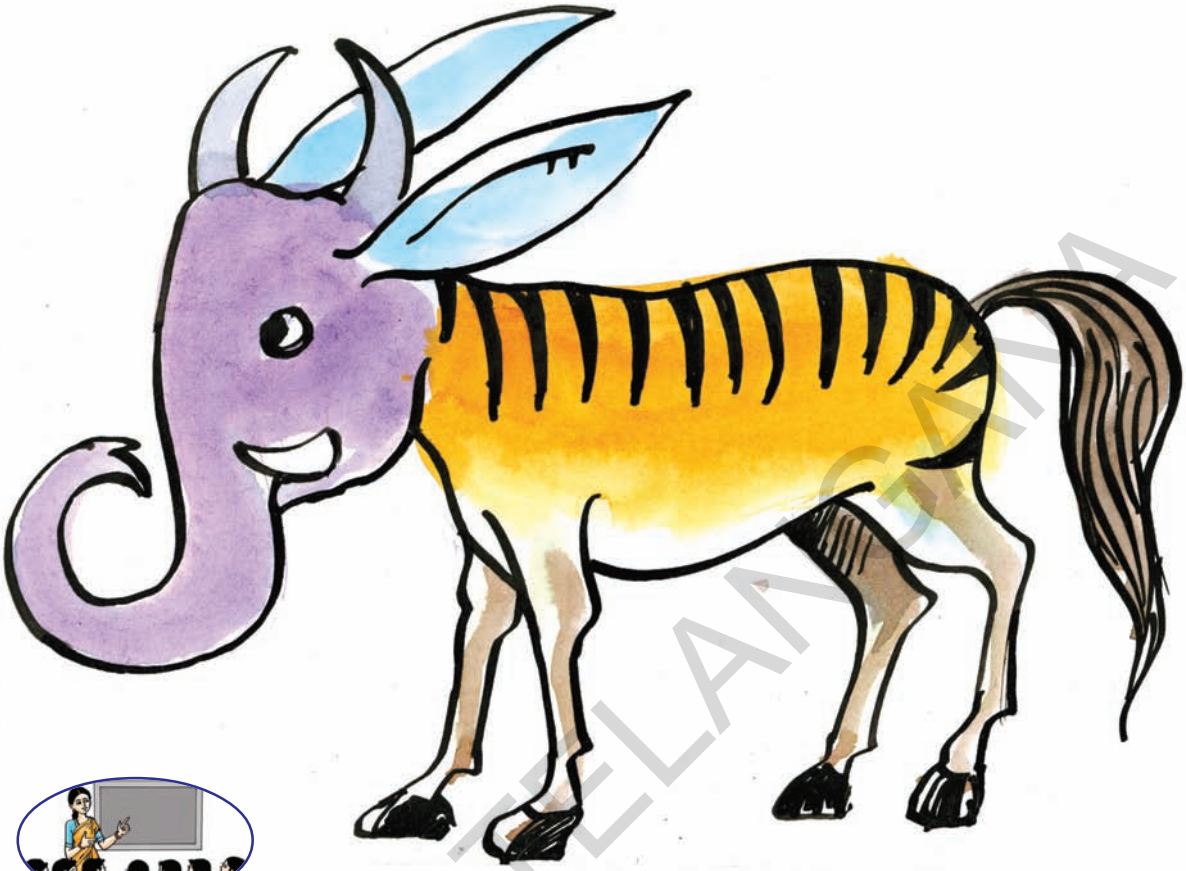

जीव-जंतुओं के प्रति दया दिखानी चाहिए।

एक दिन किट्टू पाठशाला जा रहा था। उसने रास्ते में पीड़ा से कराहते हुए कुत्ते के पिल्ले को देखा। उसके पैर में चोट लगी थी। किट्टू उसे अपने घर ले आया और पिताजी को दिखाया। पिता ने उसके घाव की मरहम पट्टी की। बाद में किट्टू एक बर्तन में दूध ले आया और उसे पिलाया। दूध पीने के बाद खुशी से पूँछ हिलाते हुए किट्टू के पास पहुँचा। किट्टू ने उसे प्यार से उसका नाम पिंकी रखा। उस दिन से पिंकी, किट्टू के परिवार में घुल मिल गया। किट्टू के द्वारा किये गये इस काम की पाठशाला में अध्यापकों तथा साथी विद्यार्थीयों ने भी खूब सराहना की।

SCERT TELANGANA

तुम जानते ही हो कि किट्टु ने क्या किया ?क्या तुमने भी ऐसा कभी किया है? क्या किया है? तुम्हारे घर में, गली में घूमने वाले भूख से तड़पते बिल्ली के बच्चे या कुत्ते के पिल्ले दिखायी देने पर तुम क्या करोगे?

तितली में रंग भरो।

तितली कितनी सुंदर होती है! पेड़-पौधों पर मंडराती हुए बड़ी ही सुंदर दिखायी पड़ती है। उसी तरह भौंरे भी आकाश में उड़ते हुए दिखायी देते हैं तो हमारा परिसर सुंदर दिखायी पड़ता है। ऐसी सुंदरता को हमें बचाना चाहिए। किंतु कुछ शरारती बच्चे पेड़ पर चढ़कर पक्षी के अंडे फोड़ना, तितली, भौंरे के पंख तोड़ना, राह में दिखायी देने वाले कुत्तों पर पत्थर फेंकना आदि करते रहते हैं। यह बहुत ही बुरी बात है।

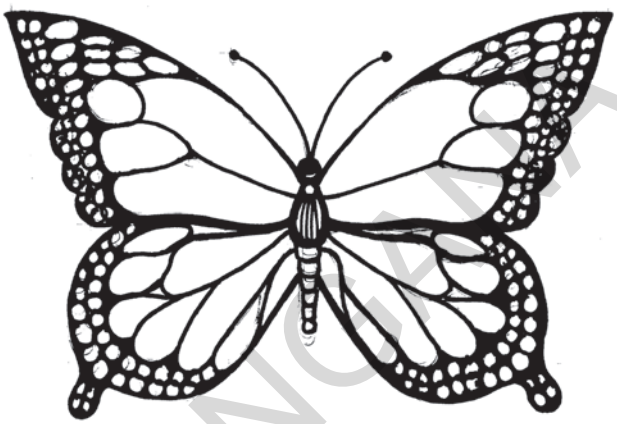

हमारे साथ-साथ परिसर में अनेक जीव-जंतु दिखायी पड़ते हैं। वे सभी हमारे जैसे जीव हैं। घायल होने पर हमारी तरह ही उन्हें भी पीड़ा होती है। इसीलिए उन्हें भी जीने देना चाहिए।

कीट

नीचे तरह-तरह के कीट दिये गये हैं। इन्हें तुमने कहाँ-कहाँ देखा है, बताइए।

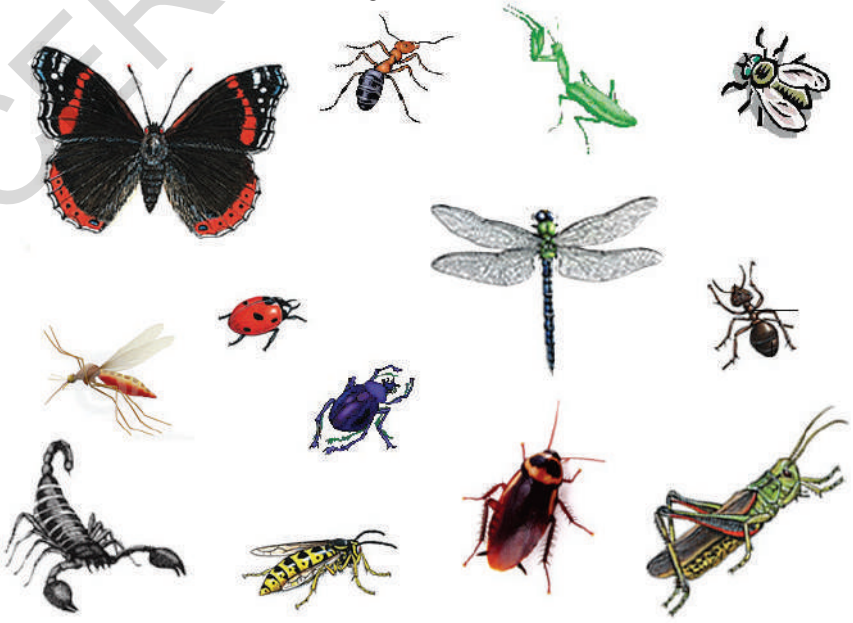

SCERT TELANGANA

कीटों के काटने पर क्या होता है?

राजु के दादाजी को ठंडी के कारण बुखार आ गया। डॉक्टर के पास ले जाने पर उसने दादाजी की जाँच करके बताया कि उन्हें मलेरिया हुआ है। मलेरिया बुखार के कारणों के बारे में राजु ने डॉक्टर से पूछा। डॉक्टर ने बताया कि विशेष तरह के मच्छरों के काटने से मलेरिया बीमारी होती है।

मच्छरों से बचने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

मच्छरों को रोकने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

क्या इन्हें देखा है? इसका उपयोग किसके लिए करते हैं, बताइए।

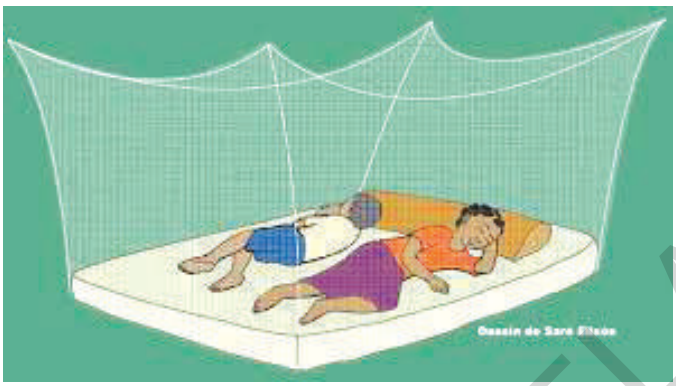

मच्छर ठहरे पानी में बढ़ते हैं। हमारे परिसर में पानी ठहरने नहीं देना चाहिए। ठहरे हुए पानी में मिट्टी का तेल या मलाथियन जैसी दवाओं को छिड़कने से मच्छर मर जाते हैं। मच्छरों से बचने के लिए मच्छर काइल का उपयोग करते हैं यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए मच्छरों को रोकने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए।

उसी तरह मक्खियों के कारण भी अनेक हानियाँ होती हैं। मक्खियाँ गोबर के ढेर, गंदी जगहों पर होते हैं। ऐसी जगहों पर बीमारी पैदा करने वाले कीटाणु भी होते हैं। हमारे खाने वाले आहार पर मक्खियाँ आकर बैठती हैं। इस तरह मक्खियों द्वारा दूषित भोजन खाने पर टाइफाइड, कलरा जैसी बीमारियाँ फैलती हैं। इसीलिए आहार पदार्थों को ढककर रखना चाहिए।

बिना ढक्कन के धूल जमने वाले आहार पदार्थ खाद्य सामग्री कहीं देखा है? उन्हें क्यों नहीं खाने चाहिए।

मक्खी, मच्छरों की रोकथाम के लिए हमारे परिसर में कहीं भी पानी को ठहरने नहीं देना चाहिए। कूड़ा-कर्कट कूड़ेदान में ही डालें। गंदे पानी में मच्छरों की रोकथाम के लिए मिट्टी का तेल, मलाथियन जैसी दवाओं का छिड़काव करना चाहिए। पानी के गड्ढे या उनमें कूड़ा-कर्कट आदि न डालें, ऐसा करने से परिसर स्वच्छ रहता है। घर में और बाहर स्वच्छता बनाये रखने पर मच्छर पैदा नहीं होते।

SCERT TELANGANA

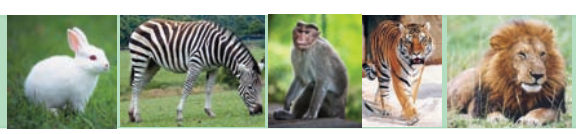

मुख्य शब्द

1. जीवों के आवास
2. पानी में रहने वाले जीव
3. भ्रमणकारी पक्षी
4. ज़मीन पर चलने वाले जीव
5. पालतू जानवर
6. कीटाणु
7. जीवों के प्रति दया
8. जीव
9. परिसर की स्वच्छता
10. मच्छर काइल्स
11. मलाथियान

हमने क्या सीखा

- जीव-जंतु ज़मीन पर, पानी में, पेड़ पर रहते हैं।
- घर में पाले जाने वाले जानवरों को "पालतू जानवर" कहते हैं।
- एक जगह से दूसरी जगह जीव-जंतु चलते, रेंगते, उड़ते, तैरते हुए जाते हैं।
- जीव-जंतुओं के प्रति दया दिखानी चाहिए। उन्हें आवश्यकता अनुसार आहार, पानी देना चाहिए। उनकी सुरक्षा करनी चाहिए।
- पक्षी आहार, अनुकूल वातावरण के लिए भ्रमण करते हैं। इन्हें "भ्रमणकारी पक्षी" कहते हैं।
- ठहरे हुए पानी में मच्छर पैदा होते हैं। इसलिए हमें अपने परिसर में पानी जाना नहीं होने देना चाहिए।
- गंदगी भरे परिसर में मक्खी, मच्छर होते हैं। इसीलिए हमें परिसर को स्वच्छ रखना चाहिए।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. पालतू जानवरों के कोई चार उदाहरण लिखो।
2. मच्छरों की रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए?
3. पक्षी क्यों भ्रमण करते हैं?
4. पक्षियों और जानवरों में कोई तीन अंतर लिखो।
5. निम्न के तीन नाम लिखो।

(अ) उड़ने वाले	1.	2.	3. .....
(आ) रेंगने वाले	1.	2.	3. .....
(इ) चलने वाले	1.	2.	3. .....

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

SCERT TELANGANA

5. **मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?**

(अ) मैं दिखने में लंबा हूँ,
न आँखें हैं, न कान,
रेंगते हुए चलता हूँ, बिल में रहता हूँ।
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(आ) पानी में रहता हूँ,
तनिक भी न मैं सोता हूँ।
गलफड़ों से साँसें लेता हूँ,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(इ) हैं मुझको चार पैर,
"मैं-मैं" करता रहता हूँ।
पत्ते खाता रहता हूँ,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(ई) पंखों वाला हूँ मैं जीव,
दूर गगन में उड़ता हूँ।
ऊँचाई से देख सकूँ हर जीव,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

रंग भरो। नाम लिखो।

1. **नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।**

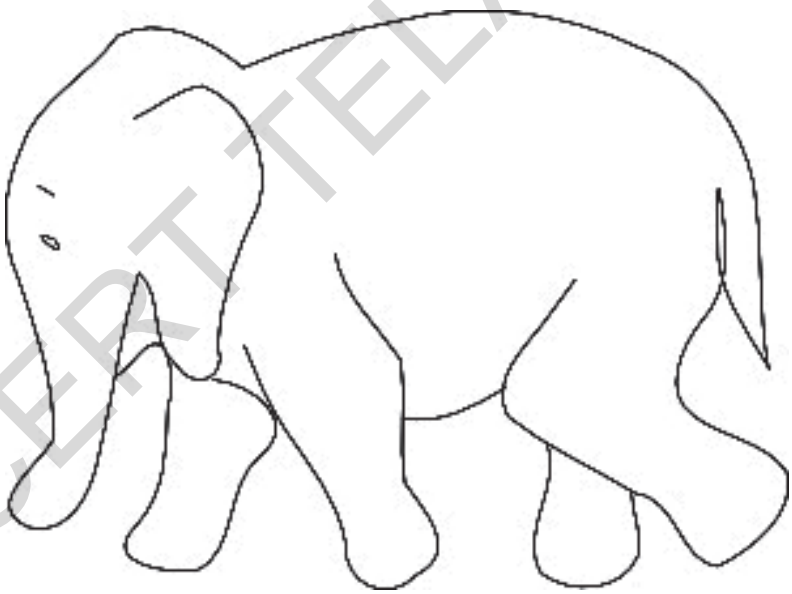

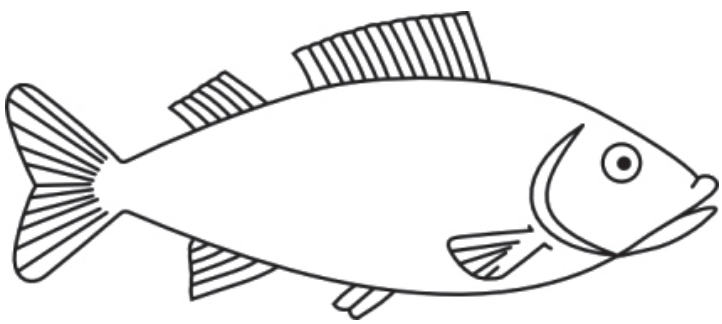

SCERT TELANGANA

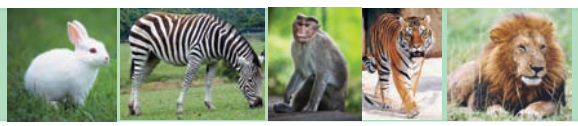

समाचार कौशल-परियोजना कार्य

1. जीव-जंतुओं के चित्र इकट्ठा करो। अलबम बनाओ। प्रत्येक जीव के बारे में दो-तीन वाक्य लिखो।

2. तुम अपने मित्रों के घर जाकर पता लगाओ कि वे किन-किन जानवरों को पाल रहे हैं। उनके बारे में निम्न तालिका में लिखो।

क्र.सं.	मित्र का नाम	पालने वाले जानवरों/पक्षियों के नाम

सबसे अधिक किन जानवरों को पाल रहे हैं?

प्रशंसा

1. पेड़ के घोंसले से पक्षी के अंडे नीचे गिर पड़े। अगर तुम वहाँ होते तो क्या करते, बताओ।

2. जीव-जंतु भी हमारी तरह ही प्राणी हैं। जीव-जंतु दुखी न हों, इसके लिए हमें क्या-क्या नहीं करना चाहिए, ऐसे तीन काम बताओ।

प्रश्न करना

1. ऋतु, सीता दोनों पेड़ पर रहने वाले पक्षियों के अंडों को बड़े ध्यान से देख रहे हैं। उनके बारे में मालूम करना चाहा। वहीं खड़े पेंचलय्या से से पक्षियों के अंडों के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। उन्होंने क्या प्रश्न पूछे होंगे? सोचो और लिखो।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	विविध जीव-जंतु कहाँ-कहाँ रहते हैं बताओ।	हाँ / नहीं
2.	पालतू जानवरों की जानकारी इकट्ठा कर तालिका बना सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	पक्षी / जानवरों के चित्र बनाकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	जीव-जंतु मुझे पसंद है। मैं उन पर दया दिखाऊँगा।	हाँ / नहीं
5.	पक्षियों के अंडों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

SCERT TELANGANA

इकाई 2

5. हमारे चारों ओर के पौधे
(Plants around us)

सलीमा को फूल के पौधे बहुत पसंद हैं। घर में तरह-तरह के फूल के पौधे उगाती है। हर दिन उन्हें पानी देती है। किसी को भी इनके पत्ते, शाखाएँ तोड़ने नहीं देती।

सलीमा ने पाठशाला में कुछ पौधों की देख-रेख करने का जिम्मा लिया है। उन्हें घर के पौधे के समान बड़े प्यार से देखभाल करती है। छुट्टियों में भी कभी-कभी जाकर पानी देती है। एक दिन अखिला फूल के लिए सलीमा के घर गयी। अखिला, विराट और गोपी फूलों से बतुकम्मा तैयार करने सलीमा के घर आए। सब मिलकर आंगन के फूल तोड़े।

दोनों ने मिलकर तरह-तरह के फूल के पौधे तोड़े।

TELANGANA

अखिला, सलीमा ने कौन-कौन से पौधे देखे होंगे?

कुछ और फूल वाले पौधों के नाम बताइए।

फूल से अखिला, सलीमा ने क्या किया होगा?

फूल का उपयोग और किन-किन चीज़ों के लिए किया जाता है?

सलीमा अपने घर में केवल फूल के पौधे ही नहीं बल्कि फलों और सब्जियों को लगाकर उनकी देख-रेख कर रही है।

तुम्हारे मित्रों के घरों में लगे पेड़-पौधों के विवरण पता करो। लिखो।

मित्र का नाम	घर में लगाये पेड़-पौधे
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	

सबसे अधिक घरों में लगाये जाने वाले पौधे कौनसे है?

घरों में काम लगाये जाने वाले पौधे कौनसे है?

सामान्यतः घर के सामने खाली जगहों में तरह-तरह के पेड़-पौधे लगाते हैं। कुछ लोगों के घर के सामने खाली जगह नहीं होती। वे लोग किन-किन पौधों को लगाते हैं?

अखिला, सलीमा खेलने के लिए आंगन में गये। वहाँ सभी बच्चे बरगद के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। बरगद पेड़ के अलावा सड़क पर इमली, नीम जैसे पेड़ भी है। अखिला, सलीमा भी बच्चों के साथ वहीं खेलने लगे।

पेड़-पौधों से हमें क्या-क्या लाभ हैं? सोचकर लिखो।

क्या सभी पेड़ एक जैसे होते हैं?

अखिला, सलीमा ने बगीचे में कई तरह के पेडों के पत्ते, शाखाएँ, तने आदि देखे। उनमें कुछ लंबे, कुछ बौने हैं। कुछ छोटे-छोटे पत्तों और कुछ बड़े-बड़े पत्तों वाले पेड़ हैं। उनके देखे पेड़ों में छोटे-छोटे पत्तों वाले पेड़ और बड़े-बड़े पत्तों वाले पेड़ कौनसे हो सकते हैं? उसी तरह बड़े और लंबे दिखायी देने वाले छायादार पेड़ कौनसे हो सकते हैं, बताइए। घर के बाहर लंबे दिखायी देने वाले ताड़ के पेड़ को देखकर, "वाह! कितना लंबा पेड़ है!"- अखिला ने कहा।

SCERT TELANGANA

हमारे चारों ओर तरह-तरह के पेड़ होते हैं। क्या वे सभी एक ही ऊँचाई के हैं? इनमें कुछ तुम से छोटे कद के हैं। कुछ पौधे तुम्हारे कद के हैं। और कुछ तुम से भी ऊँचे कद के होते हैं। तुम्हारे गाँव में/बस्ती के पेड़-पौधे देखो। उनकी जानकारी निम्न तालिका में लिखो।

तुम से छोटे पौधे	तुम्हारे बराबर के पौधे	तुमसे बहुत ऊँचे पौधे

बरगद, इमली, नीम जैसे पेड़ बहुत सारी शाखाओं वाले होते हैं। ये छाया देते हैं। इसीलिए सड़क के किनारे इन पेड़ों को लगाते हैं। इनके पत्ते, फूल, फल हमारे लिए उपयोगी हैं। पेड़ों के कारण हमें ईंधन भी प्राप्त होता है। पेड़ों की लकड़ी से कई वस्तुएँ तैयार करते हैं। ताड़ी के पेड़ बहुत ऊँचे होते हैं। इसकी शाखाएँ नहीं होतीं। ताड़ी के पेड़ के पत्ते बड़े-बड़े होते हैं।

इसी तरह किन-किन पेड़ों से क्या-क्या लाभ है, बताओ।

हमें पेड़ क्यों लगाना चाहिए?

अखिला के घर के बगीचे में आम का पेड़ है। आम के पेड़ से क्या-क्या लाभ होते हैं? आम की कैरी से आचार बनाते हैं। आम के फल खाते हैं। त्यौहारों के दिनों में आम के पत्ते तोरण रूप में लगाये जाते हैं। पेड़ों पर झूले बाँधकर झूला जाता है।

SCERT TELANGANA

आपने आम के पेड के उपयोग के बारे में पढा। निम्न पेड़ों से हमें क्या-क्या लाभ हैं, समूह में चर्चा करो और लिखो।

नारियल का पेड़

नीम का पेड़

हमारे चारों ओर नहीं बढ़ने वाले पेड़

हम तरह-तरह के फल खाते हैं। इन फलों के कुछ पेड़ हमारे प्रांतों में होते हैं। और कुछ हमारे प्रांत में नहीं होते। अखिला को सेब बहुत पसंद है। किंतु सेब के पेड़ को उसने कभी नहीं देखा। उसी तरह आसपास नहीं देखे गये पेड़ों के नाम लिखो।

सेब का पेड़

....

....

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

जलीय पौधे, मरुस्थलीय पौधे

सलीमा, अखिला सहेलियों के साथ मिलकर खेत गये। वहीं बगल के तालाब में कमल का फूल देखा। मछली पकड़ने वाले सोमय्या ने उन्हें कमल का फूल तोड़कर दिया। घर को लौटते समय रास्ते में अखिला एक पौधे को देखकर रुक गयी। "इस पौधे को देखो , कितना अजीब है। पत्ते नहीं है। बहुत सारे काँटें हैं, यह क्या है?"- सलीमा से पूछा। सलीमा ने क्या कहा होगा? ये अंदाजा लगाइए।

नीचे दिए गए चित्रों को देखिए :

कुमुदिनी (Water Lilly)

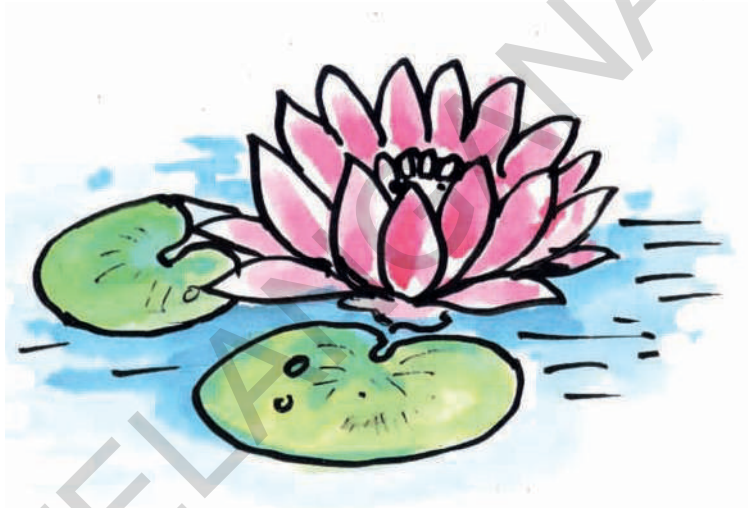

कमल (Lotus)

पाद्पवंश (Aloevera)

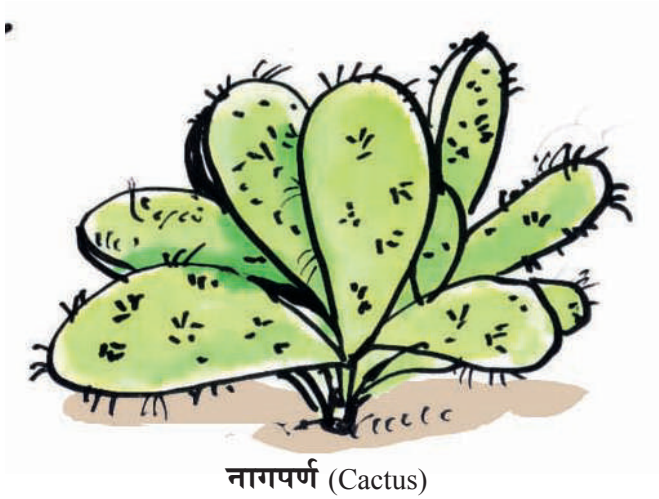

नागपर्ण (Cactus)

कुमुदिनी, कमल आदि पानी में उगते हैं। इन्हें 'जलीय पौधे' कहते हैं। नागपर्ण, पाद्पवंश आदि पानी की कमी पाये जाने वाले क्षेत्रों में, रेती में बढ़ते हैं। इन्हें 'मरुस्थलीय पौधे' कहते हैं।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द

1. पेड़ों से होने वाले लाभ
2. पौधे गोद लेना
3. घर में उगाये जाने वाले पौधे
4. रेगिस्तानी पौधे
5. जलीय पौधे
6. घर के बाहर बढ़ने वाले पौधे

हमने क्या सीखा

- हमारे घर में, आस-पड़ोस में तरह-तरह के पौधे पाये जाते हैं।
- हमारे चारों ओर पाये जाने वाले पौधे तरह-तरह के होते हैं। कुछ बहुत ही ऊँचे बढ़ते हैं। कुछ छोटे कद के होते हैं। कुछ तो बहुत ही छोटे होते हैं।
- नीम जैसे पेड़ की शाखाएँ बड़े होती हैं। ताड़ जैसे पेड़ बिना शाखाओं के लंबे लगते हैं।
- पेड़ों से अनेक लाभ हैं। पेड़ों से फूल, फल, ईंधन आदि प्राप्त होते हैं।
- कुछ पेड़ हमारे वातावरण में नहीं बढ़ते। किंतु उनके द्वारा प्राप्त होने वाले फूल और फलों को देखते है।
- रेतीली मिट्टी में नागपर्ण, पाद्पवंश जैसे पौधे उगते हैं। इन्हें रेगीस्तानी पौधे कहते हैं।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. फूल और फल देने वाले कुछ पेड़-पौधों के उदाहरण बताओ।
2. ताड़ और आम के पेड़ के बीच क्या अंतर है?
3. चमेली और मंदार पौधों के गुण, अंतर के बारे में लिखो।
4. तुम्हारे चारों ओर न उगने वाले पेड़-पौधे कौनसे है?
5. बरगद के पेड़ और ताड़ी के पेड़ में क्या अंतर है, तालिका में लिखो।

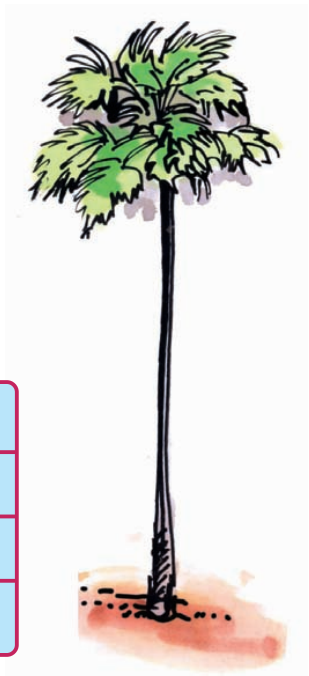

	बरगद का पेड़	ताड़ी का पेड़
ऊँचाई		
पत्ते		
शाखाएँ		

SCERT TELANGANA

6. सीता और लक्ष्मी के घर देखो। उत्तर बताओ।

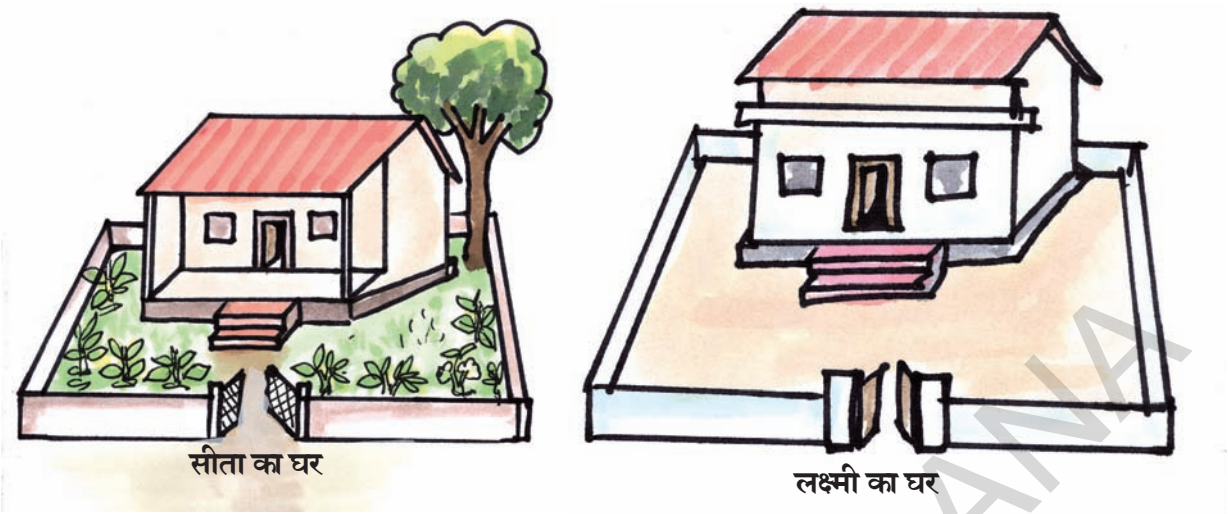

सीता का घर

लक्ष्मी का घर

- तुम्हें किसका घर पसंद आया और क्यों?
- सीता के घर में क्या-क्या है और लक्ष्मी के घर में क्या-क्या नहीं है?
- लक्ष्मी के घर के सामने वाली खाली जगह, अगर तुम्हारे पास होती तो तुम क्या करते?

7. सीता अपने घर में पौधे उगाती है। घर साफ-सुथरा रखती है। निम्न में तुम जो करते हो उनपर '√' लगाओ।

- मैं घर में पौधे उगाता हूँ। ( )
- उन्हें हर दिन पानी देता हूँ। ( )
- डालियाँ, पत्ते तोड़ने नहीं देता। ( )
- पौधे के चारों ओर की जगह साफ रखता हूँ। ( )
- झड़े हुए पत्ते साफ करता हूँ। ( )
- मैंने पाठशाला में पौधे गोद लिये हैं। उनकी देखभाल करता हूँ। ( )

8. घर में पौधों का होना ज़रुरी है। क्योंकि .....

चित्र बनाओ। रंग भरो।

1. निम्न चित्र उतारो और रंग भरो।

SCERT TELANGANA

2. तुम्हारे प्रांत के बहुत ही ऊँचे पेड़ का चित्र उतारो। उनमें रंग भरो।

सूचना कौशल - परियोजना कार्य

1. तुम्हारे घर के आस-पास के कितने पौधों/पेड़ों के नाम पता है? ज्ञात पेड़-पौधों के नाम लिखो। जो ज्ञात नहीं हैं, उन्हें पता करके लिखो।

2. तुम्हारे चारों ओर के पेड़/पौधे, जो फूल, फल, छाया, ईंधन देते हैं,उनके नाम लिखो।

फूल देने वाले	फल देने वाले	छाया देने वाले	ईंधन देने वाले
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

प्रशंसा

1. अगर कोई पेड़-पौधों की शाखाएँ तोड़ता है तो तब तुम क्या करोगे?

2. सलीमा की पाठशाला में बहुत सारे पौधे हैं। छुट्टी के दिनों में वह पानी देती है, देख-रेख करती है, उसी तरह तुम भी अपनी पाठशाला में एक पौधा लगाओ या गोद लो। उसे हर दिन पानी दो। एक महीने के बाद क्या हुआ, बताओ।

प्रश्न करना

1. अखिला ने जलीय पौधों के बारे में जानना चाहा। इसके लिए तालाब के पास गयी। वहाँ रामय्या दादा जी से मिली। जलीय पौधों के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। अखिला ने क्या-क्या प्रश्न किये होंगे? उन प्रश्नों को लिखो। रामय्या दादाजी ने क्या उत्तर दिये होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	हमारे चारों ओर के बहुत ऊँचे उगने वाले, छोटे पौधों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	पेड़ों से होने वाले लाभों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	जलीय और रेगीस्तानी पौधों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	फूल, पौधे, पेड़ के चित्र उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	पेड़-पौधों के बारे में प्रश्न कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 2

6. पत्तों से लगाव
(Friendly Leaves)

हमारे चारों ओर बहुत सारे पेड़ हैं। ये सभी जिस तरह भिन्न-भिन्न हैं, उसी तरह इनके पत्ते भी तरह-तरह के होते हैं। केले का पत्ता देखा है? कितना बड़ा होता! इसमें भोजन भी करते हैं। इमली का पत्ता देखा है? कितना छोटा होता! नारियल का पत्ता देखा है वह कैसा होता है, सोचो। चित्र में तरह-तरह के पत्ते हैं। क्या इन्हें पहचान सकते हो?

- चित्र में दिखायी देने वाले पत्तों के नाम लिखो।

- ये पत्ते क्या सभी एक जैसे हैं? इनमें क्या अंतर है?

पत्ते सभी एक जैसे नहीं होते। कुछ बड़े, और कुछ छोटे होते हैं। उनके किनारे, सिरे भिन्न-भिन्न होते हैं।

SCERT TELANGANA

निम्न पत्तों को ध्यान से देखो। इनके किनारे, कैसे हैं, देखिए।

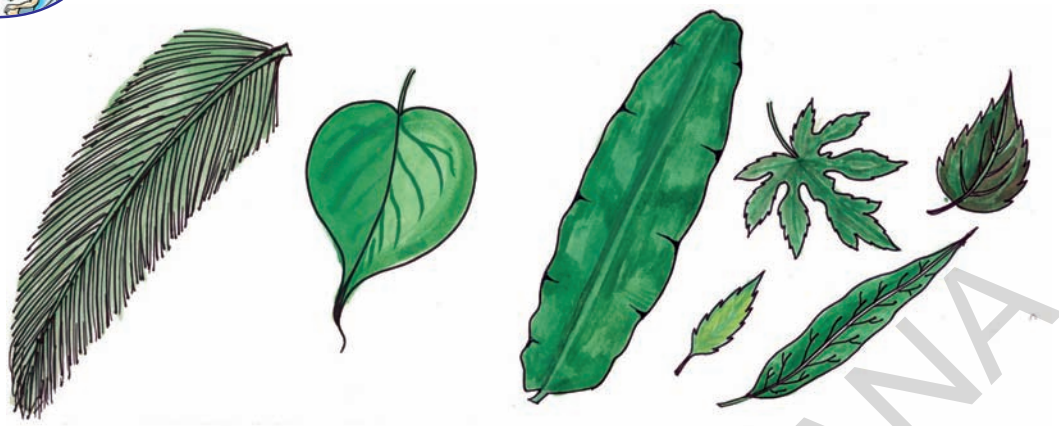

सामान्यतः कुछ पत्तों के किनारे कोमल तथा कुछ के खुरदरे होते हैं। कुछ पत्ते नोकदार, और कुछ गोलाकार में होते हैं। इसी तरह के कुछ और पत्तों के नाम बताओ।

तुम्हें कुछ पत्ते जमा करो। जमा किये पत्तों को हाथ से कोमलता को महसूस करो। निम्न तालिका में लिखो।

कोमल पत्ते	खुरदरे पत्ते

रंग बिरंगे पत्ते

यूसुफ के घर में तरह-तरह के क्रोटान के पौधे हैं। वे तरह-तरह के रंगों के हैं। यूसुफ के घर पहुँचे राम को रंग-रंग के पत्ते देखकर आश्चर्य हुआ। रामू ने आम के पत्ते देखे। उसकी कोपले कोमल लाल रंग में, खुरदरे पत्ते हरे रंग में, झड़ने वाले पत्ते पीले दिखायी दिये। तुमने भी कभी तरह-तरह के पत्ते देखे होंगे, उनके नाम बताओ।

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें पता है?

बादाम पेड़ के पत्ते कई रंग के होते हैं।

तुम कोई पत्ता लेकर उसे ध्यान से देखो। उसका रंग, आकार, पत्ते का ऊपरी भाग, निचला भाग देखो। वे कैसे हैं? उसे हाथ से स्पर्श करने पर तुम्हें कैसा लगा? खुरदरा है या कोमल है? पत्ते की गंध सूँघों। पत्ते की गंध कैसी है? पत्ते के सिरे देखो। सिरे कैसे हैं? उसी तरह और कुछ पत्ते एकत्रित करो। उनका विवरण निम्न तालिका में लिखो।

पत्ते का नाम	कोमल पत्ते का रंग	खुरदरे पत्ते का रंग	झड़े हुए पत्ते का रंग	सिरे का आकार	ऊपरी हिस्सा	निचला हिस्सा	गंध

पत्तों का झड़ना

राबर्ट की पाठशाला में एक बड़ा पेड़ है। छुट्टी के दिनों में बच्चे उसकी छाया में खेलते थे। पेड़ में झड़ते पत्तों को राबर्ट ने देखा। बिना पत्तों के पेड़ को देखकर राबर्ट को बड़ा दुख हुआ। पेड़ पर पत्ते फिर कब आयेंगे? सोचने लगा।

किन-किन पेड़ों के पत्ते झड़ते हैं, ध्यान से देखकर बताओ।

पेड़ के पत्ते कब झड़ते हैं?

झड़े हुए पत्तों का क्या होता है?

झड़े हुए पेड़ों पर पत्ते कब आते हैं?

SCERT TELANGANA

झड़े हुए पत्तों का क्या करना चाहिए?

सामान्यतः पेड़ों के पत्ते झड़ते रहते हैं। झड़े हुए पत्तों के कारण आस-पास का वातावरण गंदा दिखायी पड़ता है। इसीलिए झाड़ू से आस-पास की जगह साफ करवाना चाहिए।

तुम्हें पता है?

झड़े हुए पत्ते, कचरे को जलाने से निकलने वाले धुएँ से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसीलिए कचरा खाद के गड्ढे में डालना चाहिए। जलाना नहीं चाहिए।

खाद का गड्ढा

राबर्ट की पाठशाला में प्रतिदिन पेड़ से झड़ने वाले पत्ते, कचरा साफ कर पाठशाला स्वच्छता समिति के सदस्य गड्ढे में भरते हैं। उसी दोपहर मध्याह्न भोजन के बाद बचा हुआ शेष पदार्थ भी उसी गड्ढे में भरते हैं। ऊपर मिट्टी फैलाते हैं। ऐसा क्यों करते हैं पता है? कुछ ही दिनों में ये सभी सड़कर खाद के रूप में बदल जाते हैं। इस खाद को पाठशाला के बगीचे में पौधों को डालते हैं।

तुम्हारी पाठशाला में कचरे का क्या करते हैं?

आहार के रूप में पत्ते

राबर्ट पाठशाला से घर आते ही रसोईघर से सब्जी पकाने की सुगंध आ रही थी। सब्जी में कडीपत्ता, हरी धनिया डालने के साथ ही सुगंध और बढ़ गयी।

सुगंध देने वाले पत्तों के नाम लिखो।

हमारे बनाये जाने वाले आहार में पत्तों के उपयोग से सुगंध के साथ-साथ अच्छा स्वाद भी प्राप्त होता है। हरी सब्जियाँ स्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी है। ये कई तरह के विटामिन देते हैं। इनसे विटामिन प्राप्त होते हैं। हरी सब्जियों को बनाने से पहले अच्छी तरह से धो लेना चाहिए।

SCERT TELANGANA

नीचे दिये चित्र देखो। वे कौनसे पत्ते हैं बताओ। उनसे क्या-क्या बनाया जाता है, बताओ।

कुछ और हरी सब्जियों के नाम लिखो।

....

....

....

कौनसे पत्ते हैं बताओ!

हरी धनिया, नीलगिरि, ईमली, आँवला, नीम, तुलसी जैसे पत्ते इकट्ठा करो। एक साथी की आँख पर पट्टी बाँधों। उसके हाथ पत्ता देकर उसका स्वाद या गंध सूँघकर वह पत्ता कौनसा है, बताने के लिए कहो। कौन सबसे अधिक पत्तों को पहचान पाता है, देखो।

SCERT TELANGANA

पत्तों से सजावट

अब तक तुमने पत्तों के आकार, रंग, स्वाद, गंध आदि के बारे में जाना है!

तुम्हें पता है पत्तों से घर को कब-कब सजाया जाता है? क्या तुम्हारे घर को इस तरह सजाया गया है? त्यौहार के दिन कमला के घर को इस तरह सजाया गया नीचे दिये गये चित्र में देखो।

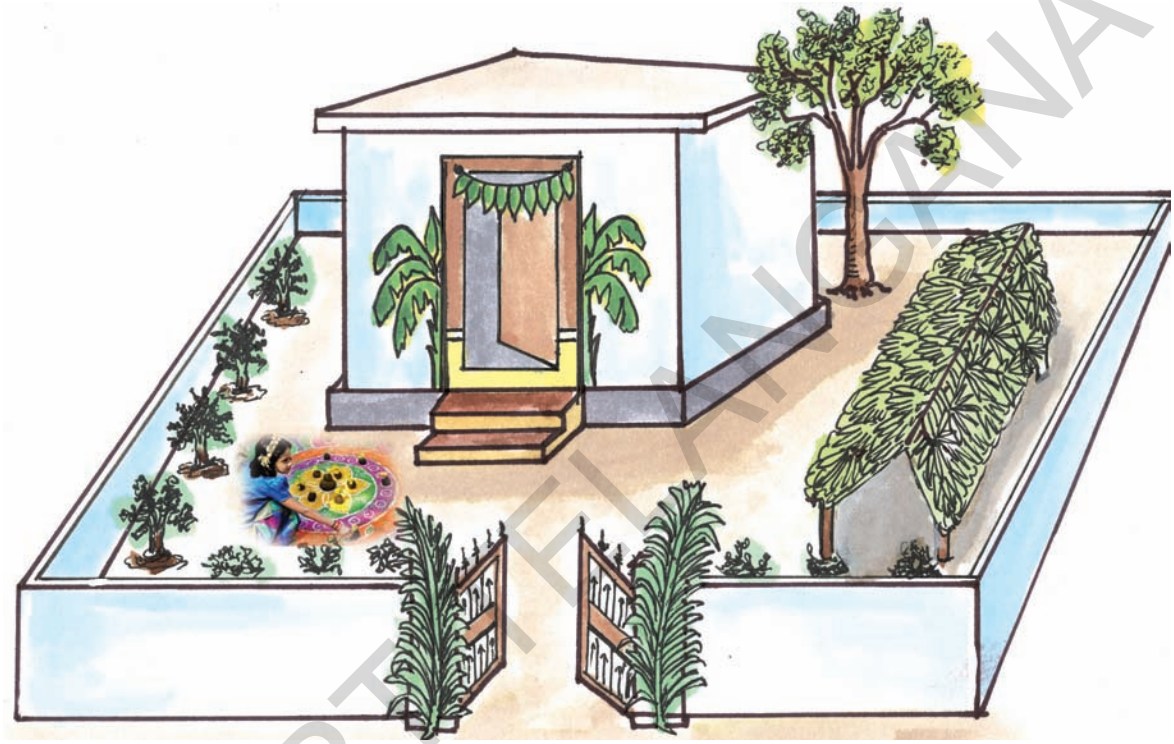

उक्त चित्र में घर को किन-किन पत्तों से सजाया गया है?
त्यौहारों के समय घर सजाने के लिए तुम किन-किन पत्तों का इस्तेमाल करते हो?
तुम्हारी पाठशाला को कब-कब पत्तों से सजाया जाता है? इसके लिए किन-किन पत्तों का उपयोग करते हैं?

हम त्यौहार, शादी के समय अपने घरों को आम के पत्ते, नारियल के पत्ते तथा केले के पत्तों से सजाते हैं। पत्तों की सजावट से घर की सुन्दरता बढ़ती है।

पत्तों से रंग

एक दिन हारिका का जन्मदिन था। नये कपड़े पहनी थी। हाथों में मेंहदी लगायी थी। पाठशाला के सभी बच्चों को अपने हाथ में लगी मेंहदी दिखाने लगी। बच्चों ने हारिका की खूब प्रशंसा की।

SCERT TELANGANA

तुम भी सुंदर मेंहदी की डिजाइन पुस्तिका में उतारें। तुम अपने परिवार के सदस्य और अध्यापिका से पूछकर और पौधों की सूची बनाओ।

पत्तों से भिन्न आकार

आपने जाना कि पत्तों का उपयोग सजावट के लिए किया जाता है, तो फिर पत्तों से तरह-तरह के आकार भी बना सकते हैं। राबर्ट ने पाठशाला में झड़े हुए पत्तों को इकट्ठा किया। उन्हें सफेद कागज़ पर चिपकाया। राबर्ट के द्वारा बनाये गये आकारों को देखकर बाकी बच्चे भी उसकी प्रशंसा करने लगे। राबर्ट के द्वारा बनाये गये पत्तों के आकारों को देखें।

तुम भी पत्ते इकट्ठा करो। तरह-तरह के जीव-जंतुओं के आकार बनाओ। उन्हें सभी को दिखाओ। दीवार पत्रिका पर चिपकाओ।

SCERT TELANGANA

पत्तों से खेल

हारिका राबर्ट को हवा के फूल से खेलते हुए देखा। "तुमने किस दुकान से खरीदा?" हारिका ने राबर्ट से पूछा। उसने कहा-"मैंने ही बनाया है।" "मुझे भी सिखाओ न" - हारिका ने पूछा। हवा के फूल को राबर्ट ने कैसे बनाया, आओ देखें

1) सूखे हुए ताड़ी के पेड़ का पत्ता लेकर, अंगुली बराबर उसे तोड़ लो।

2) तोड़े हुए ताड़ी के पत्ते में एक काँटा या छोटा कीला चुभाओ।

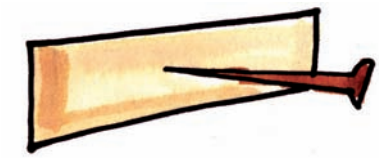

3) काँटा या छोटा कीला चुभा पत्ता एक जौ की डंठल के नरम हिस्से में चुभाओ।

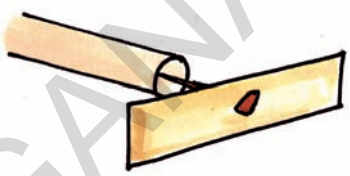

4) इस तरह तैयार की गयी ताड़ी के पत्ते वाले हवा के फूल को लेकर दौड़ने पर तेजी से घूमने लगता है।

पत्तों से और क्या-क्या खेल की वस्तुएँ तैयार कर सकते हैं, अपने मित्रों से पूछकर बनाओ।

मुख्य शब्द

1. सिरे 2. किनारे 3. खुरदरापन 4. कोमलता 5. नये पत्ते
6. खाद गड्ढा 7. खाद 8. सुखे पत्ते 9. सजावट

हमने क्या सीखा

- पत्ते तरह-तरह के होते हैं। कुछ पत्तों के सिरे कोमल तथा कुछ के खुरदरे होते हैं।
- सामान्यतः कोंपले कोमल लाल रंग में, बाद में हरे रंग में, झड़ने वाले पत्ते पीले रंग में होते हैं।
- कड़ीपत्ता, हरी धनिया, पालक, चौराई जैसी हरी सब्जियाँ खाने से स्वास्थ्य को बहुत लाभ पहुँचता है। हरी सब्जियों को पकाने से पहले अच्छी तरह से धो लेना चाहिए।
- केला, आम जैसे पेड़ों के पत्ते सजावट के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है। मेंहदी हथेलियों पर लगायी जाती है।
- झड़े हुए पत्तों को जलाये बिना, खाद गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढकना चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. खुरदरे किनारे वाले कुछ पत्तों के उदाहरण लिखो।

2. मंदार, कमल के पत्तों के बीच क्या अंतर हैं, लिखो।

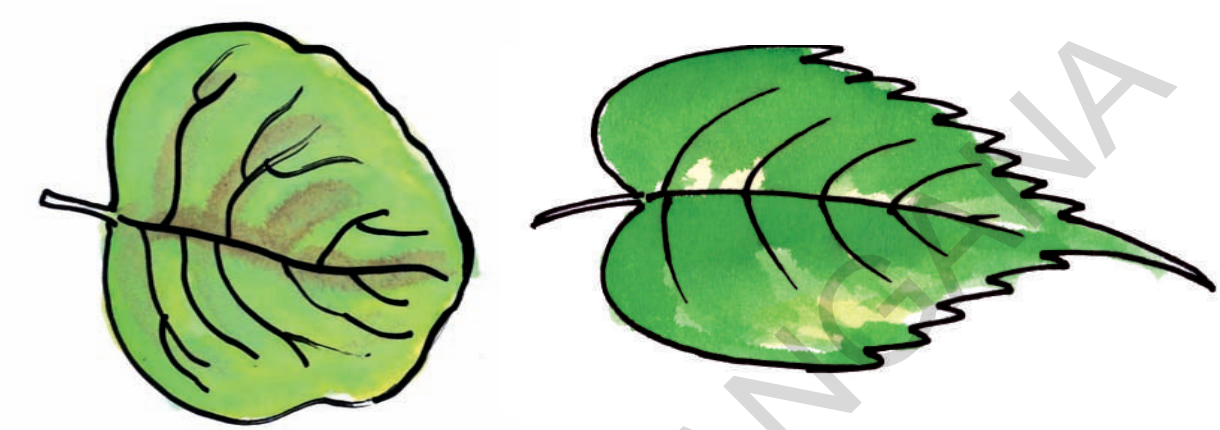

3. आहार के रूप में उपयोग करने वाले चार तरह के पत्तों के उदाहरण बताओ।

4. नीचे दी गयी तालिका में कुछ पत्तों के नाम हैं, वे कौनसे हैं?

ह	री	ध	नि	या	क
इ	म	ली	पु	दी	रि
चौ	रा	ई	सा	ग	या
नी	म	मे	थी	रा	पा
पु	दी	ना	के	ला	क
आ	म	तु	ल	सी	म

- इनमें किन्हें गंध द्वारा पहचान सकते हो?
- सजावट के लिए किनका उपयोग करते हैं?

5. कुछ पत्तों के नाम लिखकर, उनका उपयोग क्यों करते हैं, लिखो।

6. झड़े हुए पत्तों का क्या करना चाहिए?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. तुम्हारी पसंद के किन्हीं दो पत्तों के चित्र उतारकर उनके नाम लिखो।
2. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।

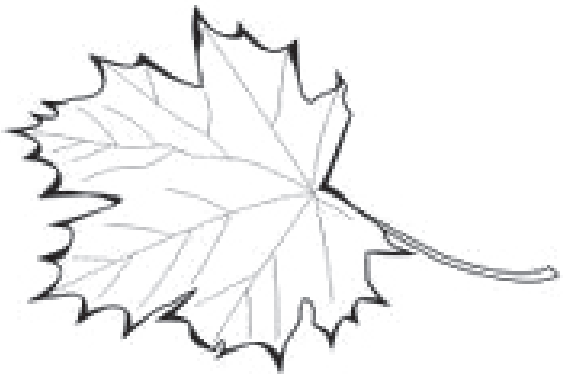

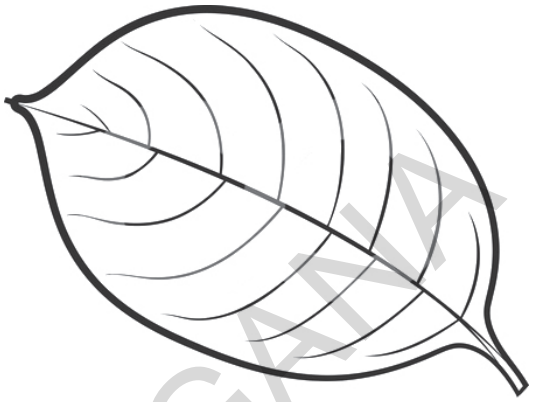

सूचना कौशल - परियोजना कार्य

1. तुम्हारे मित्रों के घरों में पिछले दो दिनों से कौन-कौन सी हरी सब्जियाँ पकायी गयीं, उनकी जानकारी इकट्ठा कर तालिका में लिखो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	हरी सब्जी का नाम	पकाये गये पदार्थ का नाम

- कितने लोगों के घरों में हरी सब्जियाँ पकायी गयीं?
- सबसे अधिक घरों में कौन सी हरी सब्जी पकायी गयी?

2. पत्तों से विभिन्न तरह के आकार बनाओ। चार्ट पर चिपकाओ। कक्षा में दिखाओ।
3. कुछ पत्तों को इकट्ठा कर, कॉपी में चिपकाकर एक सप्ताह तक रखो। चार्ट पर चिपकाओ। कक्षा में दिखाओ।

SCERT TELANGANA

करके देखो - क्या हुआ बताओ।

1. मंदार का पत्ता घिसकर बांई हथेली पर मेंहदी घिसकर दांई हथेली पर लगाओ। दो घंटे बाद देखो क्या होता है? क्या हुआ बताओ।
2. किसी एक पत्ते को पंद्रह दिन तक कॉपी में रखो। किस तरह के बदलाव आते हैं, देखो?
3. परिसर में मिलने वाले पत्तों को गरम पानी में डालो। थोड़ी देर बाद क्या बदलाव आये, लिखो।

प्रशंसा

1. तुम्हारी कक्षा में पत्तों से कौन अच्छे खिलौने बना सकते हो कौन-कौन से खिलौने बनाये? तुम्हें क्यों लगा कि वे अच्छे हैं?
2. तुम्हारे घर में या पाठशाला में पत्ते झड़ने पर तुम क्या करते हो?

प्रश्न करना

1. नीरजा के घर हरिणी गयी। उसके घर में तरह-तरह के पौधों के पत्ते देखे। कुछ पत्ते देखकर आश्चर्यचकित रह गयी। उनके बारे में नीरजा से पूछा। हरिणी ने क्या-क्या प्रश्न पूछे होंगे? वे प्रश्न लिखो। नीरजा ने क्या उत्तर दिये होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	पत्तों का वर्गीकरण कर सकता हूँ। (भिन्नता के आधार पर)	हाँ / नहीं
2.	पत्तों के उपयोग के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	तरह-तरह के पत्ते उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	पत्तों से जुडी जानकारी इकट्ठा कर, तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	हरी सब्जियाँ खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। हर दिन हरी सब्जियाँ खाऊँगा।	हाँ / नहीं
6.	पत्तों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 2

7. हमारा आहार !
(The Food We Eat)

रवि दो दिन से पाठशाला नहीं आया। दो दिन बाद वह पाठशाला आया। मध्याह्न भोजन के समय में रवि के पास रामु, मेरी, रोजा आयी

रोजा : रवि! दो दिन से पाठशाला क्यों नहीं आये?

रवि : मेरी मामा की शादी के लिए नेल्लूर गया था। इसीलिए नहीं आ पाया।

मेरी : अपने मामा की शादी में गये थे! शादी धूम-धाम से हुई?

रवि : हाँ! बढ़िया हुई। सुबह, दोपहर, रात को तरह-तरह के पकवान बनाये गये।

रामु : शादी में क्या-क्या खाया?

रवि : बहुत तरह के पकवान खाये।

रवि ने शादी में क्या-क्या खाया है, नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

सुबह	दोपहर	शाम	रात्रि

शादी में खाने वाली सभी पदार्थ क्या हम घर में हर दिन खाते हैं? क्यों?

SCERT TELANGANA

तुम अपने घर में हर दिन क्या–क्या खाते हो, नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

सुबह	दोपहर	शाम	रात

प्रतिदिन आप कब खाते हो? सुबह आप क्या खाते हो? दोपहर में आप क्या खाते हो? क्या आप शाम में भी खाते हो? आप रात में क्या खाते हो? परसों, कल और आज खाये गये पदार्थों में नीचे दी गयी तालिका भरो।

दिन	सुबह	दोपहर	शाम	रात
आज				
कल				
परसों				

हम क्यों खाते हैं?

रवि सुबह देरी से उठा। जल्दी–जल्दी नहा–धोकर पाठशाला गया। कहीं देरी न हो जाये इस लिए बिना खाये पाठशाला चला गया। रवि को पाठशाला में क्या महसूस हुआ होगा।

तुम कभी बिना खाये पाठशाला गये हो? तब तुम्हें क्या लगा होगा?

क्या आप जानते हो, हम खाना क्यों खाते है? हम प्रतिदिन कई काम करते हैं। चलना, खेलना,दौड़ना, पानी लाना जैसे काम करते हैं। ये सभी काम करने के लिए हमें ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए हमें आहार की आवश्यकता पड़ती है।

हमारा आहार कहाँ से प्राप्त होता है?

हमारा द्वारा खाये जाने वाला आहार कहाँ से प्राप्त होता है? हम आहार के रूप में हरी सब्जियाँ, फल, आलू जैसी चीज़ें खाते हैं। उसी तरह जीव–जंतुओं द्वारा प्राप्त होने वाली चीज़ें जैसी दूध, अंडे, मांस का भी सेवन करते हैं।

बगल के पृष्ठ में चित्र हैं, उन्हें देखो। वे क्या हैं, बताओ। जंतुओं के द्वारा प्राप्त होने वाली चीज़ों पर '◯' लगाओ। पौधों द्वारा प्राप्त होने वाली चीज़ों पर √ लगाओ।

SCERT TELANGANA

पौधों से प्राप्त होने वाली चीज़ें कौनसी हैं? जीव-जंतुओं से प्राप्त होने पदार्थ कौनसे है?

SCERT TELANGANA

रवि की माँ ने उसे भोजन परोसा। अंडे की सब्जी बनायी थी। रवि ने अपनी माँ से पूछा कि अंडे की सब्जी कैसे बनायी जाती है। अंडे की सब्जी में अंडा, हरी मिर्च, तेल, हल्दी, प्याज़, टमाटर आदि डालकर बनाया जाता है। इसमें अंडा मुर्गी द्वारा प्राप्त होता है। उसी तरह हरी मिर्ची, हल्दी, प्याज़, टमाटर आदि पौधों से प्राप्त होता है। नीचे कुछ आहार पदार्थ के नाम दिये गये हैं। वे किनसे प्राप्त होते हैं उन पर √ लगाओ।

आहार पदार्थ	जीव–जंतुओं से प्राप्त	पौधों से प्राप्त	दोनों से प्राप्त
भोजन			
चिकेन बिरयानी			
दाल			
सांबर			
आमलेट			
करेला			
आलू की सब्जी			
घी			
केक			
ब्रेड			
दही			
दूध			
दही का आचार			
आम का अचार			
मछली की सब्जी			
मुर्गे की सब्जी			

SCERT TELANGANA

हम आहार पकाकर क्यों खाते हैं?

आहार कहाँ से आता है? आपने जाना कि तो फिर, पकाकर खाये जाने वाले आहार और बिना पकाये खाये जाने वाले आहार कौनसे हैं, पता लगाइए।

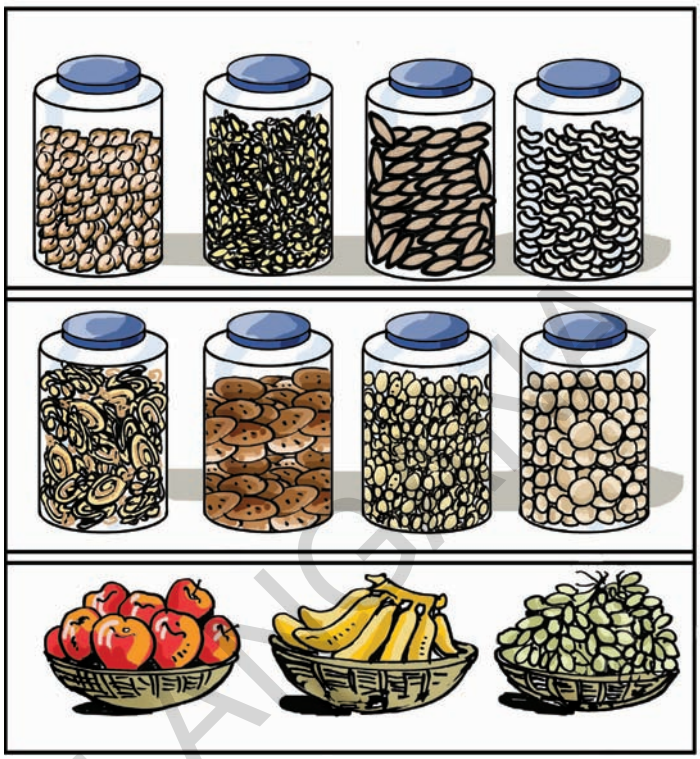

मेरी शाम को पाठशाला से घर आयी। मेरी के साथ उसकी सहेली रोजा, रवि, रामु, भी आये। मेरी अपनी माँ से खाने के लिए कुछ माँगा। माँ ने बच्चों को रसोई के भंडारे में रखी चीज़ों में से मनपसंद चीज़ लेकर खाने के लिए कहा। मेरी ने भंडारे में क्या-क्या देखा होगा? क्या-क्या खाया होगा सोचो। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

देखी हुई	खायी हुई

ऊपर दी गयी चीज़ों में तुम्हें क्या पसंद है, उनके नाम लिखो।

हम हर दिन चावल, दाल, सब्जी, चने की दाल इस तरह के पदार्थों का सेवन करते रहते हैं। उनमें पकाकर खायी जाने वाली और बिना पकाये खाये जाने वाले चीजे खायी ही होंगे।

तुम्हारे द्वारा पकाकर खाये जाने वाले और बिना पकाकर खाये जाने वाले पदार्थ क्या हैं, तालिका में लिखो।

पकाकर खाये जाने वाले	बिना पकाये खाये जाने वाले

SCERT TELANGANA

कुछ आहार पदार्थ पकाकर खाते हैं। और कुछ बिना पकाये खाते हैं। इस तरह आहार पदार्थों को पकाकर क्यों खाया जाता है, सोचो।

पकाने से आहार का स्वाद बढ़ जाती है। आसानी से पचता है। बिना पकाये खाने से कुछ चीजें नहीं पचती। आहार पदार्थों को गरम करके खाना चाहिए। अधिक गरम करने से उन पदार्थों के पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

भोजन बनाने के लिए किन बर्तनों का उपयोग करते है?

खाना पकाना हो या दाल, सब्जी इस तरह कुछ भी बनाने के लिए बर्तन चाहिए। खाना पकाने के लिए तुम्हारे घर में क्या-क्या बर्तन हैं, देखा क्या?

नीचे दिया गया चित्र देखो। इस चित्र में तरह-तरह के बर्तन हैं। चित्र में बिंदु वाले हिस्से को अपने मनचाहे रंग से भरो। रंग भरने के बाद कौन-कौन से बर्तन दिखायी देते हैं, बताओ।

क्या-क्या बर्तन दिखायी दिये? उनके नाम बताओ। उनसे क्या-क्या किया जाता है?

SCERT TELANGANA

इस तरह के पकाने वाले बर्तन तुम्हारे घर में भी होंगे। उनके नाम नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

पकाने वाले बर्तन का नाम	किसके लिए उपयोग में लाया जाता है।

क्या आपने नीचे दिये बर्तन कभी देखा हैं? इनका उपयोग क्या–क्या बनाने के लिए किया जाता है? उनके बारे में पता लगाकर अपने सहपाठियों को बताओ।

बिजली कुकर

इंडक्शन चूल्हा

माइक्रो ओवन

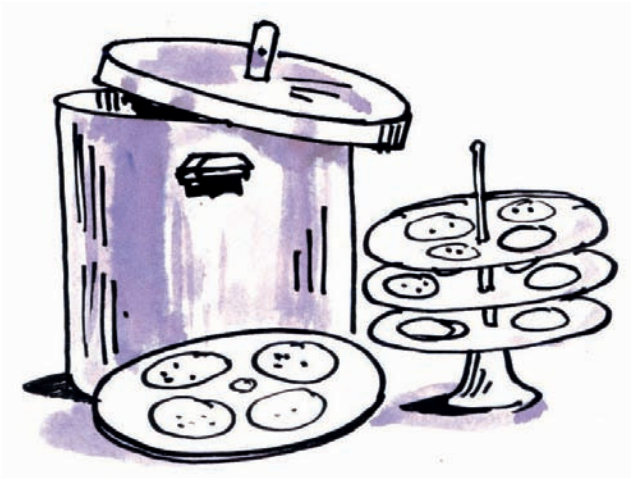

इड्ली बर्तन

SCERT TELANGANA

क्या सभी चीज़ें एक जैसे ही पकायी जाती है?

निखिल रसोईघर में गया। पिताजी बैंगन काट रहे थे। काटे हुए बैंगन पानी में डाल रहे थे। "कटे हुए टुकड़े से पिताजी आप क्या बना रहे हैं?"- "निखिल ने पूछा। बैंगन की सब्जी बना रहा हूँ"– पिताजी ने कहा। निखिल भी टमाटर, हरी मिर्च देते हुए पिताजी की सहायता करने लगा। पिताजी ने उन्हें धोने के लिए कहा। निखिल ने ऐसे ही किया। टमाटर, हरी मिर्च, हरी धनिया को छोटे–छोटे टुकड़े किये। उसके बाद बैंगन की सब्जी बनायी। निखिल के पिता ने बैंगन की सब्जी कैसे बनायी होगी, सोचो।

बैंगन की सब्जी किन–किन के घर में किस–किस तरह बनायी जाती है? पता लगाकर बताओ।

सभी आहार पदार्थ एक ही तरह नहीं बनाये जाते। तरह–तरह के आहार पदार्थ बनाने की विधि अलग–अलग होती है। नीचे दिये आहार पदार्थ देखो। इन्हें कैसे बनाया जाता है, बताओ।

चावल,दाल जैसे आहार पदार्थ उबाले जाते हैं। मिर्ची की पकौड़ी, समोसा जैसी चीज़ें तेल में पकाये जाते हैं। मकई के दाने, रोटी, माँस, आदि आग पर जलाये जाते हैं। इड्ली भाप पर बनायी जाती है। अचार, दही अचार जैसी चीज़ें बिना गरम किये नमक मिलाकर बनाया जाता है। इस तरह के आहार पदार्थ अलग–अलग विधियों में बनायी जाती है। तुम्हारे घर में किन चीज़ों को कैसे बनाया जाता है, बताओ।

क्या सभी चीज़ें एक जैसे ही पकायी जाती है?

– हरी सब्जियाँ अच्छी तरह से धोकर काटकर खाना चाहिए।

– हरी सब्जियाँ और सब्जियों के टुकड़े करने के बाद धोने से उसके पौष्टिक पदार्थ नष्ट हो जाते हैं।

– चावल बनाने से पहले उसे ज्यादा नहीं धोना चाहिए।

– चावल बनाते समय उसका मांड नही निकलना चाहिए। अन्यथा उसके पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

– प्रतिदिन खाये जाने वाले भोजन में दाल, हरी सब्जियाँ ज़रूर होने चाहिए।

– हरी सब्जियाँ, दाल जैसी चीज़ें अधिक नहीं उबालना चाहिए।

– गाजर, शकरकंद, मूली, खीरा, प्याज़, हरी धनिया, पुदीना बिना पकाये खा सकते हैं।

मुख्य शब्द

1. आहार
2. पकाकर खायी जाने वाली
3. बिना पकाये खायी जाने वाली
4. पाचन
5. पकाने के बर्तन
6. पौष्टिक तत्व

हमने क्या सीखा

– आहार से हमें ऊर्जा मिलती है।

– पौधों एवं जीवों से हमें आहार प्राप्त होता है।

– कुछ आहार पदार्थ पकाकर और कुछ बिना पकाये खा सकते है।

– पकाने के कारण आहार स्वादिष्ट होता है। जल्दी से पचता भी है।

– सभी पदार्थ एक जैसे नहीं पकाये जाते।

– पकाने के लिए कुकर, ओवन आदि का उपयोग आधुनिक समय में तेजी से हो रहा है।

– सभी आहार पदार्थ एक जैसे नहीं बनाये जाते। उबालना, तलना, जलाना तरह–तरह से पकाया जाता है। इसके लिए अलग–अलग बर्तनों का इस्तेमाल भी होता है।

– पकाने से पहले हरी सब्जियाँ, सब्जियाँ अच्छी तरह से धोना चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. आहार न लेने से क्या होता है?
2. बिना पकाये खायी जाने वाली कुछ चीज़ों के उदाहरण बताओ।
3. निम्न लिखित का वर्गीकरण करते हुए तालिका में लिखो।

   – पूरी, सपोटा, खजूर, अंडा, भिंडी, मछली, बादाम, ईख, बैंगन, मौसंबी, खीर, नींबू का रस, आम, पालक, हरी धनिया, बादाम, मिर्ची, कच्चे केले, अमरूद, तरबूज़, आलू, प्याज़, सेम आदि।

पकाकर खाने वाले	बिना पकाकर खाने वाले

4. वे पदार्थ जो पकाकर और बिना पकाये खा सकते हैं? उन्हें लिखो।
5. चावल, आटे से बनाये जाने वाले आहार पदार्थ कौन से हैं?
6. तुम्हारे घर में कौन–कौन से बर्तन हैं।

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. तुम्हारे घर में खाना किसमें बनाया जाता है।
2. तुम्हारे पसंद वाले चित्र उतारो, रंग भरो।

SCERT TELANGANA

सूचना कौशल – परियोजना कार्य

1. अपने किन्हीं तीन मित्रों से पिछली सुबह, दोपहर, शाम को क्या खाया होगा? तालिका में अंकन करो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	सुबह खाया	दोपहर को खाया	रात को खाया

– सभी खाने वाला आहार पदार्थ क्या है?

– रात में सबसे अधिक लोग क्या खाते हैं?

– सुबह न खाने वाले कितने लोग हैं?

2. तुम्हारे घर में चावल / दाल / सब्जी... इस तरह इनमें से कोई भी एक आहार पदार्थ कैसे बनाते हैं, ध्यान से देखो। किसके बाद क्या किया गया, एक चार्ट पर लिखकर कक्षा में प्रदर्शित करो।

प्रश्न करना

1. मेरी रजनी के घर गयी। उसकी माँ को खाना पकाते हुए देखा। रजनी की माँ से मेरी ने आहार पदार्थ के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। उसने कौन–कौन प्रश्न पूछे होंगे? रजनी की माँ ने सब्जियों के बारे में तरह–तरह की सूचनाएँ दी। उसने क्या उत्तर दिये होंगे, सोचकर लिखो।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	आहार क्यों खाना चाहिए, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	पकाकर खाने वाले आहार और बिना पकाकर खाये जाने वाले आहार के अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	विभिन्न तरह के बर्तन, सब्जियों के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	खाना पकाने के क्रम के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	पौष्टिक तत्वों को नष्ट पहुँचाये बिना किस तरह पकाना चाहिए, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	आहार पदार्थों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 2

8. आहार की आदतें
(Food Habits)

दशहरे की छुट्टियों में पाठशाला के सभी छात्र भ्रमणयात्रा के लिए हैदराबद गये। वहाँ पर अलग-अलग प्रांतों से आये हुए बच्चों से मुलाकात हुई। उन सभी में दोस्ती हुई। चिड़ियाघर में अनेक प्रकार के जानवरों को देख रहे थे। दोपहर होने पर सभी बच्चे एक जगह पर इकट्ठा हुए। घर से लाये हुए टिफिन के डब्बे निकालकर खाने लगे। वे क्या खा रहे हैं, देखेंते हैं न!

आपने जाना कि किस प्रांत में लोग क्या-क्या खाते हैं,
अब बताओ तुम्हारे प्रांत में क्या खाते हैं?

© SCERT TELANGANA

हमारे राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों, जंगलों में रहने वाले जंगल में पाये जाने वाले तरह–तरह के कंदमूल, अमरूद, आँवला, जाम, बेर आदि खाते हैं। वहाँ उपजाये जाने वाली फसल, मिलने वाले आहार पदार्थ के आधार पर उनकी आहारिक आदतें होती हैं।

राजस्थान में जवार की फसल खूब होती है। वे जवार की रोटी खाते हैं। उसी तरह दिल्ली, गुजरात,मध्यप्रदेश आदि राज्यों में गेंहूँ से बनी रोटी, पूड़ी अधिक खाते हैं। तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश राज्यों में चावल अधिक खाते हैं। केरल में चावल के साथ मछली भी खूब खाते हैं।

एक–एक प्रांत में एक–एक तरह की आहारिक आदतें होती हैं। उसी तरह अलग–अलग संदर्भों में अलग–अलग तरह की फसलें पैदा कर खाते हैं। त्यौहार, शादी, जन्मदिन, क्षेत्रीय त्यौहारों के समय अलग–अलग तरह के पकवान बनाये जाते हैं।

कब कौन से क्या पकवान खाये जाते हैं, लिखो।

त्यौहार/ शादी/ विशेष संदर्भ	पकाये जाने वाले विभिन्न तरह के पकवान

तुम्हारे मित्रों से पूछो कि वे कौन–कौन से पकवान बनाकर खाते हैं।

सभी बच्चे खाना खाने के बाद जानवर देखने लगे।

शरत : सुजाता! देखो वहाँ कबूतर किस तरह दाना खा रहे हैं।

सुजाता : हाँ, सभी कबूतर एक जगह इकट्ठा होकर दाना खा रहे हैं।

SCERT TELANGANA

रघु : अली! देखो वहाँ हाथी क्या खा रहा है कि

अली : बाप रे! हाथी बड़े–बड़े ईख खा रहे हैं। चलो बाकी जानवर भी देखते हैं।

तुम्हें जो जानवर पता हैं, वे क्या–क्या खाते हैं, बताओ।

पक्षी/जानवर के नाम	खाने वाले आहार
गाय	घास

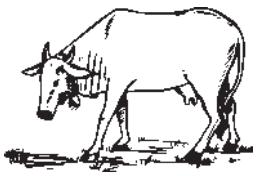

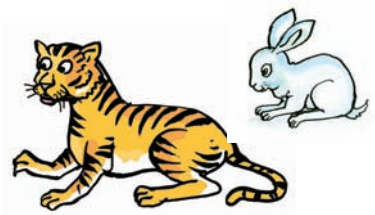

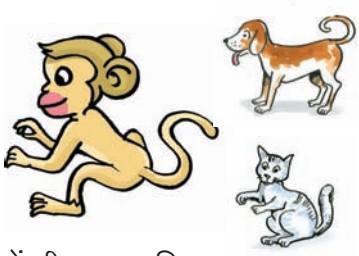

हमारे चारों ओर अनेक तरह के जानवर, पक्षी पाये जाते हैं। हमारी तरह उन्हें भी आहार की आवश्यकता पड़ती है। सभी जानवर एक जैसे आहार नहीं खाते। उनके भी तरह–तरह के आहारिक आदत होते हैं। पक्षी, जानवर तरह–तरह के आहार खाते हैं। दाने, बीज, मांस, दूध, शहद इस तरह अलग–अलग तरह के आहार पदार्थ खाते हैं।

SCERT TELANGANA

सोनी के घर में उसकी माँ, पिता, भैया रहते हैं। वे किस तरह भोजन कर रहे हैं, देखिये।

रंगय्या के घर में माँ, पिता जी के साथ–साथ मामाजी भी रहते हैं। वे किस तरह भोजन कर रहे हैं, देखिए।

उक्त दोनों चित्रों को देखो! सोनी के घरवाले किस तरह भोजन कर रहे हैं? रंगय्या के घरवाले किस तरह भोजन कर रहे हैं? किस तरह का भोजन करना ठीक होता है और क्यों?

परिवार के सभी सदस्य मिलकर खाते हैं,मिलकर क्यों खाना चाहिए?

© SCERT TELANGANA

त्यौहार के दिन सोनी के घर मेहमान आये। सभी मेहमानों को एक साथ भोजन परोसा गया। इन्हें सोनी के भैया और पिताजी ने खाना परोसा। उस चित्र को देखो।

उक्त चित्र की तरह कब–कब इतने सारे लोग मिलकर खाते हैं?
अधिक लोग मिलकर खाने पर तुम क्या–क्या काम करते हो?

साधारणतया शादी, जन्मदिन, त्योहारों के संदर्भ में सभी मिलकर खाते हैं। मिलकर खाने से हम सभी एक हैं, ऐसी भावना का विकास होता है।

सभी सब कुछ खा सकते हैं?

महेश पाठशाला से घर आते समय जलायी हुए मकई खरीदकर लाया। घर में आते ही झूले में सोये हुए भाई को मकई के दाने खिलाने लगा। माँ ने कहा कि छोटे बच्चों को मकई के दाने नहीं खिलाना चाहिए। तो ठीक है मैं जाकर दादाजी को खिलाता हूँ कहकर वह दादाजी के पास दौड़ा। मकई खाइये दादाजी – महेश ने कहा। दादाजी ने कहा– मैं नहीं खा सकता।

भाई को मकई नहीं खिलाना चाहिए, ऐसा माँ ने क्यों कहा?
दादाजी मकई के दाने क्यों नहीं खा सकते थे?
तुम्हारे घर में मकई के दाने कौन–कौन खा सकते है?

SCERT TELANGANA

छोटे बच्चे, बूढ़े लोग क्या नहीं खा सकते? बूढ़े लोग क्या खा सकते हैं? छोटे बच्चे क्या खा सकते हैं?

	खाये सकते हैं	नहीं खा सकते हैं।
छोटे बच्चे		
बूढ़े		
अन्य		

छोटे बच्चों के दाँत नहीं होते। चबाकर नहीं खा सकते। उसी तरह बिना दाँत वाले बूढ़े चबा नहीं सकते। इस तरह आयु के आधार पर भी आहार पदार्थों की आदतें बदलती हैं। अच्छा भोजन लेना जितना ज़रूरी है, उतना ही अच्छी आदतें होना भी ज़रूरी है। खाने से पहले और खाने के बाद साबुन से हाथ–पैर धोने चाहिए। खाने के बाद उस स्थान को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए.

मुख्य शब्द

1. मिलकर खाना
2. आहार पदार्थ
3. आहार की आदतें
4. हाथ–पैर धोना

हमने क्या सीखा

- एक प्रांत की आहार की आदतें वहाँ उपजने वाले आहार पदार्थों पर निर्भर करती है।
- त्यौहारों, शादियों में विशेष पकवान बनाये जाते हैं।
- जीव–जंतुओं को भी आहार की आवश्यकता पड़ती है। इन्हें तरह–तरह की आहार की आदतें होती हैं।
- घर के सभी लोग मिलकर खाना चाहिए। इससे सभी लोग आवश्यकतानुसार भोजन करने की संभावना होती है। मिलकर खाने से खुशी मिलती है।
- आयु के अनुरूप आहार पदार्थ की आदतें बदलती रहती हैं।
- खाने से पहले साबुन से हाथ–पैर धो लेने चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. तुम्हारे प्राँत में कौन–कौन से आहार पदार्थ खाते हैं?
2. घाँस खाने वाले जानवर और दाने खाने वाले पक्षियों के उदाहरण दो।
3. तुम प्रति दिन साधारणतया क्या खाते हो? त्यौहारों के दिनों में क्या खाते हो?
4. कुत्ते की आहार आदतें और बकरी की आहार आदतों में क्या अंतर होते हैं?
5. सभी लोगों का मिलकर भोजन करना क्यों अच्छा होता है?
6. नीचे दी गयी आहार आदतें तुम्हें हैं तो √ लगाओ।

- भोजन करने से पहले, बाद में हाथ धोता हूँ। ☐
- खाने से पहले, बाद में थाली अच्छी तरह से धोता हूँ। ☐
- खाते समय आहार पदार्थ नीचे गिरने नहीं देता हूँ। ☐
- आहार पदार्थ वाले बर्तनों पर ढक्कन से ढकता हूँ। ☐
- आहार पदार्थ बेकार होने नहीं देता हूँ। ☐
- सड़क पर, गंदी जगहों पर बेचे जाने वाले पदार्थ न खरीदता हूँ, न खाता हूँ। ☐
- सभी के साथ मिलकर खाता हूँ। ☐

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिया चित्र देखो। उतारो। उसके बारे में लिखो।

SCERT TELANGANA

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. अपने किन्हीं पाँच मित्रों से पूछकर बताओ कि वे कब–कब मिलकर खाते हैं, उन पर √ लगाओ।

क्र. सं.	मित्र का नाम	कब मिलकर भोजन करते हैं?		
		सुबह	दोपहर	रात

किन–किन के घर में अधिक बार मिलकर खाते है? कब मिलकर खाते है?

प्रशंसा

1. तुम्हारी कक्षा में कौन–कौन हर दिन खाने से पहले हाथ–पैर धोते हैं? उसी तरह थाली में कुछ भी बिना बचे खाते हैं? भोजन किये हुए स्थान को साफ रखते हैं? तुम होते तो क्या करते?

प्रश्न करना

1. गोपी दोपहर पाठशाला में हाथ–पैर धोये बिना भोजन करने के लिए थाली लेकर पहुँचा। गोपी के मित्रों ने गोपी को हाथ–पैर धोने के लिए कहा। गोपी के मित्रों ने प्रश्न किये। वे क्या प्रश्न हो सकते हैं? क्या वे उचित हैं ? तुम होते तो गोपी से क्या पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. प्राँतों के अनुरूप आहार की आदतें अलग होती हैं, इसका ज्ञान हुआ।	हाँ/नहीं
2. जीव–जंतुओं की आहार की आदतों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3. घर के सभी लोग मिलकर खाने से होने वाले लाभ के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4. खाये जाने वाले आहार पदार्थों की तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5. अच्छी आहार आदतों के बारे में बता सकता हूँ, पालन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6. आहार की आदत संबंधी प्रश्न पूछ सकता हूँ, बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

10. तरह-तरह के घर
(Different types of Houses)

हम सभी को रहने के लिए घर की आवश्यकता होती है। धूप, वर्षा, सर्दी, धूल, आदि से बचाव व सुरक्षित रहने के लिए घर में रहते हैं। हमारी तरह ही जीव-जंतु भी आवास बनाते हैं। क्या हमारे आवास सभी एक जैसे ही होते हैं? एक दिन शाम को खेती से माता-पिता के साथ मिलकर संतोष सरला के घर जा रहा था। सरला और संतोश ने सड़क के किनारे पर स्थित एक छोटे से पहाड़ पर चढ़कर गाँव के घरों की ओर देखा। वे किस तरह दिखायी दे रहे थे, कैसे-कैसे थे उसके बारे में पता लगाते हैं।

क्या सभी घर एक जैसे ही हैं? किस प्रकार के घर हैं?
गाँवों के सभी घर पास-पास ही हैं? या दूर-दूर हैं?

आपने देखा कि सरला के गाँव के घर कैसे हैं, गाँव में तरह-तरह के घर पास-पास ही होते हैं। क्या तुम्हारे गाँव में भी घर इसी तरह के होते हैं? तुम्हारे गाँव में किस प्रकार के घर हैं, लिखो। गाँवों में घर पास-पास होने से क्या लाभ हैं?

© SCERT TELANGANA

अस्थायी निवास

संतोष पाठशाला पहुँचा। जोसेफ ने देखा कि संतोष बड़ा चिंतित है। "तुम ऐसे क्यों हो" - जोसेफ ने पूछा। "रात को हवाई तूफान आया था हमारी सभी झोपड़ियाँ गिर गयीं।" - संतोष ने कहा। "अब तुम कहाँ रहोगे?" - जोसेफ ने पूछा। "हमारे लिए गाँव के बाहर डेरे डाले गये हैं।"- संतोष ने कहा। क्या आपने कभी डेरा देखा है? कब देखा है? डेरे किस लिए डाले जाते हैं? सोचो और बताओ।

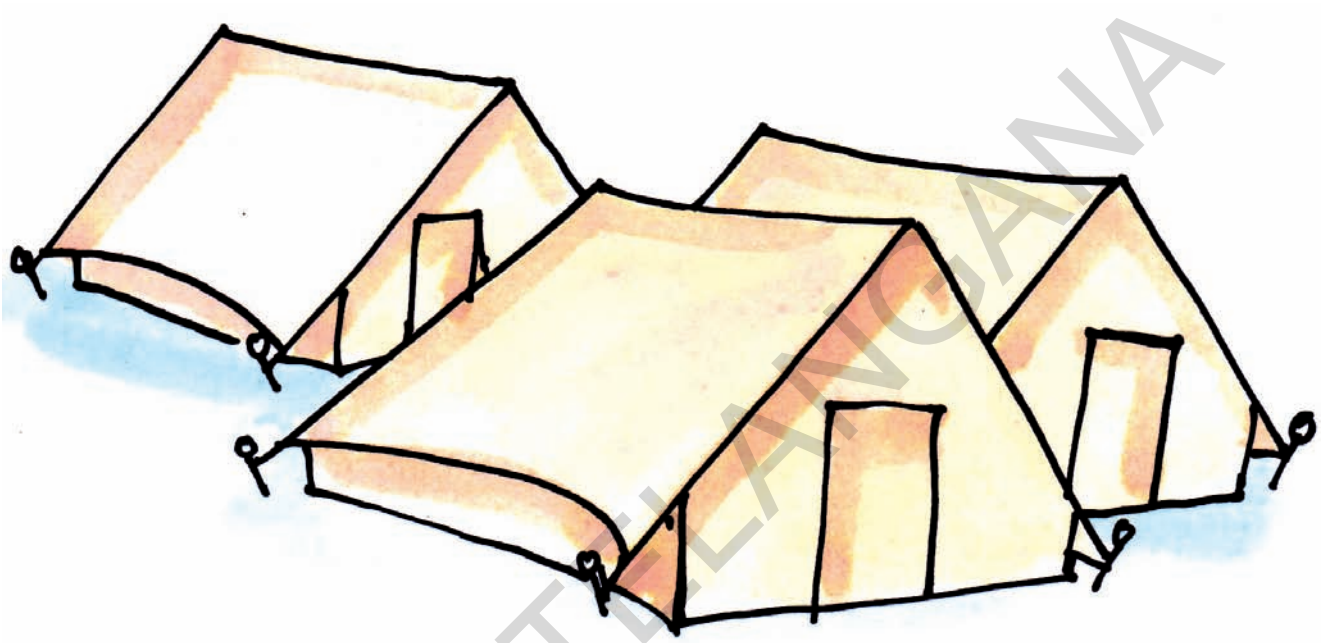

गाँव–गाँव घूमने वाले, सरकस वाले अस्थायी निवास बनाते हैं। बाढ़, तूफान, सुनामी, भूकंप, आगलगना जैसी घटनाएँ होने पर, घर से हाथ धो बैठे लोग अस्थायी निवास बनाते हैं।

संतोष अपने मामाजी की शादी के लिए शहर गया। सड़क किनारे बड़े–बड़े पाइपों को देखा। उसमें कुछ लोग आवास बनाकर रह रहे थे। वह देखकर संतोष को बड़ा आश्चर्य हुआ। इस तरह पाइपों में भी निवास किया जा सकता है? वह सोचने लगा। "लोग पाइपों में क्यों रहते हैं?" -उसने मामाजी से पूछा। उसके मामाजी ने उसे क्या जवाब दिया होगा, सोचकर बताओ।

SCERT TELANGANA

डेरे, पाइपों में रहने वालों को क्या–क्या सुविधा नहीं होती सोचकर लिखो।

डेरे, पाइपों जैसे तात्कालिक आवासों में रहने वालों को कैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

आकाल पड़ने पर, गाँव में काम न होने पर कुछ लोग नौकरी के लिए शहर जाते हैं। इस तरह शहर जाने वाले लोगों को रहने के लिए घर नहीं होते। ऐसे कुछ लोग सड़क किनारे खाली स्थान दिखायी देने पर डेरे या झोपड़ी डालकर या पाइपों में अस्थायी आवास में रहते हैं।

संतोष ने शहर में बड़े–बड़े भवन देखे। “बाप रे! कितना बड़ा है!” मामाजी से पूछा कि इसमें कौन रहते हैं। शहर में स्थान की कमी होती है। इसीलिए सीमित स्थान में अधिक परिवारों के रहने के लिए ऐसे भवनों का निर्माण करते हैं। “इन्हें अपार्टमेंट कहते हैं”, मामाजी ने संतोष को बताया।

क्या तुमने इस तरह के आवास देखे हैं?

शहर में अपार्टमेंट अधिक होते हैं। साधारणतया एक घर में एक परिवार रहता है। अपार्टमेंट में कई परिवार रहते हैं। इसी के अनुरूप अपार्टमेंट बनाते हैं।

एक परिवार के रहने के लिए जो स्थान होता है, उसे फ्लैट कहते हैं।

एक अपार्टमेंट में लगभग 10 से 30 परिवार रहने के लिए फ्लैट होते हैं। बड़े नगरों में 100 फ्लैटों वाले अपार्टमेंट भी होते हैं।

SCERT TELANGANA

डेरे, पाइप, अपार्टमेंट के बारे में आपने जानकारी प्राप्त की! नीचे दिये चित्र देखो। इनमें से तुम्हारा घर कैसा हैं? बताओ।

तुम्हारे मित्रों के रहने वाले घरों के बारे में उनसे पूछकर जानकारी प्राप्त करो। किस तरह के घर में रहते हैं, पता लगाकर नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

मित्र का नाम	घर का प्रकार
1	
2	
3	
4	
5	

तुम्हारी तरह ही मित्रों ने भी तालिका तैयार की है इसलिए उनसे पूछकर तुम्हारी कक्षा में कितने लोग किस तरह के घर में रहते हैं, मालूम करो। अधिक लोग किस तरह के घर में रहते हैं, बताओ।

तुम्हें पता है?

यह लकड़ी से बना घर है। ये भूकंपीय क्षेत्रों में अधिक होते हैं।

यह नावघर है। कश्मीर, केरल राज्यों में इस तरह के घर होते हैं।

यह 'इग्लू' है। बर्फीले प्रांतों में होते हैं। इन्हें बर्फ से बनाया जाता है।

SCERT TELANGANA

घर की छतें

घरों के बारे में मालूम हुआ न!

तुम्हें घर की छत के बारे में मालूम होगा ही। घर के ऊपरी हिस्से को घर की छत कहते हैं। कुछ छते नीचे दी गयी हैं, उन्हें देखो।

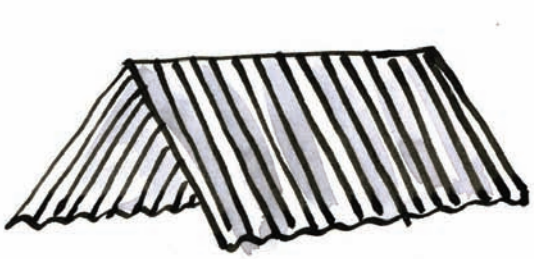

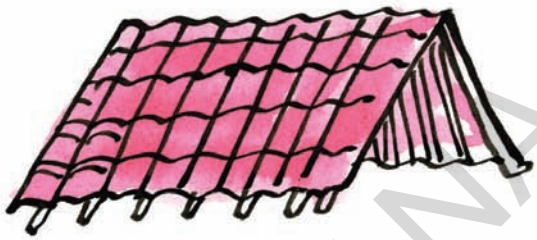

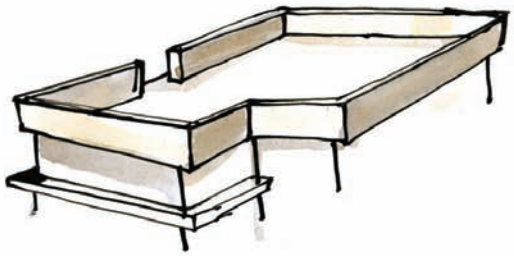

सभी घरों की छते एक जैसी हैं क्या? कुछ ढलानदार व कुछ मेज की आकार जैसे चौकोर होते हैं। तुम्हारे गाँव में घरों की अधिकतर छत कैसी होती हैं? बताओ।

क्या आप जानते है घरों की छतें ढलानदार क्यों होती हैं? प्रयोग कीजिए।

करके देखो :

तीन टिन, तख्तियाँ या मोटे गत्ते जैसे अट्टे लो। एक जमीन पर रखो। दूसरे को ईंट के सहारे रखो। तीसरे को दो ईंटों से सटाकर रखो। इस तरह रखने पर कौनसा अधिक ढलानदार होता है?

ज़मीन पर रखी टिन

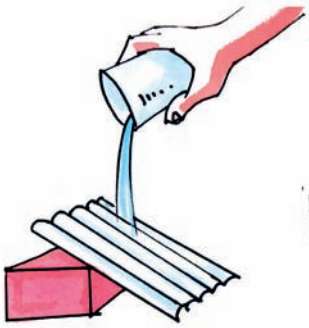

एक ईंट से सटाकर रखी हुई टिन

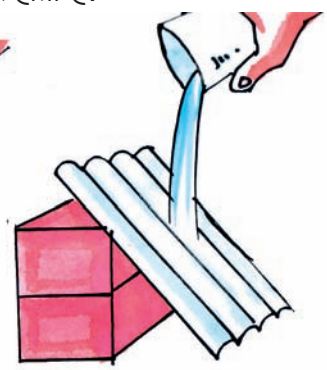

दो ईंटों से सटाकर रखी हुई टिन

SCERT TELANGANA

अब एक ग्लास में पानी लो। पहले वाले पर डालो। बाद में दूसरे वाले पर डालो। उसके बाद तीसरे वाले पर डालो। किस पर डाला गया पानी जल्दी से नीचे की ओर बह गया।

बताओ क्यों ?

घर की छत ढलानदार होने के कारण पानी जल्दी से नीचे की ओर चला गया। इसीलिए घरों की छतें ढलानदार बनाते हैं। इसके कारण बारिश के दिनों में बारिश होने पर पानी नीचे की ओर बह जाता है।

किंतु भवनों की छत ढलानदार नहीं होती है! बारीश का पानी नीचे कैसे आता है?

भवन, अपार्टमेंट की छत चौकोर दिखायी देने पर भी कुछ ढलानदार ही होती है। उस पर गिरने वाले बारीश के पानी को किसी एक कोने में जाने के लिए ढलानदार बनाया जाता है। वहाँ से पाइप या किसी छेद द्वारा पानी नीचे की ओर चला जाता है।

हमारे आवास तरह–तरह के होते हैं। उनमें खपरीले, झोपड़ियाँ, ढाबादार, टिन के घर जैसे अधिक होते हैं। ये सभी स्थायी आवास हैं। डेरे, पाइप जैसे अस्थाई आवासों में भी कुछ लोग रहते हैं। किंतु शहरों में अपार्टमेंट भी रहते हैं। उसी तरह कुछ प्रांतों में आवश्यकताओं के अनुरूप घरों का निर्माण करते हैं।

मुख्य शब्द

1.	तरह–तरह के घर	2.	घूमनेवाले	3.	अपार्टमेंट
4.	फ्लैट	5.	ढलानदार	6.	घरों की छतें
7.	इग्लू	8.	नावघर	9.	अस्थायी निवास

हमने क्या सीखा

- घास, खपरीले, टिन, ढाबा, बहुमंजिला इमारत वाले तरह–तरह के घर होते हैं।
- बाढ़, तूफान आने पर अस्थाई आवासों की व्यवस्था करते हैं। घूमने वाले, स्थानांतरित लोग डेरे जैसे अस्थायी आवास तैयार करते हैं।
- शहरों/नगरों में जिस तरह अपार्टमेंट में होते हैं, उसी तरह कुछ प्रांतों में बर्फ से बनाये घर, लकड़ी से बनाये घर, नावघर भी होते हैं।
- घरों की छतें ढलानदार होने के कारण बारीश का पानी तेजी से नीचे की ओर चला जाता है।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. नीचे दिये घरों में कौनसे अस्थायी आवास हैं? क्यों?

   डेरे, अपार्टमेंट, टिन की छत, पाइप आवास

2. तुम्हारे आवास प्रांत में पाये जाने वाले चार तरह के घरों के बारे में बताओ।

3. घरों की छतें ढलानदार क्यों होती हैं?

4. नीचे दिये गये घरों में क्या अंतर हैं, लिखो।

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।

2. तुम्हारे घर का चित्र उतारकर रंग भरो। तुम्हारे घर के बारे में लिखो।

SCERT TELANGANA

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम्हारे घर के आस–पास के कुछ घर देखो। उनकी छतें कैसी हैं, नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

क्र. सं.	घर का प्रकार	घर की छत	
		चौकोर	ढलानदार
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

1. किस तरह के घर अधिक हैं? .....
2. घर की छतें कैसी हैं? .....

2. माचिस की तीलियाँ, कागज, गत्तों तथा घास का उपयोग करते हुए घर का नमूना बनाओ।

प्रशंसा

1. तंबुओं, डेरों में रहने वालों की हम किस प्रकार की सहायता कर सकते हैं? तुम उनकी क्या–क्या सहायता करते हो?

प्रश्न करना

1. संतोष ने हैदराबाद में, अपार्टमेंट और पाइपों में रहने वालों को देखा ! उनके बारे में संतोष ने मामाजी से तरह–तरह के प्रश्न पूछे। वे प्रश्न क्या–क्या हो सकते हैं? तुम होते तो क्या प्रश्न पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	तरह–तरह के घरों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	चौकोर और ढलानदार छतों के बीच अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	विभिन्न प्रकार के घरों के चित्र उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	घरों से संबंधित समाचार इकट्ठा कर तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	तरह–तरह के घरों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

9. हमारा गाँव
(Our Village)

रंगापुरम के चारों ओर छोटे–छोटे पहाड़ हैं। गाँव के समीप नदी बहती है। गाँव के लिए नदी का पानी ही एक मात्र सहारा है। गाँवों में घर पास–पास होते हैं। गाँव में पानी की टंकी है। नलों की सहायता से पानी छोड़ा जाता है। गाँव में अनेक तरह के काम करने वाले लोग रहते हैं। अब हम रंगापुर गाँव के चित्र का अवलोकन करेंगे।

इसे गाँव का चित्र कैसे कह सकते हैं?

उक्त चित्र के आधार पर बताओ गाँव किसे कहते हैं?

चित्र के बारे में बात करें?

चित्र में आपने देखा कि रंगापुरम गाँव कैसा है? रंगापुरम गाँव में और क्या–क्या हैं नीचे दिये चित्र में देखकर बताओ।

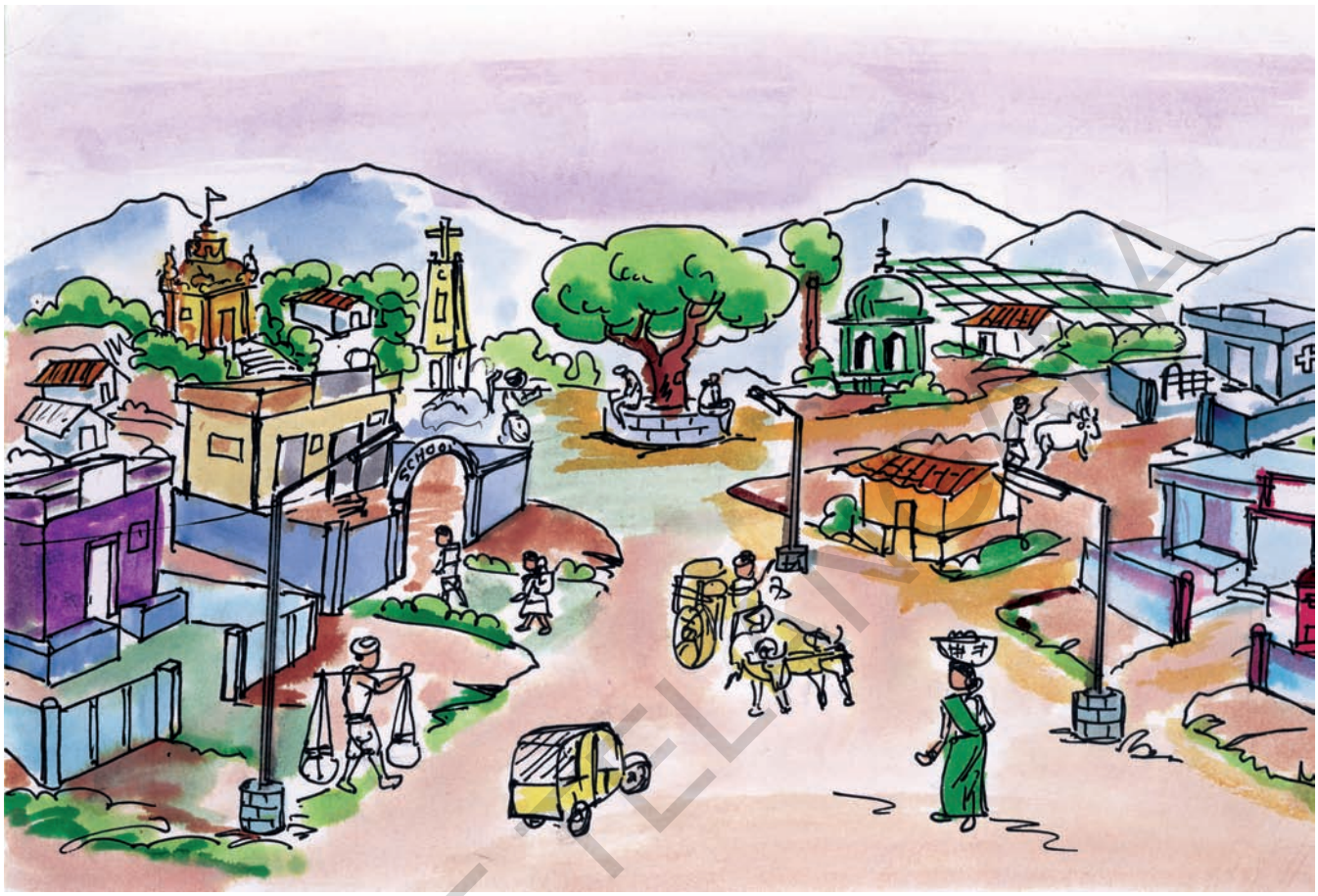

रंगापुरम गाँव में क्या–क्या है?
तुम्हारे गाँव में क्या–क्या हैं?

रंगापुरम गाँव में गलियाँ, तरह–तरह के घर, मंदिर, मस्जिद, चर्च, ग्राम पंचायत, प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र, पाठशाला, डाकखाना हैं क्या तुम इनके बारे में जानते हो?

ग्रामपंचायत कार्यालय/ग्राम सचिवालय

यह रंगापुरम ग्राम पंचायत कार्यालय है। ग्राम पंचायत के सदस्य पेयजल आपूर्ति, गलियों और नालियों की सफ़ाई, गलियों और सड़कों की लाइटों की देखभाल, जैसे कार्य करते हैं।

तुम्हारे गाँव की पंचायत क्या–क्या करती है?

SCERT TELANGANA

डाकघर

यह डाकघर है। इसके द्वारा पत्र भेजे जाते हैं, जीवन बीमा आदि काम करते हैं।

क्या तुमने अपने गाँव का डाक डिब्बा देखा है? वहाँ क्या–क्या डाला जाता है? डाकबाबू क्या–क्या काम करते हैं? उनका नाम क्या है?

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

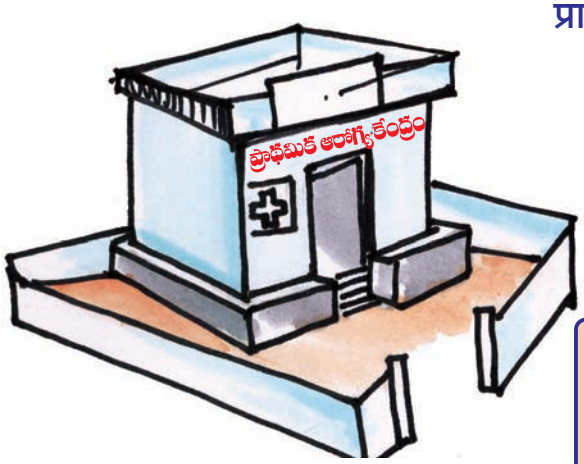

गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। इस केंद्र में डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मचारी रहते हैं। स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों को स्वास्थ्य संबंधी विषय के बारे में बताते हैं। पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। छोटे–छोटी बीमारियों के लिए दवा देते हैं।

तुम्हारे गाँव में पल्स पोलियो की बूँदें कौन पिलाता है? तुम्हारे गाँव में क्या स्वास्थ्य केंद्र है? वह क्या–क्या काम करता है?

पशु चिकित्सालय

हम जिस तरह बीमार होने पर स्वास्थ्य केंद्र जाते हैं, उसी तरह पशुओं को बीमारी होने पर पशु चिकित्सालय ले जाते हैं।

पशुओं को कब–कब अस्पताल ले जाते हैं, पूछकर लिखो। पशु चिकित्सालय न होने पर क्या होता?

बैंक

रंगापुरम गाँव में जनसंख्या अधिक होने के कारण ग्रामीण बैंक भी है। लोग अपने रुपये बैंक में जमा करते हैं। जनता की आवश्यकताओं के लिए बैंक ऋण भी देते हैं। उन्हें किश्तों में अदा करनी पड़ती है।

बड़े लोगों से पूछकर बैंकों से होने वाले अन्य लाभों के बारे में बताओ।

SCERT TELANGANA

पाठशाला

रंगापुरम गाँव में उच्च प्राथमिक पाठशाला भी है। यहाँ पर पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए पड़ोसी गाँव जाते हैं।

पाठशाला न होने पर क्या होता है?
तुम्हारे गाँव में आगे की पढ़ाई के लिए कहाँ जाते हैं?

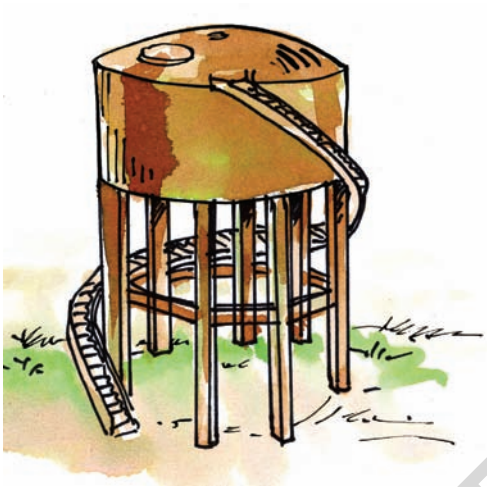

पानी की टंकी

पानी की टंकी की सहायता से पानी नलों में छोड़ा जाता है। टंकी को सप्ताह में एक बार धोया जाता है। पानी में क्लोरिन मिलाकर शुद्धिकरण कर नलों में छोड़ा जाता है। पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। पानी बर्बाद होने पर, पाइपों से पानी के लीकेज होने पर तुरंत ग्राम सरपंच को इसकी सूचना देनी चाहिए।

तुम्हारे गाँव में पानी कहाँ से लाया जाता है?
पानी की टंकी के उपयोग क्या हैं?

पूजा स्थल

नीचे दिया चित्र देखो। यहाँ कौन-कौन जाते हैं? कब-कब जाते हैं?

इसी तरह तुम्हारे गाँव में क्या-क्या हैं? वहाँ कौन-कौन जाते हैं? कब-कब जाते हैं?

SCERT TELANGANA

रंगापुरम गाँव के यातायात साधन

हमें किसी गाँव जाना होता है तो कैसे जाते हैं। तो रंगापुरम की यातायात व्यवस्था के बारे में पता लगाये? रंगापुरम गाँव में कौन–कौन से वाहन हैं,बताइए।

रंगापुर गाँव में सुबह–शाम बस आती है। नज़दीकी प्रांतों को ऑटों में जाते हैं। गाँव में किसान बैलगाड़ी का उपयोग खेती–बाड़ी के लिए करते हैं। छात्र आगे की पढ़ाई के लिए पड़ोसी गाँव बस में आते–जाते हैं।

तुम्हारे गाँव में कौन–कौन से वाहन आते हैं?
तुम्हारे गाँव के लोग किन–किन वाहनों में यात्रा करते हैं?

रंगापुरम गाँव में सामाजिक संस्थाओं, यातायात साधनों के बारे में आपने जानकारी प्राप्त की है!

SCERT TELANGANA

क्या आप जानते हो उस गाँव के लोग क्या काम करते हैं? अधिकतर लोग कृषि करते हैं। कुछ लोग मज़दूरी करते हैं। और गाँव में तरह–तरह के काम करने वाले लोग जैसे कुम्हार, लुहार भी रहते हैं। उसी तरह गाँव में बहुत पढ़े–लिखे लोग, नौकरी करने वाले लोग भी रहते हैं। और कुछ लोग छोटी–छोटी दुकान लगाकर व्यापार करते हैं। पाठशाला की उम्र वाले बच्चे गाँव की पाठशाला में जाकर पढ़ते हैं। बड़े लड़के पड़ोसी गाँव की पाठशाला में जाकर पढ़ते हैं। गाँव की सभी महिलाएँ पढ़ी–लिखी हैं। वे भी किसी न किसी काम में लगकर कमाती हैं।

तुम्हारे गाँव में क्या–क्या काम करने वाले लोग रहते हैं?

रंगापुरम गाँव में क्या–क्या हैं, इसके बारे में तुम्हें पता चल ही गया होगा। ऐसी सुविधाएँ सभी गाँवों में नहीं हो सकती। सभी गाँवों में ऐसी सुविधाएँ होने पर ही गाँव का विकास हो सकता है।

मुख्य शब्द

1.	गाँव	2.	ग्राम पंचायत	3.	बैंक
4.	पशु चिकित्सालय	5.	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	6.	डाकघर
7.	स्वास्थ्य कर्मचारी	8.	पूजा स्थल	9.	यातायात सुविधा
10.	सामाजिक संस्थाएँ	11.	जीवन बीमा	12.	पोलियो की बूँदें

हमने क्या सीखा

- साधारणतया गाँवों में ग्राम पंचायत, बैंक, पशु चिकित्सा केंद्र, पाठशाला, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डाकघर, मंदिर, मस्जिद, चर्च होते हैं।
- ग्राम पंचायत नाले साफ करना, गलियों में प्रकाश की व्यवस्था करना, कचरा साफ करना, पेयजल का प्रबंध करना जैसे काम करता है।
- गाँव में बैंक, पाठशाला, पशु चिकित्सालय, स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम पंचायत जैसी संस्थाओं के कारण कई लाभ होते हैं।
- गाँवों में यातायात की सुविधा होती है। विभिन्न तरह के यातायात साधन पाये जाते हैं।
- गाँवों में अलग–अलग तरह के काम करने वाले लोग रहते है।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो।

विषय की समझ

1. रंगापुरम गाँव में क्या–क्या है?
2. तुम्हारे गाँव/गली के पूजा स्थलों के नाम लिखो।
3. तुम्हारे गाँव में यदि पाठशाला नहीं होती तो क्या होता?
4. गाँव में बैंक होने से क्या लाभ होते हैं?
5. बैंक और डाकघर में क्या अंतर हैं, लिखो।

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. पाठशाला का चित्र उतारो। रंग भरो।

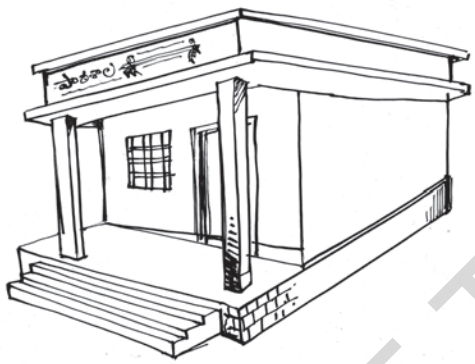

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

रंगापुरम गाँव में क्या–क्या हैं उन्हें नीचे दी गयी तालिका में लिखो। उसी तरह तुम्हारे गाँव में क्या–क्या हैं, लिखो।

क्र.सं.	रंगापुरम गाँव में हैं	तुम्हारे गाँव में हैं
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

SCERT TELANGANA

– रंगापुरम की कौनसी संस्थाएँ तुम्हारे गाँव में भी है?

– रंगापुरम गाँव में क्या–क्या हैं, तुम्हारे गाँव में क्या नहीं हैं?

– रंगापुरम गाँव में क्या नहीं हैं जो तुम्हारे गाँव में है?

3. तुम्हारे गाँव की सामाजिक संस्थाओं के बारे में पता लगाकर लिखो कि वे क्या–क्या काम करती हैं?

क्र. सं.	सामाजिक संस्थाएँ	उनके द्वारा किये जाने वाले काम

प्रशंसा

आपने जाना कि गाँव में बैंक, पाठशाला, डाकघर, चिकित्सालय आदि होने से क्या–क्या लाभ होते हैं, उन सेवाओं के बारे में तुम क्या सोचते हो?

प्रश्न करना

चिन्नय्या रंगापुरम गया। रंगापुरम के बारे में मालूम करना चाहा। इसके लिए वहाँ की पाठशाला में जाकर वहाँ अध्यापकों से गाँव के बारे में पूछा। उसने क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे? अध्यापक ने क्या–क्या उत्तर दिये होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.गाँव का अर्थ बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2. गाँव की सामाजिक संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले कामों के बारे में समझा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3. हमारे गाँव की संस्थाओं की जानकारी की तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4. गाँवों की संस्थाओ के उपयोगों के बारे में समझा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5. पाठशाला का चित्र उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6. गाँव के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

11. साफ़-सुथरा घर ही सुंदर घर
(Clean house is the beautiful house)

एक दिन रंगय्या अपने मित्र केशव से मिलने अपने बेटे मुरली के साथ इंद्रवेल्ली गाँव गया। वह एक आदिवासी गाँव था। उस गाँव में रंगय्या से परिचित कई लोग थे। रास्ते में सभी को अभिवादन करते हुए केशव के घर पहुँचा। "मुरली! यही केशव मामाजी का घर है।" यह घर कैसा है देखते हैं।

मामाजी का घर कितना सुंदर है ऐसा मुरली ने क्यों कहा?

घर की दीवारों पर क्या दिखायी दे रहा है?

क्या तुम्हारा घर भी इसी तरह है? या अलग है?

© TELANGANA

रंगय्या, मुरली चार दिन बाद वापस अपने गाँव लौटे। पाठशाला में मुरली की कक्षा में नया दाखिला लेने वाले जहाँगीर से मित्रता हुई।

जहाँगीर, मुरली को अपने घर ले गया। घर के सामने फूल के पौधे देखकर कहने लगा कि वे कितने सुंदर हैं। जहाँगीर ने बताया कि मेरे घर के चारों ओर कई सारे पौधे हैं।

जहाँगीर के घर के सामने क्या–क्या हैं?

चप्पल कहाँ पर हैं?

जहाँगीर, मुरली दोनों घर के अंदर गये। जहाँगीर का घर देखकर मुरली बड़ा खुश हुआ। “तुम्हारा घर बड़ा सुंदर है।”-मुरली ने कहा। मुरली ने ऐसा क्यों कहा होगा?

घर में पुस्तक कहाँ पर हैं? कैसे हैं?

कपड़े कहाँ पर हैं?

घर की दीवारें कैसी हैं?

SCERT TELANGANA

रविवार के दिन मुरली अपनी दीदी सरिता के साथ विजय के घर गया। विजय का घर इस तरह है।

विजय के घर के सामने फेंकी गयी प्लास्टिक थैलियाँ, बेकार कागज़ दिखायी दिये। मुरली, सरिता दोनों विजय के घर में गये। उन्हें विजय के घर के अंदर का दृश्य इस तरह दिखायी दिया।

विजय का घर कैसा है, देखा न! क्या घर इसी तरह से होना चाहिए। सोचो।

SCERT TELANGANA

विजय के घर के सामने से क्या हटाना चाहिए? लिखिए?

घर के सामने वाले स्थान को किस तरह साफ रख सकते हैं? बताओ?

चप्पल कहाँ पर हैं? किस तरह रखना चाहिए।?

घर में मक्खी, मच्छर क्यों हैं?

कपड़े कहाँ है, कैसे रखना चाहिए?

पुस्तकें, खेल सामग्री कैसे हैं? अगर तुम होते तो कैसे रखते?

जहाँगीर, विजय के घरों में तुम्हें किसका घर पसंद आया? क्यों?

मुरली के माता–पिता, दीदी सभी मिलकर रिश्तेदार की शादी के लिए गाँव गये। एक सप्ताह बाद वापस लौट आये। उनका घर एक कमरे का है। घर लौटने पर देखा कि हवा के झोंको से सारा कचरा उनके आंगन में जमा हो गया। जमीन पर सभी जगह धूल ही धूल थी। झाड़ू से साफ कर कचरा एक कोने में जमा किया। पानी से कमरा साफ किया। सरिता, मुरली मिलकर कमरे में पुस्तकें एक कोने में रख दिये।

पौधों को पानी डाला गया। सरिता ने टीवी पर जमी धूल भी साफ की। मुरली के माता–पिता घर में रसोईघर का सामान जमा था। उन्होंने कैसे जमाया, उसके बारे में नीचे दिया गया चित्र देखो।

SCERT TELANGANA

मुरली, सरिता की तरह तुम भी घर में काम करते हो?
क्या तुम्हारे घर को साफ रखते हैं?
पढ़ने के बाद तुम्हारी पुस्तकें, कलम, पेंसिल कहाँ रखते हो
तुम्हारे कपड़े तुम्हीं जमाते हो? या कौन जमाता है?
घर में फटे कागज़ या जमा हुई धूल दिखायी देने पर तुम क्या करेगो?

थोड़े घर देखने लायक होते हैं। कुछ घर देखने पर ऐसा लगता है कि इसको और अच्छे तरीके से सजाया जा सकता है। और कुछ लोगों के घर देखने पर गंदे दिखायी पड़ते हैं। घास, खपरीले, ढाबा चाहे जैसे भी घर हो, घर की वस्तुओं को सुंदर ढंग से रखने पर सुंदर, सुविधाजनक दिखायी देते हैं। और आनंददायक भी होता हैं।

हमारे घरों में हर दिन जमा हुई गंदगी, कचरा, व्यर्थ पदार्थ न फेंककर उसे उसी तरह से रखने पर क्या होता है?

हर घर में थोड़ा–बहुत कचरा होता ही है। अपने घर के कचरे की सफाई कर घर को साफ–सुथरा रखना चाहिए। हमारे घर के कचरे, गंदगी, व्यर्थ पदार्थों को कहाँ फेंकना ठीक होता है?

निम्न चित्रों को देखें।

चित्र में कचरा कहाँ फेंका जा रहा है?
कचरा कहाँ फेंकना चाहिए?
तुम्हारे घर के कचरे को कहाँ फेंकते हो?
तुम्हारी गली में कचरा कब और कौन साफ करता है?

SCERT TELANGANA

घर में जमा कचरा, व्यर्थ पदार्थ उसी तरह छोड़ देने पर बदबू आती है। मक्खियाँ, मच्छर फैलते हैं। ऐसे घरों को देखने पर साफ–सुथरे नहीं दिखायी पड़ते। हमें चिड़चिड़ा बनाते हैं और स्वास्थ्य को बिगाड़ देते हैं। इसीलिए व्यर्थ पदार्थों को तुरंत हटाना चाहिए। घर को साफ़ सुथरा रखना चाहिए।

मुख्य शब्द

1. सुंदर घर
2. सामानों को सही जगह पर रखना
3. घर को साफ रखना
4. घर के व्यर्थ पदार्थ

हमने क्या सीखा

- घर को साफ रखने, घर की वस्तुएँ ठीक तरह से रखने पर घर सुंदर दिखायी पड़ता है।
- घर में वस्तुएँ ऐसे–वैसे फेंकने से घर स्वच्छ नहीं दिखायी पड़ता। यह असुविधाजनक भी होता है।
- घर को साफ रखने के लिए घर के कचरे को कचरा पेटी में डालना चाहिए।
- हमें घर को साफ रखने के लिए आवश्यक कार्यों में सहायता करनी चाहिए।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. घर किसके कारण साफ नहीं दिखायी पड़ते?
2. तुम अपने घर को साफ रखने के लिए क्या करते हो? वैसे चार कार्यों के बारे में लिखो।
3. .तुम्हारा घर साफ–सुथरा रखने के लिए प्रतिदिन तुम क्या करते हो उन पर √ लगाओ।
   - पुस्तकें जमाता हूँ। ☐
   - नींद से उठने के बाद बिस्तर जमाता हूँ। ☐
   - चप्पल हमेशा चप्पल के रखने की जगह पर ही रखता हूँ। ☐
   - धूल वाली जगह पर झाड़ू मारता हूँ या पोंछकर साफ करता हूँ। ☐
   - दीवारों के किनारे जमा होने वाले जाले साफ करता हूँ। ☐
   - पौधों को हर दिन पानी देता हूँ। ☐
   - घर का कचरा, कचरा पेटी में ही डालता हूँ। ☐
   - प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करता हूँ। ☐
4. इसी तरह घर में जमा गंदे पानी को कहाँ फेंकना चाहिए। नहीं तो क्या होता है?
5. साफ–सुथरा घर ही सुंदर घर होता है। क्यों?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो, रंग भरो

1. पाठ पढ़ो। पाठ में दिये गये सुंदर घर का चित्र बनाकर रंग भरो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

तुम अपने मित्रों के घर जाओ। उनके घर कैसे हैं देखकर निम्न तालिका में लिखो।

	मित्र का नाम	घर साफ है या नहीं?	क्यों?
1			
2			
3			
4			

किन–किन लोगों के घर साफ हैं? क्यों? किन–किन के घर स्वच्छ नहीं हैं क्यों घर साफ रखने लिए तुम्हें क्या करना चाहिए।

प्रशंसा

1. रवि शाम को पाठशाला से घर पहुँचा। घर के सामने चप्पल बिखरे पड़े हुए हैं। सूखने के लिए डाले गये कपड़े नीचे गिरे पड़े हैं। इन सबकी परवाह किये बिना पुस्तकों की थैली घर में छोड़कर खेलने चला गया। ऐसा करना सही है क्या? तुम होते तो क्या करते?

प्रश्न करना

2. मुरली, सरिता विजय के घर गये। उसका घर साफ–सुथरा नहीं है। बिना साफ–सफाई वाले घर को देखते हुए मुरली, सरिता ने विजय से कुछ प्रश्न पूछे? उन्होंने कौनसे प्रश्न पूछे होंगे? विजय ने क्या उत्तर दिये होंगे।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	साफ और अस्वच्छ घर के बीच अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	घर को साफ रखने में मैं भी सहायता करता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	किन–किन लोगों के घर सुंदर हैं? तालिका बनाकर समझा सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	सुंदर घर का चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	अस्वच्छ घर के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

12. चिकनी मिट्टी का कमाल
(Gems of Clay)

विनायक चतुर्थी का त्यौहार आया। गौतमी के घर में गणेश की मूर्ति का दरबार लगाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए दादाजी से गणेश की मूर्ति खरीदने के लिए कहा। गौतमी और दादाजी मिलकर खिलौने खरीदने बाज़ार गये। रास्ते में एक स्थान पर रंग–बिरंगे खिलौने दिखायी दिये।

गौतमी : दादाजी! वह टेलीफोन, रिमोट खिलौने देखिए न कितने सुंदर हैं!

दादाजी : वे प्लास्टिक से बनाये गये खिलौने हैं।

गौतमी : दादाजी इस खिलौने को देखिए न, कितने सुंदर हैं.

दादाजी : ये लकड़ी से बने खिलौने हैं। हमारे राज्य के निर्मल, इन खिलौनों के लिए प्रसिद्ध है।

गौतमी : दादाजी! गणेशजी की इन मूर्तियों को देखिए न, कितने सुंदर हैं! इन्हें खरीदिए दादाजी।

दादाजी : वे देखने में सुंदर है लेकिन वह प्लास्टर आफ़ पैरिस से बनाए गए। ये पर्यावरण को हानि पहुँचाते हैं। यह गणेशजी की मूर्ति देखो, ये चिकनी मिट्टी से बनी है। इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचती है। यह सस्ती भी है।

गौतमी को मिट्टी से बने खिलौने बहुत पसंद आये। उन्हें खरीदकर आगे बढ़े। थोड़ा आगे बढ़ने पर कई तरह के दीप दिखायी दिये। गौतमी ने कहा दादाजी! वे भी खरीदते हैं। "तुम्हें पता है ये भी मिट्टी के बने हैं!" दादाजी ने कहा। गौतमी को बड़ा आश्चर्य हुआ।

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें मालूम है ?

SCERT TELANGANA

विनायक चतुर्थी त्योहार के लिए गणेश की मूर्ति मिट्टी से अथवा प्लास्टर आफ़ पैरिस से बनाते हैं। मिट्टी से बनी मूर्ति का ही उपयोग करे। क्योंकि मिट्टी के मूर्ति को पानी में डालन पर धुल जाएगी। जल प्रदूषण नहीं होगा।

मिट्टी से खिलौनों के अलावा और क्या-क्या बनाते हैं, बताओ।

नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें क्या कहते हैं? ये किससे तैयार किये जाते हैं पता है? किस लिए उपयोग करते हैं बताओ।

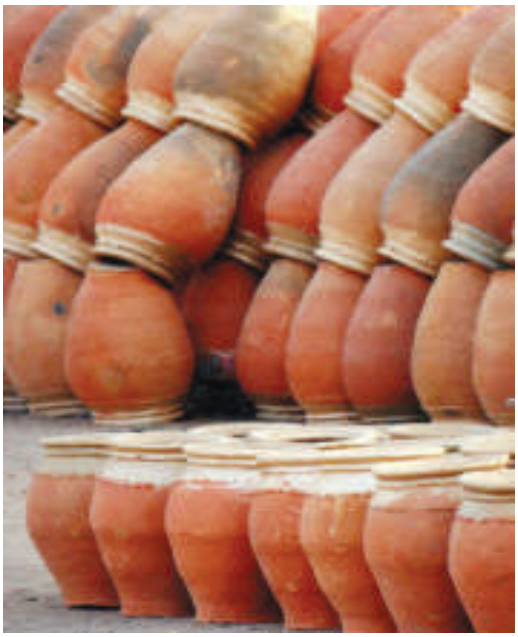

इस तरह की बनायी गयी वस्तुएँ क्या तुम्हारे घर में भी हैं? उनके नाम पता लगाकर बताओ।

हमने मिट्टी के द्वारा बनायी गयी वस्तुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

घड़े, सुराही, हंडी, आदि का इस्तेमाल पानी के पात्रों के रूप में होता है। गर्मियों के दिनों में इनमें रखा पानी ठंडा होता है। हमारे राज्य के आदिलाबाद जिले में तैयार होने वाले मिट्टी के पात्र (रंजन) बड़े प्रसिद्ध हैं। किंतु मिट्टी के पात्रों में चावल, जौ आदि भी रखा जाता है। पशुओं को पानी पीने के लिए मिट्टी के बड़े-बड़े पात्र भी बनाये जाते हैं।

दीपावली त्यौहार के दिन मिट्टी से बनाये गये दियों में दीप जलाये जाते हैं। मिट्टी के साथ कांच और लोहे के दियों में घर-घर रंगीन दीप जलाये जाते हैं। गमले में मिट्टी भरकर छोटे-छोटे पौधे लगाये जाते हैं। ये भी मिट्टी के बने होते हैं।

SCERT TELANGANA

तुम्हें पता है इस तरह के मिट्टी के बर्तन, घड़े कौन तैयार करता है? राजय्या मिट्टी लाकर घड़े किस तरह बनाता है, नीचे दिये गये चित्रों से पता चलता है।

राजय्या घड़े बनाने के लिए मिट्टी लाता है।

चिकनी मिट्टी में पानी डालकर उसे पैर से खुंदलकर नरम बनाता है।

नरम मिट्टी लेकर कुम्हार चक्की पर रखकर घुमाता है। हाथ से घड़े का आकार बनाता है।

चक्की पर तैयार किये गये घड़े को सही आकार देने के लिए लकड़ी के टुकड़े से ठोकता है।

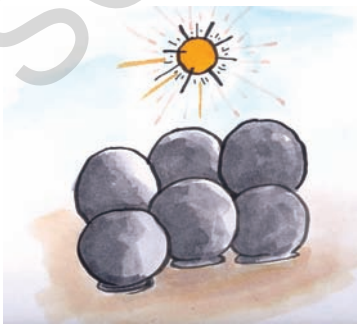

तैयार किये गये घड़ों को पहले छाया में और बाद में धूप में रखकर सुखाता है।

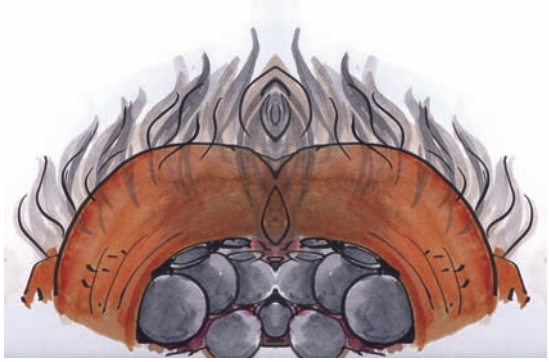

धूप में सुखाये गये घड़ों को बाद में आग की भट्टी में रखकर जलाता है।

SCERT TELANGANA

इस तरह तैयार किये गये घड़े, मटके, सुराही, गमले आदि बाज़ार में बेचे जाते हैं। घड़े खरीदते समय उस पर अंगुली से मारने पर टंग–टंग की आवाज़ आने पर खरीदते हैं। ऐसा क्यों करते हैं, सोचिए।

मिट्टी के बर्तन बड़े अच्छे होते हैं। हमारे पूर्वज मिट्टी के बर्तनों का अधिक उपयोग करते थे। इनकी कीमत भी कम होती है।

मिट्टी से तरह–तरह की वस्तुएँ तैयार करते हैं। उसका हम उपोयग करते हैं। गौतमी एक बार अपने सगे–संबंधियों के घर गयी। उनके घर में तरह–तरह की वस्तुएँ देखीं। वे वस्तुएँ प्लास्टिक, अल्युमीनियम, मिट्टी, लोहा, स्टील, लकड़ी आदि से बनी थी। उसने चिकनी मिट्टी और अन्य वस्तुओं से बनी किन–किन वस्तुओं को देखा होगा? उनका विवरण तालिका में लिखो।

क्र. सं.	देखी गयी वस्तुएँ	वे जिनसे तैयार की गयी हों उन पर √ लगाओ।					
		स्टील	प्लास्टिक	अल्यु मीनियम	मिट्टी	लकड़ी	लोहा
1.	बाल्टी						

घरों में किसकी बनी वस्तुएँ अधिक इस्तेमाल करते हैं?

घरों में किसकी बनी वस्तुएँ कम इस्तेमाल करते हैं?

मिट्टी के बर्तनों का उपयोग क्यों कम हो गया है?

SCERT TELANGANA

वाह कितने अच्छे हैं।

गौतमी अपने सगे–संबंधियों के घर में तरह–तरह की सब्जियाँ और फलों को देखा। उसे बहुत अच्छे लगे। उसे लेकर देखा। आश्चर्यचकित रह गयी। पता हैं क्यों! वे सभी मिट्टी से बनी और रंगी हुई थीं। उन चित्रों को देखो। इन्हें तुम भी तैयार कर सकते हो। चिकनी मिट्टी में पानी मिलाकर, उसे नरम बनाओ। उससे सब्जियाँ, फल, खिलौने आदि तैयार करो। रंग भरो।

मुख्य शब्द

1. खिलौनों का दरबार
2. मिट्टी के खिलौने
3. मिट्टी के बर्तन
4. चिकनी मिट्टी कुम्हार
5. चक्की
6. लकड़ी का टुकड़ा

हमने क्या सीखा

- मिट्टी से घड़े, मटके, सुराही, गमले दीपक आदि तैयार किये जाते हैं।
- खिलौनों के दरबार में मिट्टी से बनाये खिलौने भी रखते हैं।
- गणेश चतुर्थी त्यौहार के समय मिट्टी से बनायी गयी गणेश कि मूर्तियाँ लगानी चाहिए।
- चिकनी मिट्टी से कुम्हार चक्की का उपयोग करते हुए घड़ों का निर्माण करता है।
- हमारे पूर्वज मिट्टी के बने बर्तनों का अधिक उपयोग करते थे।
- इस बीच मिट्टी के पात्रों का उपयोग कम हो गया है।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. मिट्टी से बनायी गयी वस्तुओं के कोई तीन उदाहरण दो।
2. स्टील, मिट्टी के बर्तनों के बीच के अंतर को लिखो।
3. तुम्हारे घर में मिट्टी से बनी कौन–कौन सी वस्तुएँ हैं? उनका उपयोग किसके लिए करते हैं?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो, रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो.

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. बाजार जाकर मिट्टी से बनी कौन–कौन सी वस्तुएँ बेची जा रही हैं, उनकी तालिका बनाओ। उसी तरह उनकी कीमत भी पता करो।

2. मिट्टी से तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, खिलौने तैयार करो। उनमें रंग भरो।

प्रशंसा

1. मिट्टी से तरह–तरह की वस्तुएँ, खिलौने बनाते हैं यह तुमने जान लिया है ना! इस तरह मिट्टी से बनायी वस्तुओं के उपयोग से होने वाले लाभ क्या हैं? मिट्टी से बनी वस्तुएँ तैयार करने वाले राजय्या जैसे लोग मिलने पर तुम उनकी किस तरह से प्रशंसा करोगे?

प्रश्न करना

1. तुम्हारी कक्षा में घड़े बनाने वाला राजय्या, खिलौने बनाने वाली सीतम्मा आये तो उन्हें क्या प्रश्न पूछोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	मिट्टी के बर्तन, अन्य बर्तनों के बीच साम्यता व अंतर बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	मिट्टी से घड़े कैसे तैयार कर सकते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	मिट्टी से तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, खिलौने तैयार कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	मिट्टी के बर्तन उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	मिट्टी से क्या–क्या वस्तुएँ तैयार कर सकते हैं, समझा सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	मिट्टी के बर्तनों, खिलौनों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ.।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 3

13. रंग–बिरंगे कपड़े
(Colourful Clothes)

माता–पिता के साथ मिलकर लक्ष्मी त्यौहार के लिए कपड़े खरीदने बाज़ार गयी। वहाँ उन्होंने दुकान में तरह–तरह के कपड़े देखे। लक्ष्मी के माता–पिता ने लक्ष्मी और उसके भैया के लिए भी कपड़े खरीदे। माता–पिता ने अपने लिए भी कपड़े खरीदे। लक्ष्मी के माता–पिता ने क्या–क्या कपड़े खरीदे होंगे सोचो और लिखो।

लक्ष्मी के लिए खरीदा गया	लक्ष्मी के भैया के लिए खरीदा गया	माँ के लिए खरीदा गया	पिता के लिए खरीदा गया

लक्ष्मी, उसका भैया तो छोटे हैं! उनके माता–पिता तो बड़े हैं! क्या इन सभी ने एक जैसे ही कपड़े खरीदे? या अलग–अलग कपड़े खरीदे? नीचे दिये चित्र देखो। इनमें बच्चे क्या पहनते हैं और बड़े क्या पहनते हैं? बताओ।

SCERT TELANGANA

छोटे बच्चों द्वारा और बड़ों के द्वारा पहने जाने वाले कपड़े अलग–अलग होते हैं ! तो फिर तुम्हारे घर में छोटे बच्चे, पुरुष, स्त्रियाँ पहनने वाले कपड़े कैसे होते हैं? नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

छोटे बच्चे पहनने वाले कपड़े	पुरुष पहनने वाले कपड़े	महिलाएँ पहनने वाले कपड़े

उक्त कपड़ों में तुम्हें कौन से कपड़े पसंद हैं? क्यों?

लक्ष्मी नया फ्राक पहनकर मेरी के घर गयी। यह फ्राक बहुत अच्छा है। कहाँ से खरीदा? मेरी ने पूछा। उसने बताया कि उसके पिताजी ने दुकान से खरीदा। मेरी के पिताजी भी क्रिसमस त्यौहार के लिए कपड़ा खरीदकर उसके लिए फ्राक सिलवाया। लक्ष्मी ने तो बना–बनाया फ्राक पहना है! मेरी के पिताजी ने कपड़ा खरीदकर सिलाया है!

यदि तुम होते तो कैसे कपड़े सिलाते?
बिना सिलाये खरीदकर पहने जाने वाले कपड़े कौन–कौन से हैं?

हमारे शरीर को धूप, बारीश, सर्दी से बचाने के लिए कपड़े पहनते हैं। सर्दी के दिनों में सर्दी से बचने के लिए, बारीश के दिनों में बारीश से बचने के लिए, विशेष कपड़े पहनते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। वे कब पहनते हैं, बताओ।

SCERT TELANGANA

हम सभी कपड़े पहनते हैं। यह बहुत जरूरी है। अलग–अलग प्रांत वाले, अलग–अलग धर्म–संप्रदाय के अनुरूप कपड़े पहनते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें कौन पहनते हैं? उनकी विशेषताएँ क्या होती हैं, बताओ।

साधारणतया त्यौहारों, शादियों जैसे अवसरों पर विशेष कपड़े पहने जाते हैं। तुम भी त्यौहार के समय या शुभकार्यों या जन्मदिन के अवसर पर किस तरह के कपड़े पहनते हो? तुम्हारे मित्र भी तुम्हारी तरह ही कपड़े पहनते हैं?

पाठशाला जाने वाले बच्चे विशेष कपड़े या गणावेष (यूनिफार्म) पहनते हैं ! उसी तरह अलग–अलग तरह के पेशे वाले लोग जेसे, पुलीस, डॉक्टर, नर्स, वकील, पाइलट, बडे – बडे होटलों के रसोइए काम करते समय विशेष प्रकार के कपड़े पहनते हैं। इन्हें कौन पहनता है बताओ।

© SCERT TELANGANA

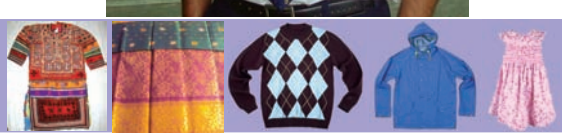

बस चलाने वाले ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर, कारखानों में काम करने वाले कर्मचारी, बैंकों, बड़े–बड़े कंपनियों में काम करने वाले सुरक्षाकर्मी आदि जैसे लोग काम करते समय विशेष कपड़े पहनते हैं। हमारे देश में जिला, राज्य, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अलग–अलग तरह की खेल प्रतियोगिताओं में भी खेलते समय विशेष कपड़े पहने जाते हैं।

बताओ कि तुम्हारे प्रांत में इस तरह काम करने वाले कौन–कौन से लोग रहते हैं? वे किस तरह के कपड़े पहनते हैं?

हम तरह–तरह के कपड़े पहनते हैं, पता हैं ना! हमारा कपड़ा पहनना कितना ज़रूरी है उतना ही ज़रूरी साफ कपड़ा पहनना है। अनिवार्य रूप से हर दिन सुबह स्नान करने के बाद धुले हुए साफ कपड़े पहनना चाहिए। हमारे द्वारा उपयोग में लायी जाने वाली दस्ती, तौलिया आदि हर दिन धोना चाहिए।

तुम्हें पता है?

सूती कपड़े कपास के धागे से बुने जाते हैं। रेशम के कीटों से निकलने वाले धागे से रेशमी कपड़े बुने जाते हैं।

पहले कैसे कपड़े पहने जाते थे?

अब हम तरह–तरह के कपड़े पहनते हैं। इनमें कुछ सिलाये होते हैं, और कुछ सीधे–सीधे तैयार किये होते हैं। उन्हीं को रेडिमेड कपड़े के रूप में खरीद रहे हैं। पहले यानी हमारे दादाजी, दादीजी, नानीजी उनके बचपन में किस तरह के कपड़े पहने जाते थे? उसी तरह तुम्हारे माता–पिता बचपन में किस तरह के कपड़े पहनते थे। क्या वे अब छोटे बच्चों द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों के जैसे ही थे? पता लगाओ और तालिका में लिखो।

माता–पिता द्वारा बचपन में पहने गये कपड़े	दादा–दादी द्वारा बचपन में पहने हुए कपड़े	अब छोटे बच्चों द्वारा पहने जाने वाले कपड़े

चलो डिजाइन बनाते हैं!

SCERT TELANGANA

किसी भी रंग के कपड़ों पर डिजाइन होने से वे सुंदर लगने लगते हैं। इन्हीं के आधार पर कपड़े पसंद करते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। वे कैसे हैं बताओ? उनमें तुम्हें कौनसा पसंद आया? और क्यों? बताओ।

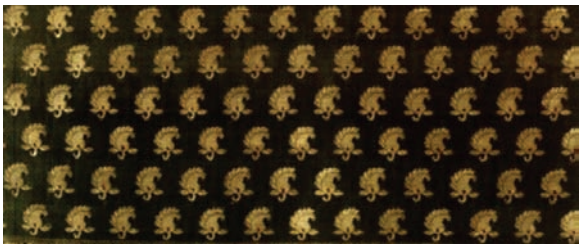

क्या तुम्हें पता है कि हम इस तरह की डिजाइन बना सकते है.

डिजाइन बनाना सीखो

तुम्हारे नज़दीक दर्जी की दुकान पर जाकर कपड़े के टुकड़े जमा करो।

एक भिंडी लेकर आड़े में काटो। कटे हुए टुकड़े को रंग या स्याही में डुबाओ। सफेद कागज़ या कपड़े पर लगाओ। तुम्हारी पसंदीदा डिजाइन बना लो।

इस तरह भिंडी, आलू के टुकड़े या हाथ के अंगूठे और पैर के निशान आदि से भी रंगों में डुबाकर तरह–तरह के डिजाइन बना सकते हैं।

मुख्य शब्द

1.	कपड़ों की आवश्यकता	2.	तरह–तरह के कपड़े	3.	पेशे के अनुसार कपड़े
4.	वातावरण के अनुरूप कपड़े	5.	साफ कपड़े	6.	डिजाइन
7.	रेडिमेड कपड़े	8.	सिलाये जाने वाले कपड़े	9.	गणावेष (यूनिफार्म)

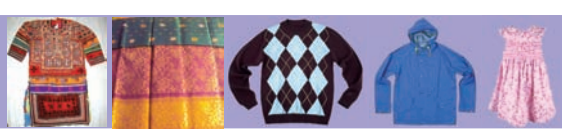

हमने क्या सीखा

- कपड़े हमारी मूलभूत आवश्यकता है। बच्चे, बड़े, महिलाएँ, पुरुष तरह–तरह के कपड़े पहनते हैं।
- कुछ लोग रेडिमेड कपड़े खरीदते हैं, तो कुछ लोग कपड़ा खरीदकर सिलाते हैं।
- संप्रदायों के अनुरूप त्यौहारो, शादियों के अवसर पर विशेष कपड़े पहने जाते हैं।
- विभिन्न तरह के पेशे में काम करने वालों को उस पेशे से संबंधित विशेष परिधान पहनने पड़ते हैं।
- वातावरण के अनुरूप विशेष ढंग के कपड़े पहने जाते हैं।
- कपड़ों पर रंगों से तरह–तरह के डिजाइन बनाते हैं।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. हमें कपड़े क्यों पहनना चाहिए?
2. बच्चे, महिलाएँ, पुरुष पहनने वाले कपड़ों के तीन उदाहरण बताओ।
3. किस–किस पेशे के लोग विशेष कपड़े पहनते हैं??
4. पुरुष और स्त्रियों के कपड़ों के बीच क्या अंतर हैं?
5. सिलाये हुए कपड़े, बने बनाये कपड़ों में तुम्हें कौन से कपड़े पसंद हैं, तीन कारण बताओ, लिखो।
6. हमें साफ–सुथरे कपड़े पहनने चाहिए। क्यों?

चित्र उतारो, रंग भरो

1. नीचे दी गयी डिजाइन देखो। तुम उतारो। तुम्हारा पसंदीदा रंग भरो।

SCERT TELANGANA

2. तुम्हारी पसंद के कपड़ों के चित्र उतारो। रंग भरो।

3. साड़ियों पर तरह–तरह के डिजाइन होते हैं। तुम भी अपने घर की किसी पसंदीदा साड़ी की डिजाइन देखकर नोटबुक में उतारो। प्रदर्शन करो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम अपने मित्रों से पूछकर त्यौहार के समय पहने जाने वाले कपड़ों की जानकारी इकट्ठा करो और नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	त्यौहार का नाम	कौनसा कपड़ा खरीदा गया?	रेडिमेड कपड़े या सिले–सिलाये कपड़े?

- ✍ अधिकांश लोगों ने कौन से कपड़े खरीदे? किन–किन त्यौहारों पर खरीदा?
- ✍ अधिकांश लोगों ने रेडिमेड कपड़े खरीदा या कपड़ा खरीदकर सिलाया है?

2. तुम्हारी पसंद के डिजाइन के टुकड़े इकट्ठा करो। उन्हें चार्ट पर चिपकाकर कक्षा में दिखाओ।

3. विभिन्न प्रांत के लोगों की वेश–भूषा वाले चित्र समाचार पत्रों से इकट्ठा करो। चार्ट पर चिपकाओ।

प्रशंसा

1. कुछ लोगों के पास पहनने के लिए कपड़े नहीं होते। उसी तरह कुछ लोगों के पास आगजनी, बाढ़, भूकंप, तूफान के कारण भी उनके पास कपड़े नहीं होते। ऐसे लोगों की हम कैसे सहायता कर सकते हैं?

प्रश्न करना

1. कपड़े खरीदने के लिए लक्ष्मी अपने माता–पिता के साथ बाज़ार गयी। लक्ष्मी के माता–पिता ने दुकानदार से कौन–कौन से प्रश्न पूछे होंगे? हमें कपड़े खरीदते समय प्रश्न क्यों करने चाहिए?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	कपड़ों की आवश्यकता बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	तरह–तरह के कपड़ों के बारे में जानकारी को तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	अलग–अलग तरह के पेशे वाले पहनने वाले कपड़ों की ज़रूरत बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	साफ–सुथरे कपड़े पहनना ज़रूरी है, इसीलिए हर दिन साफ कपड़े ही पहनूँगा।	हाँ / नहीं
5.	तरह–तरह के डिजाइन के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	तरह–तरह के कपड़ों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

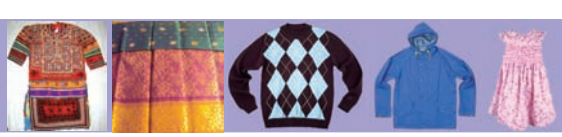

इकाई 4

14. मैं यहाँ - आप कहाँ?
(I am here- where are you?)

बिंदु तीसरी कक्षा में पढ़ रही है। बिंदु के साथ राजु, रमा, सतीश इस तरह बहुत सारे बच्चे हैं। वे सभी बेंचों पर क्रम से बैठे हैं। उनकी कक्षा को देखते हैं।

TELANGANA

- पहली पंक्ति में कौन बैठे है?
- अंतिम पंक्ति में कौन बैठे हैं?
- बीच वाली पंक्ति में कौन बैठे हैं?

नीचे दी गयी तालिका में नाम लिखो। इनके आगे, पीछे, बाएँ, दांएँ कौन बैठे हैं, तालिका में लिखो।

छात्र का नाम	आगे	पीछे	बांएँ	दांएँ
बिंदु				
मेरी				
इस्माइल				
रहीम				

बिंदु की कक्षा को देखा कौन–कौन कहाँ बैठते हैं, अपने मित्रों से पूछो और चर्चा करो। नीचे दिये चित्र में लिखो।

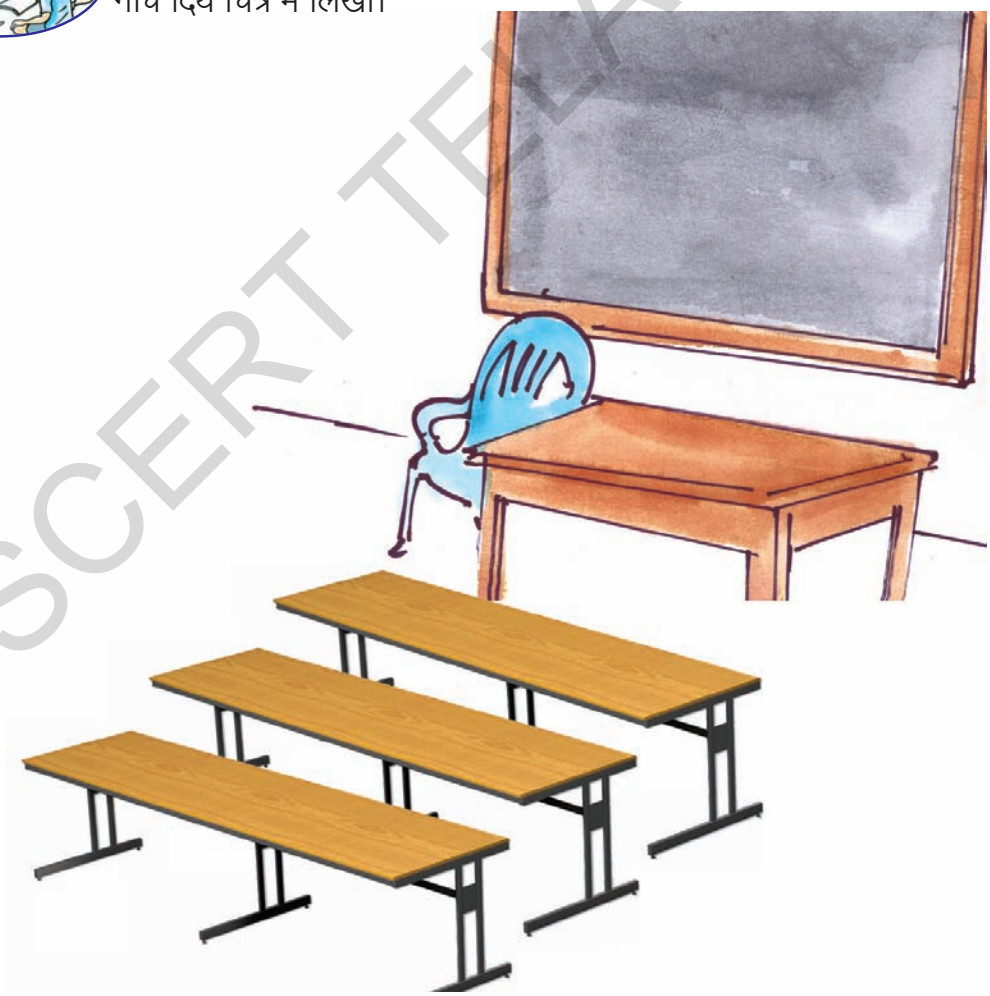

SCERT TELANGANA

बिंदु की कक्षा कैसी है, कौन–कौन कहाँ–कहाँ बैठे हैं लिखा है ना? तो बताओ तुम्हारी कक्षा में कितने छात्र हैं? कौन–कौन कहाँ–कहाँ बैठते हैं, बता सकते हो? नीचे दिया गया वर्ग तुम्हारी कक्षा मान लो। बिंदु की कक्षा की तरह तुम्हारी कक्षा में

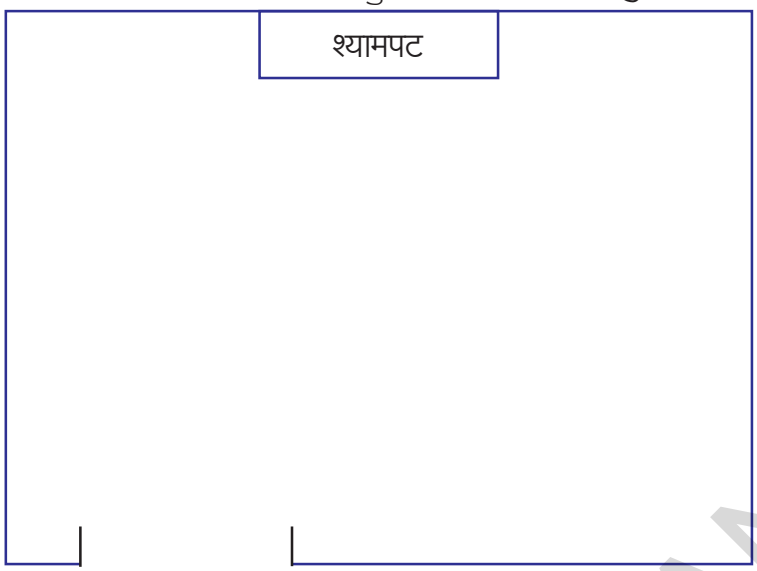

- श्यामपट कहाँ है?
- कुर्सी कहाँ है?
- मेज कहाँ हैं?
- अगली पंक्ति में कौन–कौन बैठे हैं, उनके नाम लिखो। शेष पंक्तियों में बैठेने वालों के नाम लिखो।

तुम्हारी कक्षा में कौन–कौन कहाँ बैठता है, चित्र में देखो। अब हम बिंदु की पाठशाला देखते हैं।

© TELANGANA

बिंदु की पाठशाला के मानचित्र को इस तरह भी खींचा जा सकता है। उस पाठशाला का चित्र देखो।

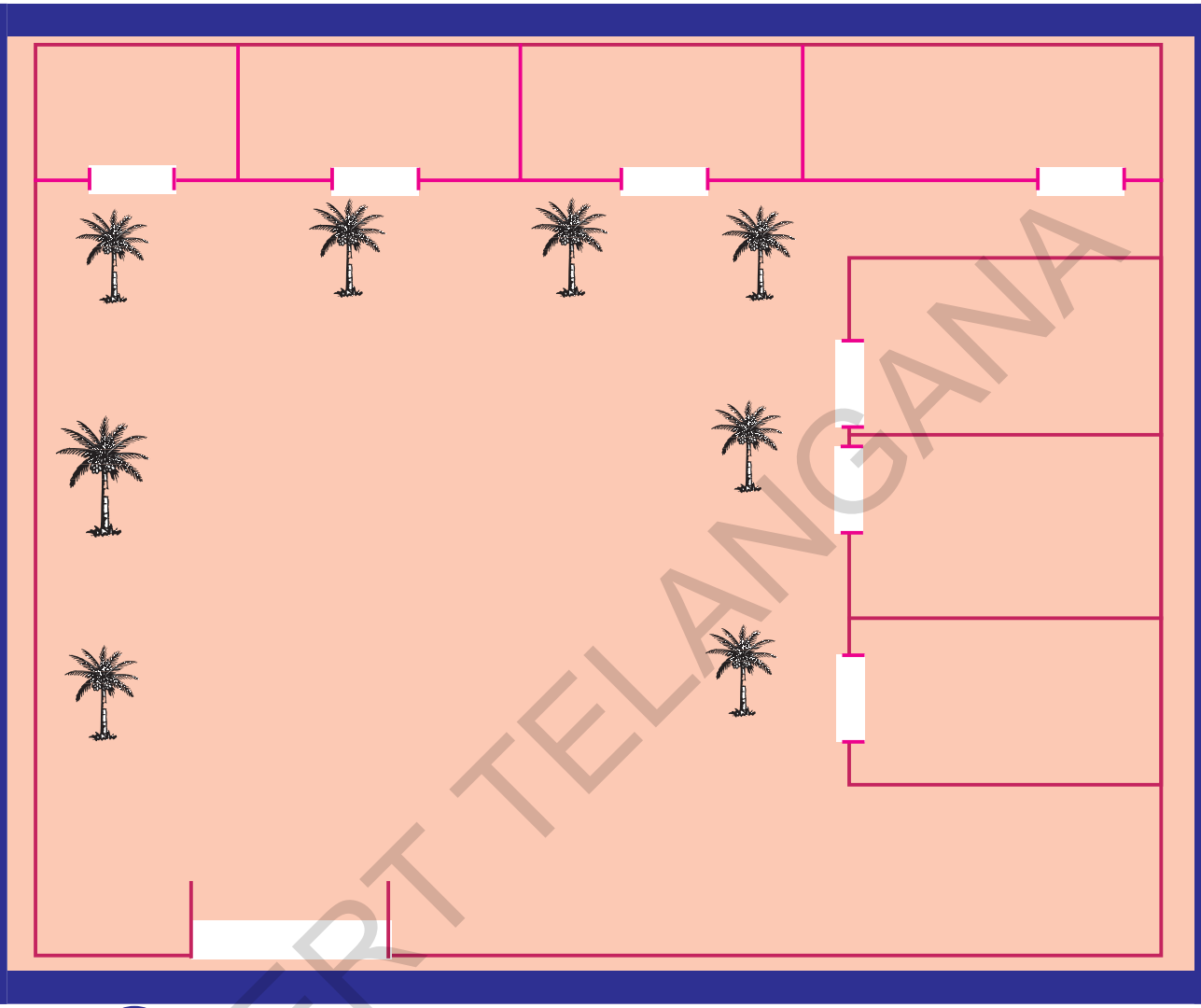

बिंदु की पाठशाला में नीचे सात कमरे, ऊपर भी सात कमरे हैं। इसी तरह खाली स्थान में आठ नारियल के पेड़ हैं। उस पाठशाला के चित्र को ऊपर बताये अनुसार उतार सकते हैं। तो फिर तुम्हारी पाठशाला में कितने कमरे हैं? खाली स्थान में कौनसे पेड़ हैं? कितने पेड़ हैं?

तुम भी अपनी पाठशाला का चित्र ऊपर बताये अनुसार सफेद कागज़ पर उतारो।

उतारने से पहले पेड़ों के लिए एक संकेत बना लो।

कमरे और दरवाजे कहाँ हैं, उसे ऊपर बताये अनुसार उतारो।

पाठशाला के लिए चारदीवारी, फाटक, ध्वजावरोहण स्थल कहाँ है, उसके आधार पर मानचित्र बनाना चाहिए।

SCERT TELANGANA

बिंदु के गाँव में क्या–क्या हैं? उसी तरह बिंदु के घर से पाठशाला आते समय क्या–क्या हैं, पता है?

नीचे दिया मानचित्र देखो। तुम्हारे मित्रों से मिलकर चर्चा करो।

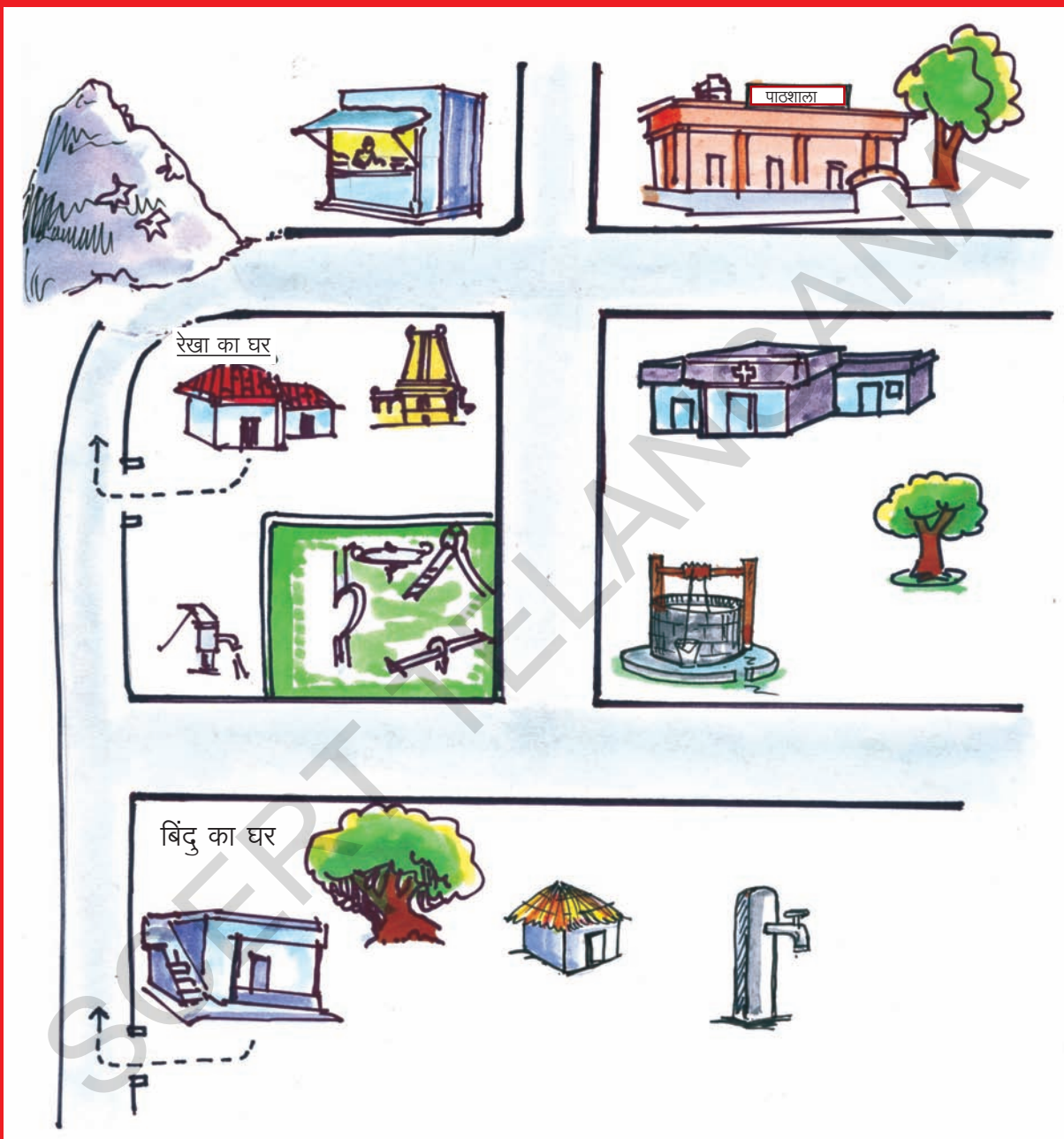

SCERT TELANGANA

- पाठशाला किसके घर के समीप है? बिंदु के? रेखा के?
- बिंदु पार्क से होते हुए पाठशला जाते समय रास्ते में क्या–क्या हैं?
- बिंदु की पाठशाला को किन–किन रास्तों से जा सकते हैं, रेखा खींचकर बताओ।

एक प्रांत के घर, पाठशाला, अस्पताल, बगीचा, पानी का पंप आदि को उसी तरह एक चित्र में बताना असंभव है। ऐसी चीज़ों को चिन्हों के माध्यम से बता सकते हैं।

नीचे दिये चिन्हों का उपयोग करते हुए बिंदु के गाँव के मानचित्र में क्या–क्या कहाँ–कहाँ हैं, बताओ।

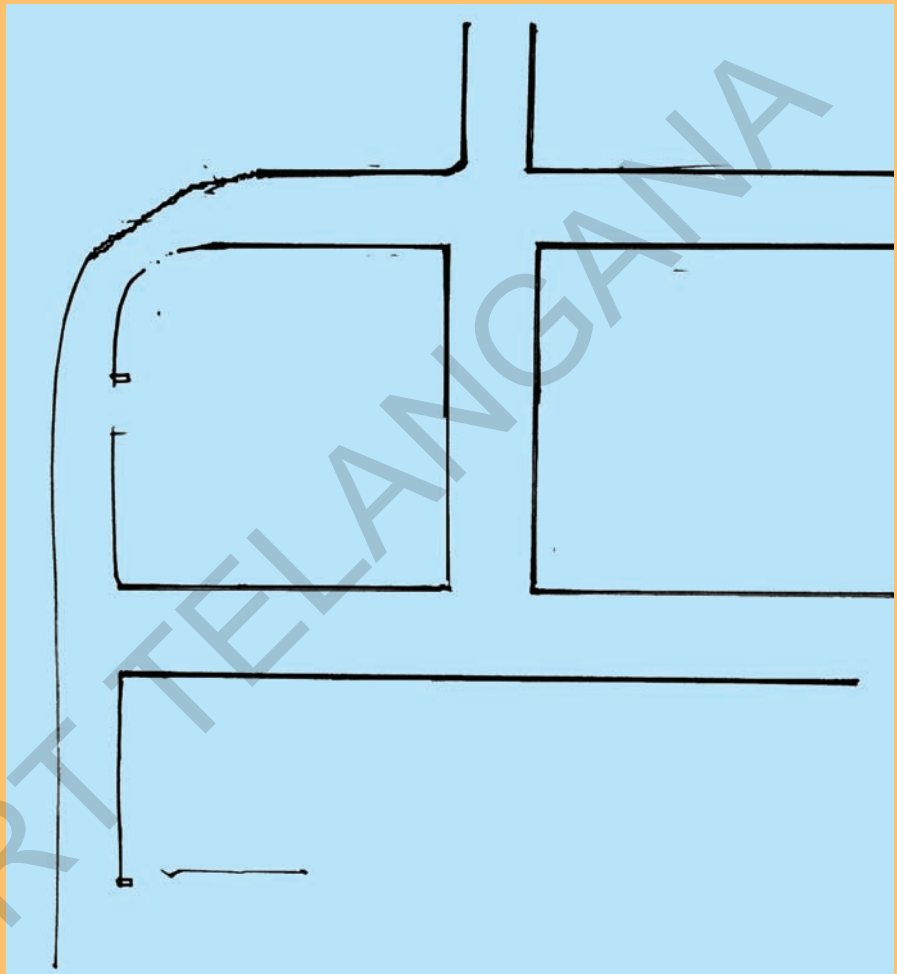

SCERT TELANGANA

बिंदु के गाँव का मानचित्र देखा न! इसमें चिन्हों के माध्यम से बताया गया है। तो फिर तुम्हारे गाँव/बस्ती से पाठशाला पहुँचने के रास्ते को रेखा खींचकर बता सकते हो? इसके लिए नीचे बताए अनुसार करो।

- पहले तो अपनी पाठशाला को पहचानकर उसे यह [S] चिन्ह लगाओ।
- तुम्हारी पाठशाला से तुम्हारा घर कहाँ है, पहचानो, उन्हें भी चिन्हित करो।
- उसी तरह तुम्हारे मित्रों के घर भी कहाँ हैं, पहचानो। उन्हें चिन्हित करो।
- अब तुम्हारे घर से तुम्हारी पाठशाला के लिए सड़क / रास्ता उतारो।
- उसी तरह तुम्हारे मित्रों के घर से पाठशाला तक की सड़क उतारो।

✍ अब तुम घर से पाठशाला पहुँचने वाले रास्ते के दाईं और बांईं ओर क्या है, बताओ। अगर पेड़ हो तो   चिन्ह लगाओ। मंदिर हो तो   चिन्ह लगाओ। मस्जिद हो तो   चिन्ह लगाओ। चर्च हो तो   चिन्ह लगाओ। डाकघर हो तो PO चिन्ह लगाओ। अस्पताल हो तो   चिन्ह लगाओ। पार्क हो तो   चिन्ह लगाओ।

तुम्हारी पाठशाला से तुम्हारे घर तक पहुँचने के रास्ते का मानचित्र देखो। इसी तरह तुम्हारे गाँव का चित्र भी उतार सकते हो। उसी तरह तुम्हारे गाँव के बारे में, या किसी भी प्रांत के बारे में चिन्हों की सहायता से बता सकते हो।

मुख्य शब्द

1. मानचित्र
2. प्रांत
3. चिह्न
4. आगे–पीछे
5. मार्ग

हमने क्या सीखा

– कक्षा कक्ष, पाठशाला, गली, गाँव... इस तरह सभी मानचित्र उतार सकते हैं।

– मानचित्र में पाठशाला, अस्पताल, पार्क जैसी जगह चिह्नों से चिन्हित की जाती है।

– एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए चिह्न हमारी मदद करते हैं।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. तुम्हारे घर से पाठशाला जाते समय क्या किधर हैं?

दांईं ओर...

बांईं ओर...

तुम्हारे घर के किस तरफ किसका घर है बताओ।

दाँईं ओर	बांईं ओर	आगे	पीछे

SCERT TELANGANA

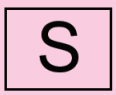

चित्र कौशल

1. चित्र देखो।

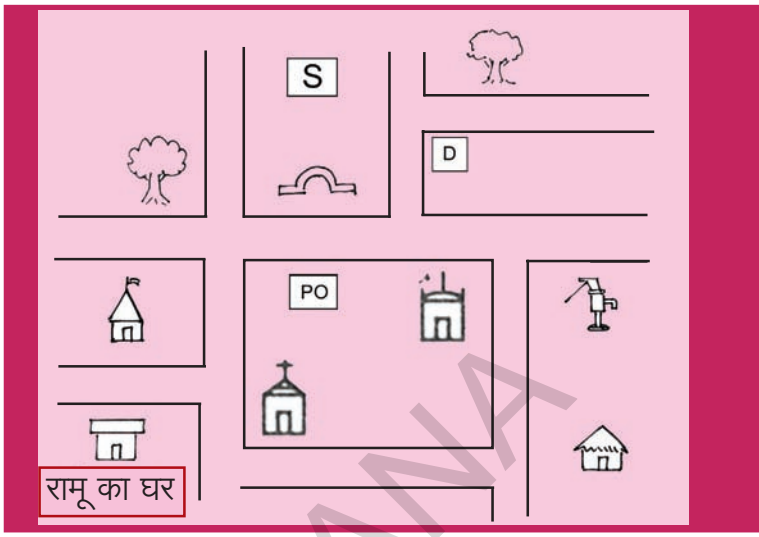

- चिह्नों के आधार पर रामू के गाँव में क्या-क्या हैं, बताओ।
- रामू के घर के सामने से अस्पताल जाने वाले रास्ते को रेखा खींचकर बताओ।
- रामू के घर से पाठशाला जाने वाले रास्ते बताओ।

सूचना कौशल-परियोजना कार्य

1. तुम्हारे गाँव में / मोहल्ले में क्या-क्या है उसके बारे में जानकारी इकट्ठा करो। (डाकघर, पाठशाला, मंदिर, थाना, बैंक, राशन की दुकान, अस्पताल आदि।) एक-एक के बारे में एक-एक चिह्न का उपयोग करते हुए तुम्हारे गाँव की गलियों, सड़कों को बताओ। गाँव में क्या किधर हैं, चिह्नों के माध्यम से व्यक्त करो। उन्हें लिखो। गाँव का मानचित्र तैयार करें। वे संस्थाएँ क्या काम करते हैं, वे बच्चों को किस तरह सहायक होते हैं? लिखो।

प्रश्न करना

1. बिंदु के मित्र गाँव का मानचित्र उतारना चाहते थे। इसके लिए वे सभी उनके अध्यापक के पास गये। अध्यापक से तरह-तरह के प्रश्न पूछे। उसी तरह तुम भी तुम्हारे गाँव/मोहल्ले का मानचित्र उतारकर अध्यापक से क्या-क्या प्रश्न पूछोगे? लिखो।
2. तुम, किस-किस समय पर अध्यापक की सहायता लेते हैं?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

–	मैं मानचित्र समझ सकता हूँ	हाँ / नहीं
–	मानचित्र में दिखाये जाने वाले चिह्न समझ सकता हूँ।	हाँ / नहीं
–	घर से पाठशाला जाने वाले मार्ग का नक्शा बना सकता हूँ।	हाँ / नहीं
–	कक्षा, पाठशाला के मानचित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
–	गाँव का मानचित्र उतारने के लिए प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 4

15. पानी – हमारी आवश्यकताएँ
(Water – Our needs)

कक्षा कक्ष में सभी छात्र मिलकर यह गाना गा रहे हैं। तुम भी गाओ और गाने के बारे में बातचीत करो।

रिमझिम–रिमझिम करती बारिश – हल्की बूँदों वाली बारिश,
धरती भीगी लेकर बारीश – इंद्रधनुष क्या आएगा?
काले बादल लेकर नभ में दौड़ी जाय प्यारी बारिश।
हवा की ठंडी लहरों से, गिरती है यह प्यारी बारिश,
लय और ताल, राग अलापे, कितनी प्यारी है यह बारिश,
कुँए, तालाब भरने वाली जल का भंडार है यह बारिश,
सबकी प्यास बुझाने वाली जीवन रूपी है यह बारिश,
प्राणीकोटि के कंठों की प्यास बुझाती है यह बारिश,
सोने जैसी फसलें उपजाये धरती का वरदान है बारिश,
पर्यावरण की हरियाली बनकर खुशियाँ देती हैं बारिश।।

बारिश का पानी कहाँ–कहाँ जाता है?
पानी कहाँ–कहाँ मिलता है?

SCERT TELANGANA

नहरें, नल, कुँए, नदी जैसे पानी के संसाधनों से हमें पानी मिलता है। हम साधारणतया कुँए, नल, नलकूप, नहरों से पानी लाकर बर्तनों में संग्रह कर आवश्यकतानुसार उसका उपयोग करते हैं।

सलीम के घर में पानी संग्रह करने के लिए नीचे दिये गये बर्तनों का उपयोग होता है। इन्हें देखो।

चित्र में दिखाये गये बर्तनों में अगर पानी भरा हो तो–

किसमें अधिक पानी भर सकते हैं?

तुम्हारे घर में पानी भरने के लिए किन–किन बर्तनों का उपयोग करते हैं?

हम अपने घरों में पानी का संग्रह बिंदली, घड़े, बकेट आदि में करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के लिए उनका उपयोग करते हैं।

हमें पानी की आवश्यकता क्यों है?

हम प्रतिदिन सुबह जागने से लेकर रात में सोने तक पानी को कई आवश्यकताओं के लिए उपयोग में लाते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। वे क्या कर रहे हैं?

SCERT TELANGANA

मित्रों से चर्चा कर लिखें कि पानी का उपयोग किस–किस के लिए होता है? किन–किन कामों में पानी की ज़रूरत अधिक होती है और किन–किन कामों में जरूरत कम होती है।

क्या पौधों को जीने के लिए पानी की आवश्यकता है?

हमें पानी ज़रूरी है, पता चल गया तो हमारी तरह और किन्हें पानी की आवश्यकता है? हमारे साथ–साथ पौधों को भी पानी की ज़रूरत है? सोचो और नीचे बताये अनुसार करो।

करो और बताओ।

दो पौधे लो। एक को हर दिन पानी दो। दूसरे को पानी न दो। इस प्रकार एक सप्ताह यह प्रक्रिया करो। बाद में दोनों पौधों को देख परिणाम तालिका में लिखो।

सप्ताह	क्या हुआ?	
	पहला पौधा	दूसरा पौधा
सोमवार		
मंगलवार		
बुधवार		
गुरुवार		
शुक्रवार		
शनिवार		
रविवार		

पहला पौधा

दूसरा पौधा

पानी नहीं देने पर पौधे सूख जाते हैं। इसीलिए घरों और पाठशालाओं के पौधों को हर दिन पानी देना चाहिए। तभी पौधे अच्छी तरह बढ़ते हैं और सुंदर दिखते हैं।

सलीम पाठशाला स्वच्छता समिति का सदस्य है। मित्रों के साथ मिलकर उसने गुलाब, मंदार, गनेर जैसे पौधे लाकर लगाये। उन्हें हर दिन पानी से सींचा। कुछ ही दिनों में उन पौधों में फूल खिलने लगे।

प्रार्थना सभा में अध्यापकों ने सलीम की प्रशंसा की। साथ ही पाठशाला के सभी बच्चों से पौधों को पानी देने के लिए कहा।

क्या तुम भी इसी तरह पौधों को पानी से सींच रहे हो? तुम्हारे घर, पाठशाला में पेड़ पौधों को पानी डालो। तुम्हारे द्वारा पानी डाले गए पौधे को अगर फूल खिलते हैं तो तुम्हें कैसा लगता है? बताओ।

SCERT TELANGANA

जानवरों को पानी की आवश्यकता है।

एक दिन मधु किशन के घर गया। किशन के घर में जगह-जगह पानी के बर्तन दिखायी दिये। किशन ने जब उस बर्तन में पानी डाला तो मुर्गियाँ आकर पानी पीने लगीं। मुर्गी के पानी पीने का तरीका मधु को मनमोहक लगा। इससे तुमको क्या पता चलता है? जिस तरह हमें और पौधों को पानी की आवश्यकता होती है, उसी तरह जानवरों को भी पानी की आवश्यकता होती है। कुछ उदाहरणों की सहायता से बताओ। अपने मित्रों के साथ सोचो।

क्या तुम्हें पता है?

ऊँट एक बार पानी पीकर बहुत दिनों तक बिना पानी पिये रह सकता है। जब पानी मिलता है, तो अधिक मात्रा में पानी पीकर उसका संग्रह शरीर में करता है।

– तुमने किन-किन जानवरों को पानी पीते हुए देखा है?
– जानवरों को पानी पीने के अलावा और किन-किन आवश्यकताओं के लिए पानी चाहिए?

पौधों, जानवरों और मनुष्यों को जीने के लिए पानी चाहिए।

हमें कैसा पानी पीना चाहिए?

मधु और किशन पाठशाला में खेल रहे थे। मधु को प्यास लगी। तुरंत जाकर गिलास को घड़े में डुबाना चाहा। किशन ने मधु का हाथ पकड़कर कहा कि इस तरह पानी में हाथ नहीं डालना चाहिए। किशन ने मधु के साथ ऐसा क्यों किया होगा? हाथ में गिलास लेकर उसे सीधे घड़े में डुबोने से क्या होता होगा? सोचो।

करो-बताओ।

किशन दो बड़े काँच के गिलास लाया। दोनों को पानी से भरा। एक गिलास के पानी में उसे हाथ डालने के लिए कहा। मधु ने ऐसा ही किया। क्या हुआ होगा? तुम इस तरह करके देखो। पहले गिलास में अपना हाथ डुबाओ। गिलास में पानी का रंग कैसे बदला? दूसरे गिलास का पानी कैसा है? किस गिलास का पानी गंदा हुआ। यह गंदगी कहाँ से आयी? इससे तुमको क्या पता चला?

1ला गिलास 2रा गिलास

SCERT TELANGANA

जब हम खेलते हैं और काम करते हैं तो हमारे हाथों में गंदगी लगती है। हाथों को बिना धोये पीने के पानी में डुबोने से यह गंदगी उसमें चली जाती है। इस तरह का पानी पीने से बीमारियाँ आती हैं। इसलिए धूल–मिट्टी से दूर रहने वाला साफ़ पानी पीना चाहिए। कुएँ, गड्ढे, तालाब, नलों में पानी रहता है, यह तो मालूम है।

नीचे दिये गये तालाब का चित्र देखो।

तालाब में कौन–कौन क्या–क्या कर रहा है?

उनके कामों के द्वारा तालाब के पानी का क्या–क्या हो रहा है?

इस तालाब के पानी को पीने से क्या होगा?

तालाबों और कुंओं में कचरा, धूल के साथ कपड़े धोने और बर्तन साफ करने के कारण गंदगी फैलती है। इसके साथ ही हमें हानि पहुँचाने वाले कीटाणु पानी में फैलते हैं। ऐसे पानी को 'गंदा पानी' कहते हैं। इसे 'जल प्रदूषण' भी कहते हैं। ऐसा पानी पीने से उल्टियाँ, दस्त, पीला बुख़ार, हैजा जैसी बीमारियाँ होती हैं।

SCERT TELANGANA

अच्छी आदतें

हमें होने वाली अधिक बीमारियाँ गंदे पानी के पीने से ही होती हैं। इसके लिए हमें कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए। हमें अच्छी आदतें होनी चाहिए। वे क्या हो सकती हैं? सोचकर बताओ।

घड़े के पानी को डोंगे की सहायता से गिलास में डालकर पीना चाहिए।
गिलास से पानी पीते समय उसे मुँह से नहीं लगाना चाहिए। गिलास ऊपर उठाकर पीना चाहिए।
तालाब और कुंओं का पानी नहीं पीना चाहिए।
पंप और नल द्वारा आने वाले सुरक्षित पानी को ही पीना चाहिए।
छाना हुआ पानी पीना चाहिए।
एक बार उपयोग में लायी गयी प्लास्टिक की बोतल जो मोटी न हो उसमें पानी नहीं पीना चाहिए। प्लास्टिक बोतल के पानी में प्लास्टिक गलकर विषैला पदार्थ बन जाता है। मोटी प्लास्टिक की बोतल में ही पानी लाना चाहिए।

क्या स्वच्छ पानी सभी को मिलता है?

रजनी के घर में नल है। नल से आने वाले पानी का उपयोग केवल वे ही करते हैं। वेंकन्ना के घर में नल नहीं है। वे मोहल्ले के नल से पानी लाते हैं। इस मोहल्ले के नल के आस-पास कैसा है, चित्र में देखो।

ऐसी जगहों से लाकर पानी पीने से क्या होता है?
मोहल्ले के नलों के पास स्वच्छता रखनी हो तो हमें क्या करना चाहिए?

साधारणतया पानी को घड़े में भरकर रखते हैं। कुछ लोग मटकों में भरकर रखते हैं। क्या तुमने मटके का पानी कभी पिया है? कैसा लगता है? मटके में पानी भरने के एक घंटे बाद उसे देखें। तुमने क्या देखा? पानी ठंडा होता है। रजनी ने मामाजी के घर बिजली की सहायता से पानी साफ करने वाला यंत्र (Water Purifier) देखा।

SCERT TELANGANA

और पूछा कि यह क्यों हैं? यह पानी 'स्वच्छ बनाता है' – रजनी के मामा ने कहा। क्या तुम्हारे गाँव में भी इसी तरह पानी कनस्तरों में लाते हैं? ऐसा क्यों मंगाते हैं? और किन–किन के घरों में पानी साफ करने के ऐसे यंत्र हैं? पता करके बताओ?

पानी में क्लोरिन की दवाई या ब्लीचिंग पाउडर डालने पर कीटाणु मर जाते हैं।

पानी की कमी

रजनी के घर के कुँए से हाथ से पानीखींचा जाता है। रजनी की माँ ने गर्मी के दिनों में कुँए में बाल्टी छोड़ी। किंतु बाल्टी पानी तक नहीं पहुँची। क्योंकि रस्सी कम पड़ गयी। माँ ने रजनी से रस्सी लाने के लिए कहा। रजनी ने आश्चर्य से पूछा– रस्सी तो है न? फिर क्यों रस्सी चाहिए? माँ ने उत्तर दिया कि यह गर्मी के दिन हैं, पानी गहराई में चला गया। बाल्टी पानी तक नहीं पहुँच रही है।

इस तरह कुँए का पानी अंदर क्यों चला गया?
किस मौसम में कुँए का पानी कम होता है और क्यों?

गर्मी के दिनों में कुँए और तालाब सूख जाते हैं। नलकूपों का भी पानी कम हो जाता है। गाँव के लोगों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार पानी नहीं मिलता। इस तरह की स्थिति को 'पानी की कमी' या 'पानी की समस्या' कहते हैं। ऐसे गाँवों को सरकार ही टैंकरों द्वारा पानी भेजती है। क्या तुम्हारे गाँव में ऐसा कभी हुआ? टैंकरों से कभी पानी लाया गया क्यों लाया गया? और किन–किन परिस्थितियों में टैंकरों से पानी लाया जाता है?

SCERT TELANGANA

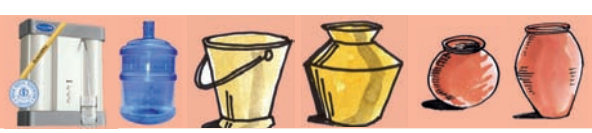

अगर गर्मी में पानी न मिले तो क्या–क्या समस्याएँ होती हैं?
गर्मी में पानी की कमी को दूर करने के लिए क्या–क्या करना चाहिए?

पानी की बचत

रहीम गर्मियों की छुट्टियों में हैदराबाद आया। उसने चाचाजी के घर के पिछवाड़े में गड्ढ़ा देखा "यह किस लिए है?" यह गड्ढ़ा बरसात का पानी संग्रह करता है। बारीश के दिनों में बरसे पानी को इस गड्ढे की ओर मोड़ देने पर भूमि में पानी का स्तर बढ़ता है। रहीम के चाचा ने कहा कि भूमि में पानी का स्तर बढ़ाना जितना ज़रूरी है उतना ही उसका बचत कर इस्तेमाल करना भी है। बचत के साथ पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। अब तुम्हें पता चल ही गया होगा कि पानी की बचत करनी चाहिए। नीचे दिये चित्र देखो। इससे तुम क्या समझते हो?

पहले चित्र में पानी क्या हो रहा है? ऐसा क्यों हो रहा है। दूसरे चित्र में क्या हो रहा है? इस तरह पानी कब–कब बर्बाद होता है? तीसरा चित्र देखो पानी किस तरह बर्बाद हो रहा है? इससे किसका नुकसान हो रहा है? ऐसी स्थिति में पानी को बर्बाद होने से कैसे रोका जा सकता है?

© SCERT TELANGANA

पानी हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है। हमारे जीवन के लिए पानी ज़रूरी है। ऐसे पानी को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। पानी की बचत करनी चाहिए। स्वच्छ पानी ही पीना चाहिए। प्रदूषित पानी पीने से बीमारियों आती हैं।

पानी की बर्बादी रोकें – पानी की बचत करें – यह हमारा कर्त्तव्य है।

मुख्य शब्द

1.	पानी जमा करना	2.	पानी के उपयोग	3.	स्वच्छ पानी
4	प्रदूषित पानी	5.	पानी बर्बाद करना	6.	जल संचय गड्ढ़े

हमने क्या सीखा

– झील, नहर, कुंएँ, तालाब, नदियाँ जैसे पानी के स्रोत से पानी प्राप्त होता है।

– पीने, कपड़े धोने, बर्तन मांजने, स्नान करने जैसे कार्यों के लिए पानी का उपयोग करते हैं।

– जीव–जंतु, पौधे के जीने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।

– सामान्यतया पानी घड़े, बाल्टी, मटके, नांद, टंकी में जमा किया जाता है।

– प्रदूषित पानी पीने से कई तरह की बीमारियाँ होती हैं।

– पानी संभालकर उपयोग करना चाहिए। साफ पानी ही पीना चाहिए।

– पाइप, टंकी, नलों का पानी बेकार न हो, इसका ध्यान रखना चाहिए।

इन्हें करो।

विषय की समझ

1. पानी न होने पर क्या होगा?
2. पानी के स्रोतों के कुछ उदाहरण दो। तुम्हारे प्राँत में कौनसे पानी के स्रोत हैं?
3. तुम्हारे घर में पानी किसमें जमा करते हैं?
4. तुम्हारे घर में कब–कब पानी बेकार होता है? इसे रोकने के लिए तुम क्या करोगे?
5. तुम्हारे परिसर में पानी कहाँ–कहाँ बर्बाद हो रहा है, उदाहरण दो।
6. तालाब और नल के पानी में कौनसा पानी पीने के लिए अच्छा होता है? क्यों?
7. पानी की बचत करनी चाहिए। इसके लिए तुम्हारे द्वारा किये जाने वाले कोई पाँच काम बताओ।

SCERT TELANGANA

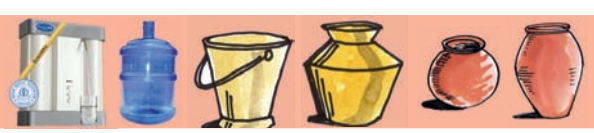

8. हम सभी को स्वच्छ पानी क्यों पीना चाहिए?

9. कुछ प्राँतों में पीने, अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए टैंकरों से पानी भेजा जाता है। उस प्रांत के लोगों को पानी का उपयोग कैसा करना चाहिए?

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. तुम्हारे घर में पानी किस में जमा करते हैं? उनके चित्र उतारो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. हम प्रतिदिन पानी पीते हैं। कितनी बार पीते हैं, मालूम करना चाहते हो! तो इस तरह करो। तुम सुबह से लेकर सोने से पहले रात तक कितने गिलास पानी पीते हैं, गिनो। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

पानी पीने का समय	कितने गिलास पानी पिया

SCERT TELANGANA

– कुल कितने गिलास पानी पिया?

– किस समय अधिक बार पानी पिया?

– तुम्हारी तरह तुम्हारे मित्रों ने भी लिखा। वे कितने गिलास पानी पीते हैं, पता लगाओ।

– तुमसे अधिक पानी पीने वाला कौन है?

– तुम से कम पानी पीने वाला कौन है? सबसे ज्यादा किसने पानी पिया?

– सबसे कम पानी किसने पिया?

प्रशंसा

लता एक दिन खेलने के लिए अपनी सहेली के घर जा रही थी। रास्ते में कुछ लोग नल को बंद किए बिना कपड़े धो रहे थे। यह देखकर लता ने नल बंद किया और पानी बर्बाद न करने के लिए कहा। लता ने जो किया क्या वह ठीक है या नहीं? क्यों?

प्रश्न करना

1. सोमू ने पानी की बचत और स्वच्छता के बारे में मालूम करना चाहा। इसके लिए अपने अध्यापक के पास गया। सोमू अपने अध्यापक से कौन–कौन से प्रश्न पूछे होंगे? अध्यापक ने क्या उत्तर दिया होगा?

2. जंगु एक बार हैदराबाद गया। वहाँ टैंकरों के माध्यम से पानी लाते हुए देखा। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ। टैंकरों में पानी लाने की क्या आवश्यकता है? वहीं पास में खड़े हुसैन के दादाजी से पूछा। जंगु ने क्या पूछा होगा? अगर तुम होते तो क्या पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. हमें किन–किन स्रोतों से पानी प्राप्त होता है, उनके बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2. पानी किस तरह गंदा होता है, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3. पानी की बचत कैसे और क्यों करना है, के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4. हमारे प्रांत के पानी स्रोतों की पहचान कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5. पानी की बर्बादी, बचत के बारे में प्रश्न कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 4

16. गाँव चलें!
(Let's go to Village)

अब्दुल्ला अपने सगे–संबंधियों के घर में शादी के लिए माँ, पिता के साथ मिलकर मुंबई के लिए निकला। वे सभी मिलकर घर से रेलवे स्टेशन में पहुँचे। प्लाटफार्म पर मुंबई जाने वाली खड़ी है। अब्दुल्ला, अपने माता–पिता के साथ मुंबई जाने वाली चढ़ा। रेल में रातभर यात्रा कर सुबह मुंबई पहुँचे। रेलवे स्टेशन के पास वाले सगे–संबंधियों के घर में गये। सुबह अमेरिका से शादी के लिए आ रहे उनके मामाजी से मिलने में हवाई अड्डे पर पहुँचे। वहाँ देखा। से उतरे मामाजी के साथ सभी में घर पहुँचे। शाम में समुद्र के मध्य स्थित एलिफेंटा गुफा पहुँचे। अगले दिन शादी धूम–धाम से हुई। शादी का सामान में लादकर सभी लौटने लगे।

यात्रा किसे कहते हैं?

अब्दुल्ला ने किन–किन वाहनों में यात्रा की?

कौन–कौन से वाहन देखे?

ऊपर दिये गये वाहनों में तुमने कौन–कौन से वाहन देखे हैं? किनमें यात्रा की है?

SCERT TELANGANA

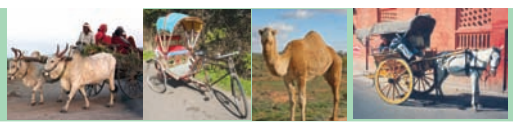

अब्दुल्ला ने कौन–कौन से वाहन देखे, किन–किन वाहनों में यात्रा की हमने देखा। वाहन एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने में सहायता करते हैं। इसमें यात्रा कर हम जहाँ जाना चाहते हैं, वहाँ पहुँच जाते हैं।

अब तक हमने यातायात के विभिन्न माध्यमों के बारे में मालूम किया। इनमें कुछ पानी में यात्रा करते हैं, कुछ हवा में यात्रा करते हैं और कुछ ज़मीन पर यात्रा करते हैं। नीचे दिये गये चित्र को देखो। वे कहाँ–कहाँ यात्रा कर रहे हैं, बताओ।

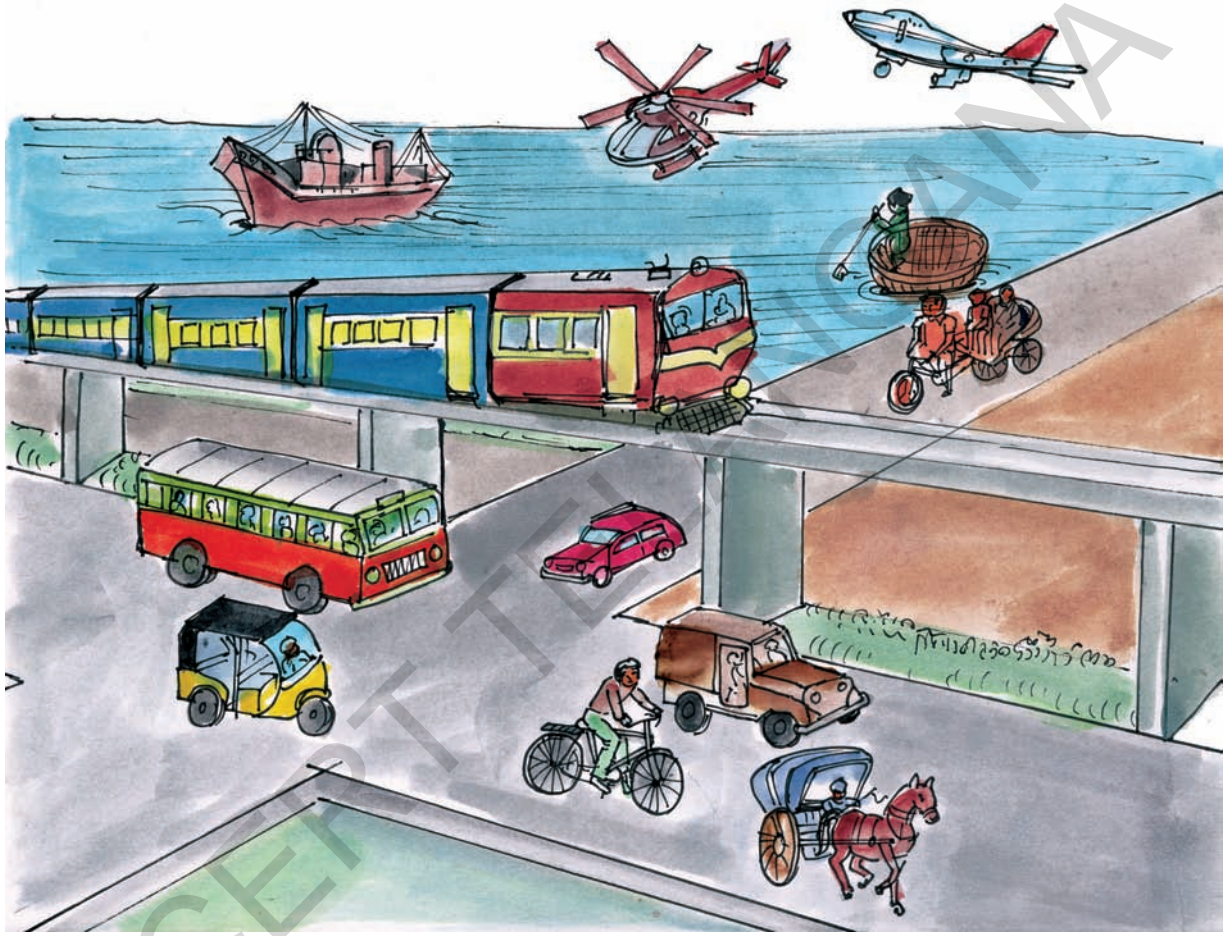

ज़मीन पर चलने वाले, पानी में चलने वाले, हवा में उड़ने वाले वाहनों के बारे में तुम्हें पता है? उनके नाम नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

सड़क पर चलने वाली	पानी पर तैरने वाले	हवा में उड़ने वाले

तुम्हारे गाँव में किस तरह के वाहन हैं?

SCERT TELANGANA

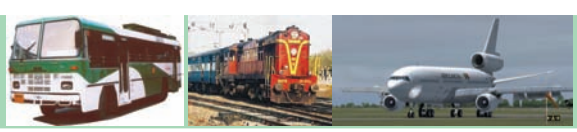

नीचे दिये चित्र देखो। इसमें तुम्हारे गाँव में उपयोग किये जाने वाले साधनों पर रंग भरो।

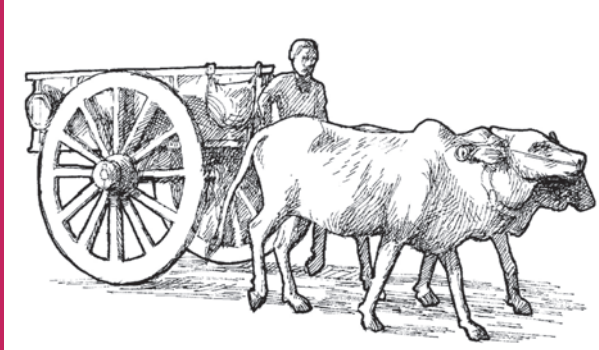

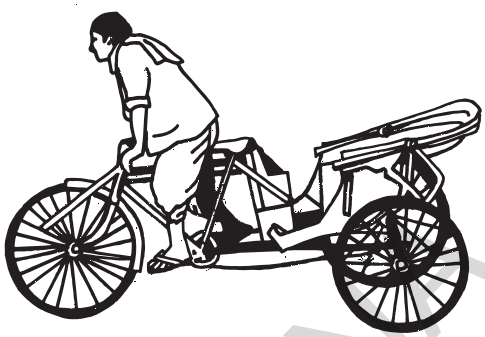

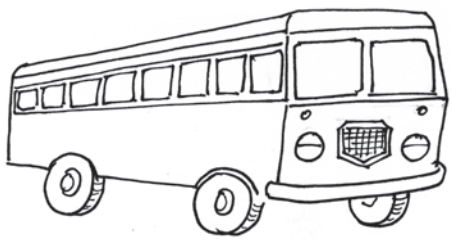

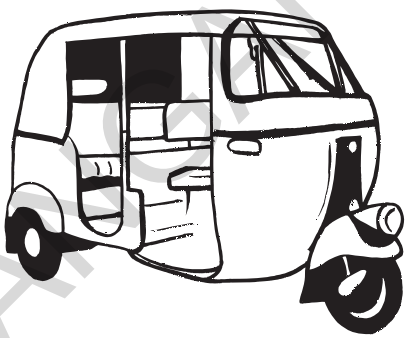

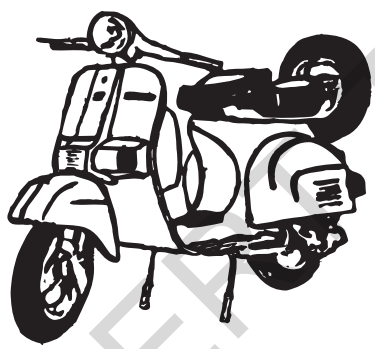

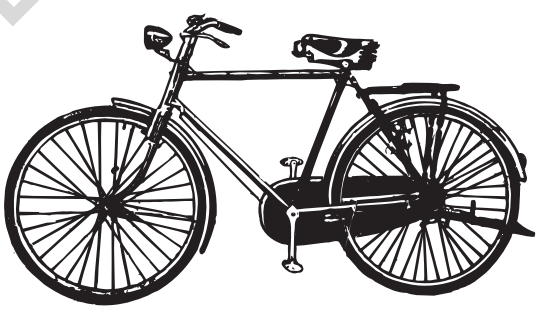

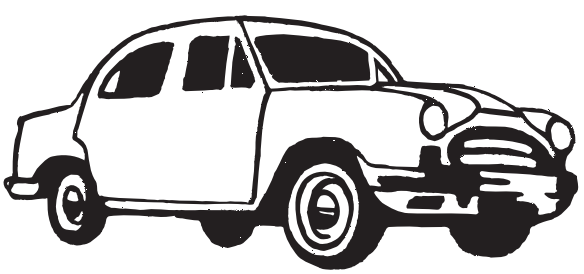

तुम्हारे गाँव में किन वाहनों का उपयोग किया जा रहा है, दिया गया है। इनके अलावा तुम्हारे गाँव में किन वाहनों का उपयोग किया जाता है?

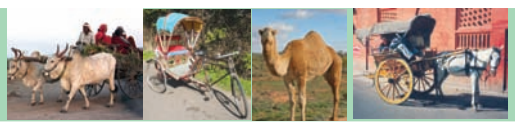

तुम जिस स्थान पर रहते हो उस स्थान से नज़दीकी प्राँत जाने के लिए किसका उपयोग करते हो? दूरस्थ स्थानों पर जाने के लिए किन वाहनों का प्रयोग किया जाता है। दर्शनीय प्रांत किसमें जाते हैं, बताओ। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

नज़दीकी प्राँत जाने के लिए	दूर प्राँत जाने के लिए	बहुत दूर प्राँत जाने के लिए

यात्रा की जाने वाली दूरी, आवश्यकता के अनुसार अलग–अलग तरह के वाहनों का उपयोग करते हैं। नज़दीकी प्राँतों के लिए पैदल जाते हैं। साइकिल, ऑटो, रिक्शा, घोड़ा–गाड़ी, आदि वाहनों पर जाते हैं। दूरस्थ प्रांतों को बस, रेल, कार, मोटर साइकिल, जीप, जैसे वाहनों में जाते हैं। बहुत दूर प्राँतों को, विदेशों को हवाई जहाज में, पानी के जहाज में यात्रा करते हैं।

सूरारम गाँव जंगलों के समीप है। उस गाँव के लोग कभी–कभी जंगल जाते रहते हैं। चिकनी गोंद, शहद, रीठा आदि के लिए जंगल जाते हैं। किंतु जंगल जाने के लिए सड़क नहीं है।

वे जंगल कैसे जाते हैं, सोचो।

सूरारम गाँव को बस भी जाती हैं। सूरारम से और दूरी पर स्थित गाँवों में सड़क की सुविधा न होने के कारण बस की सुविधा नहीं है। अतः ऐसे गाँवों को कैसे जाते हैं? शिवरात्रि के अवसर पर सारा सूरारम गाँव शिव जी के दर्शन हेतु मल्लन्ना जातरा पर जाना चाहता हैं। इसके लिए उन्होंने एक बस भी भाड़े पर लिया। बस में सभी शिवरात्री को मल्लन्ना जातरा में कोमरवेल्ली जाकर आए।

किन परिस्थितियों में विशेष बस भाड़े पर ली जाती है?
यदि उस गाँव में बस न हो तो कैसे जाते हैं?

सूरारम जैसे और कई गाँव हैं। ऐसे गाँवों में यात्रा की सुविधाएँ क्या होती हैं? उसी तरह कुछ गाँवों में बसें भी नहीं आती। ऐसी स्थिति में उस गाँव के लोग यात्रा कैसे करते होंगे? नीचे दिये गये यातायात के साधनों के बारे में पढ़ो। उनमें कौन– सा साधन उपयोग में लाया जाता है, सोचकर बताओ।

साइकिल	बैलगाड़ी	ऑटो	स्कूटर	ट्रैक्टर	रिक्शा
जीप	बस	वैन	लॉरी	बस	नाव

SCERT TELANGANA

जंगलों में घूमने के लिए उपयोगी	बिना सड़कों वाले गाँवों में जाने के लिए उपयोगी	बिना बसों वाले प्रांतों से अन्य गाँव जाने के लिए	मेले, शादियों में जाने के लिए उपयोगी

हर गाँव में रहने वालों को यात्रा करने के लिए तरह–तरह के वाहनों की आवश्यकता होती है। बहुत से गाँवों में सड़क की सुविधा है। ऐसे गाँवों में बसें आती हैं। बसों से दूसरे गाँव जाते हैं। बिना सड़क वाले गाँवों में बस की सुविधा नहीं होती। तब वहाँ जाने के लिए बैलगाड़ी, साइकिल, मोटर साइकिल, ऑटो, जीप आदि का उपयोग करते हैं।

SCERT TELANGANA

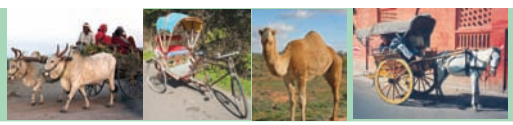

गाड़ी खींचने के लिए बैलों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ गाड़ियों को खींचने के लिए घोड़े भी काम आते हैं। हाथी, गधे, ऊँट भी यात्रा के लिए काम आते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें तुमने कभी देखा?

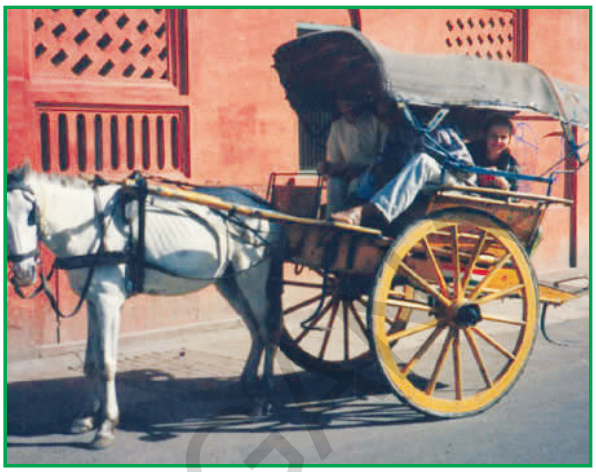

इस बीच बैलगाड़ी, घोड़ागाड़ी का इस्तेमाल कम हो गया है। क्यों, बताओ।

कुछ गाँवों में शादियों में जाने के लिए बस, वैन, लॉरी, ट्रैक्टर आदि का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ गाँवों में अभी भी बैलगाड़ी से एक गाँव से दूसरे गाँव जाते हैं।

तुम्हारे गाँव में शादी, मेले जैसे कार्यक्रमों के लिए किस पर जाते हैं?

कुछ गाँव के लोग उनके गाँव में कुछ काम न होने के कारण दूसरे गाँवों को स्थानांतरित हो जाते हैं। ऐसे लोग अपने लिए ज़रूरी समझने वाली वस्तुएँ साथ में ले जाते हैं। इसके लिए बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, वैन आदि पर जाते हैं। कुछ प्रांतों में नाव पर भी यात्रा की जाती है।

SCERT TELANGANA

इस तरह सफर कर सकते हैं?

नीचे दिये चित्र देखो। वे किसमें यात्रा कर रहे हैं? ऐसी यात्रा करने से क्या हो सकता है? सोचकर बताओ।

इसके द्वारा तुमने क्या सीखा? बताओ। चित्रों में बताये अनुसार यात्रा करने से प्राणाघात का खतरा बना रहता है। इस तरह की यात्रा नहीं करनी चाहिए।

अब दिखायी देने वाले वाहन क्या पहले भी थे?

अब ऑटो, स्कूटर, साइकिल, बस, रेल, हवाई जहाज, नाव आदि का उपयोग यात्रा के लिए कर रहे हैं। क्या ये पहले भी थे? इनके न होने पर पहले कैसे यात्रा करते थे? तुम अपने गाँव के बड़े लोग या दादाजी या बूढ़ों से, नाना–नानी इस तरह किसी से भी पूछो। वे अपने बचपन में कहीं जाने के लिए कैसे यात्रा करते थे? पता करके लिखो।

क्या तुम इस तरह कर सकते हो?

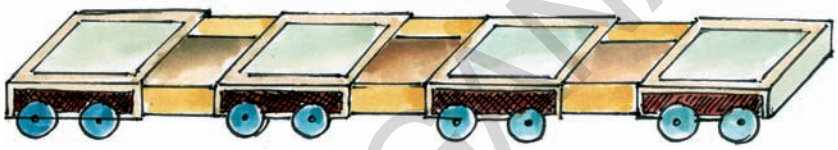

कुछ खाली माचीस की डिबिया लो। सभी माचीस की डिबियों को धागे अथवा तार से बाँधों। हर डिबिया को इंजक्शन शीशे के मुँह पर लगाये जाने वाले रबड़ के ढक्कन लगाओ। आगेवाली माचीस की डिबिया को धागे से बाँधकर खींचते हुए जाओ। डिबिया वाली रेलगाड़ी से खेलो। डिबिया को छोड़कर और किससे इस तरह से बनाया जा सकता है? करके देखो।

मुख्य शब्द

1.	यात्रा	2.	यात्रा के साधन	3.	वाहन
4.	हवा में यात्रा करने वाले	5.	पानी पर चलने वाली	6.	जमीन पर चलने वाले
7.	यात्रा के लिए जानवर	8.	यात्रा में खतरे	9.	प्राचिन काल के यातायात साधन

हमने क्या सीखा

- एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए वाहनों का उपयोग करते हैं।
- यात्रा के लिए बस, ऑटो, रेल, हवाई जहाज, नाव जैसे साधनों का उपयोग करते हैं।
- बैलगाड़ी, घोड़ागाड़ी का भी इस्तेमाल करते हैं। उसी तरह ऊँट, गंधे, हाथी का भी जहाँ–तहाँ इस्तेमाल किया जाता है। किंतु अब इनका उपयोग कम हो गया है।
- यात्रा करने की दूरी के हिसाब से विभिन्न तरह के वाहनों का उपयोग किया जाता है।
- भीड़–भाड़ वाले वाहनों, ऑटो में यात्रा करना प्राणघातक होता है। उसी तरह निजी वाहनों जैसे जीप, ट्रैक्टर, लॉरी आदि में यात्रा नहीं करनी चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. यात्रा किसे कहते हैं? तुमने किन–किन वाहनों में यात्रा की है?

2. नीचे दिये वाहनों के नाम पढ़ो। उन्हें तालिका में लिखो।

   लॉरी, बस, ऑटो, रेल, ट्राली ऑटो, हवाई जहाज, नाव, घोड़ा, बैलगाड़ी, हेलिकॉप्टर, जीप, घोड़ागाड़ी, गधा, साइकिल, रिक्शा, ऊँट, हाथी, ट्रैक्टर।

ज़मीन पर चलने वाली	पानी पर चलने वाली	हवा में चलने वाले

3. साइकिल, मोटर साइकिल के बीच क्या अंतर है? बताओ।

4. किन–किन जानवरों का इस्तेमाल यात्रा के लिए किया जाता है?

5. चित्र देखो।

चित्र में दिखाये अनुसार यात्रा करना प्राणघातक है। क्योंकि.....

.....

.....

.....

© SCERT TELANGANA

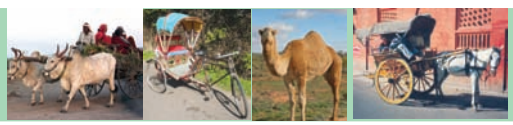

चित्र उतारो–रंग भरो

1. तुम्हारी पसंद के किन्हीं दो वाहनों के चित्र उतारो। नाम लिखो।

सूचना कौशल–परियोजना कार्य

1. रविवार के दिन एक घंटा तुम्हारी गली में घूमने वाले वाहन देखो। उनकी सूची तालिका में लिखो।

घूमे गये वाहन का नाम	घूमे हुए वाहन की संख्या

✍ कौन–कौन से वाहन अधिक घूमे? कौनसे वाहन कम घूमे?

2. चिकनी मिट्टी, लकड़ी के टुकड़े, गत्ते के टुकड़े से बस / गाड़ी का मॉडल बनाओ। प्रदर्शन करो।

प्रशंसा

1. यात्रा के लिए वाहनों का ही नहीं बल्कि जानवरों का भी उपयोग हो रहा है। उनके प्रति हमें कैसे रहना चाहिए?

2. तुम्हारी कक्षा में किसने अच्छी तरह से बस / गाड़ी का चित्र बनाया? वे तुम्हें क्यों अच्छे लगे?

प्रश्न करना

1. पहले यात्रा किसमें की जाती थी इसका पता लगाने के लिए अब्दुल्ला दादाजी के पास गया। उसने दादाजी से क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	हमारे प्रांत में घूमने वाले वाहनों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	यात्रा साधनों के बारे में बता सकता हूँ, तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	वाहनों के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	किन संदर्भों में वाहनों का उपयोग करते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	यात्रा के लिए किन–किन जानवरों का इस्तेमाल करते हैं, बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	यात्रा साधनों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA